@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 21 नवम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 17 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री

20 साल बाद भी बिहार की सा का पर्याय हैं नीतीश

● 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली; इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री; एक मुस्लिम चेहरा

एजेंसी

पटना। बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में नीतीश कुमार ने गुरुवार सुबह 11.30 बजे पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के पश्चात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई एवं शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री नीतीश

भाजपा कोटे से मंत्रियों की सूची उनकी जाति और विधानसभा सीट

सम्राट चौधरी - मुंगेर - कुशवाहा
विजय सिन्हा - लखीसराय - भूमिहार
दिलीप जायसवाल - वैश्य - किशनगंज
मंगल पांडे - ब्राह्मण - सिवान
नितिन नवीन - कायस्थ - पटना
सुरेंद्र मेहता - कुशवाहा - बेगूसराय
संजय टाइगर - राजपूत - आरा
लखेंद्र पासवान- पासवान - वैशाली
श्रेयसी सिंह - राजपूत - जमुई
अरुण शंकर प्रसाद- खजौली- मधुबनी-
राम कृपाल यादव - यादव - पटना
रमा निषाद - मल्लाह- औराई
नारायण प्रसाद - बनिया- नौतन
प्रमोद कुमार चंद्रवंशी - अति पिछड़ा - औरंगाबाद

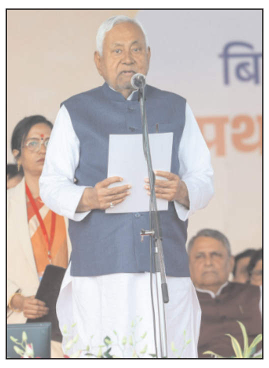

जदयू कोटे से मंत्रियों की सूची उनकी जाति और विधानसभा सीट

अशोक चौधरी (एमएलसी)- दलित - पटना
लेसी सिंह- राजपूत - पूर्णिया
सुनील कुमार- दलित - गोपालगंज
विजेंद्र प्रसाद यादव- यादव- सुपौल
श्रवण कुमार- कुर्मी - नालंदा
विजय चौधरी- भूमिहार- सरायरंजन
मदन साहनी- मल्लाह - बहादुरपुर
जमा ख़ान- मुस्लिम- चैनपुर

लोजपा (आर) के मंत्रियों की सूची उनकी जाति और विधानसभा सीट

संजय पासवान - पासवान- बखरी
संजय सिंह - राजपूत - महुआ

शपथ लेने के बाद सीएम नीतीश ने पीएम का जताया आभार, कहा-
सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी

एजेंसी

पटना। नीतीश कुमार ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उन्होंने दर्जनों मंत्रियों के साथ पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के दोनों डिप्टी सीएम कई बड़े नेता मौजूद थे। गांधी मैदान में हजारों की भीड़ जमा थी। शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार ने सबका आभार जताया।

क्या कहा नीतीश कुमार ने

आज पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आज के इस विशेष अवसर पर बिहार के लोगों को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। आज शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को हृदय से धन्यवाद एवं आभार। साथ ही माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी, विभिन्न राज्यों से आए माननीय मुख्यमंत्री, माननीय केन्द्रीय मंत्री, सभी गणमान्य लोगों एवं विशिष्ट अतिथियों का भी हार्दिक अभिनंदन। बिहार के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में एनडीए की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। मुझे विश्वास है कि बिहार के लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से हम बिहार को देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए ये नेता

शपथ ग्रहण समारोह में देशभर से कई बड़े नेता पटना पहुंचे और अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी मौजूद थे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कई केंद्रीय नेताओं जैसे गिरिराज सिंह, शिवराज सिंह चौहान, चिराग पासवान, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, रविशंकर प्रसाद, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा भी इस समारोह में शामिल हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उनके बेटे और आईटी मंत्री नारा लोकेश, चिराग पासवान की मां रीना पासवान भी पटना पहुंचीं और समारोह की गरिमा बढ़ाई।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा की बड़ी मुश्किलें

ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित नागरिकों ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाकर चुनाव आयोग को बदनाम करने के कथित प्रयासों की निंदा की है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, अन्य विपक्षी दलों, उनका साथ दे रहे बुद्धिजीवियों और एनजीओ पर सवाल खड़े करते हुए एक खुला पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि देश की संस्थाओं पर राजनीतिक हमले नहीं होने चाहिए। भारतीय लोकतंत्र लचीला है और यहां लोग बुद्धिमान हैं।

पत्र में अपील की गई है कि राजनीतिक नेता संवैधानिक प्रक्रिया का सम्मान करें, निराधार आरोपों के माध्यम से नहीं बल्कि नीतिगत स्पष्टता के माध्यम से प्रतिस्पर्धा करें तथा लोकतांत्रिक निर्णयों को

शालीनता से स्वीकार करें। उन्होंने कहा, 'अब समय आ गया है कि नेतृत्व सच्चाई पर आधारित हो, नाटकीयता पर नहीं; विचारों पर आधारित हो, गाली-गलौज पर नहीं; सेवा पर आधारित हो, दिखावे पर नहीं।' इन 272 प्रतिष्ठित नागरिकों में 16 पूर्व न्यायाधीश, 14 पूर्व राजदूत सहित 123 सेवानिवृत्त नौकरशाह, 133 सेवानिवृत्त सशस्त्र बल अधिकारी शामिल हैं। पत्र में चुनाव आयोग से पारदर्शिता और कठोरता के साथ अपना काम करते रहने का आह्वान किया गया है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे चुनाव आयोग के साथ मजबूती से खड़े हों। इसमें कहा गया है कि आयोग को चाहिए कि वह संपूर्ण आंकड़े प्रकाशित करे, आवश्यकता पड़ने पर कानूनी माध्यमों से अपना बचाव करे और पीड़ित होने का दिखावा करने वाली राजनीति को अस्वीकार करें। मतदाता सूची के शुद्धिकरण के प्रयास और आयोग की ओर से जारी एसआईआर को सही ठहराते हुए प्रतिष्ठित जनों ने सवाल पूछा है कि मतदाताओं में किसे स्थान मिलना चाहिए उन्होंने कहा कि फर्जी या जाली मतदाताओं को चुनावों को प्रभावित करने की अनुमति देना राष्ट्र की संप्रभुता और स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है। दुनिया भर में, लोकतंत्र अवैध आव्रजन के प्रति सख्त रवैया अपनाते हैं। यदि अन्य राष्ट्र अपने राज्यों की चुनावी अखंडता की इतनी दृढ़ता से रक्षा करते हैं, तो भारत को भी उतनी ही सक्रियता दिखानी चाहिए।उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बार-बार चुनाव आयोग पर हमला बोला है। यह घोषणा करते हुए कि उनके पास वोट चोरी में चुनाव आयोग की संलिप्तता के स्पष्ट प्रमाण हैं और दावा किया है कि उनके पास 100 प्रतिशत सबूत हैं।

कानपुर इंडस्ट्रियल एरिया में बंद कमरे में मिले चार शव, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित पनकी थाना इलाके के इंडस्ट्रियल एरिया में गुरुवार सुबह एक हैरान कर देने वाली घटना हुई। एक कमरे में सो रहे चार युवकों की मौत हो गई। सुबह जब दरवाजा खुला तो कमरे में चारों का शव पड़ा था, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, पनकी के इंडस्ट्रियल एरिया में डी-58, साइड नंबर-2 स्थित एक ऑयल सीड्स कंपनी के कमरे में चार युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी युवक वहीं ऑयल सीड्स कंपनी के कमरे में रात में सोए थे और सुबह उनका शव कमरे में पाया गया। मृतकों की पहचान अमित वर्मा (32), संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), और दौड़ अंसारी (28) के रूप में हुई है। ये सभी देवरिया जिले के ग्राम

तौकलपुर के रहने वाले थे। प्राथमिक जांच में पता चला है कि जिस कमरे में चारों का शव मिला, वह अंदर से बंद था। कमरे में एक तसले में जलता हुआ कोयला भी मिला है। पुलिस और फोरेंसिक टीम का मानना है कि शायद यह हादसा दम घुटने की वजह से हुआ हो, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी। मौके पर फोरेंसिक टीम ने पूरी जांच की और साक्ष्य जुटाए। कमरे को भी सील कर दिया गया है। पुलिस ने कहा कि फिलहाल तो मामला दम घुटने का लग रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। घटना की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले लोग और आसपास के लोग दहशत में हैं। पुलिस-प्रशासन ने तुरंत अतिरिक्त बल तैनात कर दिया और सुरक्षा बढ़ा दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है।

ईडी ने नकली समन के मामलों से निपटने के लिए क्यूआर कोड सत्यापन शुरू किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नाम पर धोखाधड़ी और जबरन वसूली के लिए नकली समन भेजे जाने की बढ़ती खबरों के बीच ईडी ने नागरिकों को समन नोटिस की असलियत सत्यापित करने में मदद करने के लिए नए तरीके लागू किए हैं। वित्त मंत्रालय ने आज अपने आधिकारिक अकाउंट के जरिये इसकी घोषणा की। नकली ईडी समन असली नोटिस जैसे ही होते हैं, जिससे पाने वालों के लिए सही और गलत के बीच फर्क करना मुश्किल हो जाता है। इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए ईडी अब सिस्टम से बनने वाले समन जारी कर रहा है ।

बंगाल में फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा एआई

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान फर्जी मतदाताओं की पहचान करने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस) आधारित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करेगा। एआई प्रणाली मतदाता डाटाबेस में तस्वीरों का विश्लेषण करके फर्जी मतदाताओं की पहचान करने में मदद करेगी।पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सॉफ्टवेयर फर्जी फोटो वाले मतदाता का पता लगाने के लिए 'चेहरे की पहचान ' फीचर का इस्तेमाल करेगा। अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया, 'एआई-आधारित सॉफ्टवेयर फेस रिकग्निशन फीचर के जरिए फर्जी मतदाताओं की पहचान करेगा।

'अधिकारियों के अनुसार बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया जिसमें एन्यूमरेशन फॉर्म (ईएफ) बांटना, इकट्ठा करना और डिजिटाइजेशन का काम 25-26 नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन होगा। सीईओ कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि एआई प्रणाली उन मामलों का पता लगाने में मदद करेगी जहां एक ही फोटो का इस्तेमाल कई मतदाताओं का प्रमाणपत्र बनाने के लिए किया गया है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस समागम होगा यादगार: सीएम रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 20 नवंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल लाल किला क्षेत्र का दौरा कर आगामी गुरमत समागम के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने व्यवस्थाओं का स्थल पर जाकर जायज़ा लिया और संबंधित विभागों को समयबद्ध तथा उच्च गुणवत्ता के साथ सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, लाइट व्यवस्था, पीने के पानी और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सहित सभी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं और नागरिकों को किसी भी प्रकार की

असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, कपिल मिश्रा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे।मुख्यमंत्री ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादत दिवस को पूरे देश में अत्यंत श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। दिल्ली में भी इस अवसर पर तीन दिवसीय भव्य आयोजन किया गया है, जो 23, 24 और 25 नवंबर को लाल किले पर आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक स्थल गुरु साहब के बलिदान का साक्षी है, और पूरे देश तथा दिल्ली के लोग इस समागम में भाग लेने के लिए आमंत्रित हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

जनजातीय समुदायों का योगदान भारत के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

छीसगढ़ सहित देश भर में लोग वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर विकास की मुयधारा में शामिल हो रहे हैं।

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज छत्तीसगढ़ सरकार के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में कहा कि जनजातीय समुदायों का योगदान भारत के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय है, जो लोकतंत्र की जननी है। इसके उदाहरण प्राचीन गणराज्यों के साथ-साथ कई जनजातीय परंपराओं में भी देखे जा सकते हैं, जैसे कि बस्तर में 'मुरिया दरबार' जो

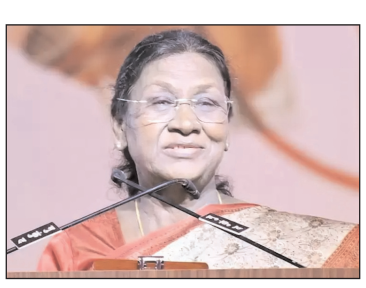

आदिम लोगों की संसद है। राष्ट्रपति मुर्मु ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि जनजातीय विरासत की जड़ें छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड सहित देश के विभिन्न हिस्सों में गहरी हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ सरकार ने 01 नवंबर से 15 नवंबर तक जनजातीय गौरव पखवाड़े को बड़े स्तर पर मनाया। उन्होंने रेखांकित किया कि पिछले एक दशक में जनजातीय समुदायों के विकास और कल्याण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर योजनाएँ विकसित और कार्यान्वित की गई हैं। पिछले वर्ष, गांधी जयंती के अवसर पर 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' शुरू किया गया था।

इस अभियान का लाभ देश भर के 5 करोड़ से अधिक जनजातीय भाई-बहनों तक पहुँचेगा। वर्ष 2023 में, 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन अभियान) शुरू किया गया। ये सभी योजनाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार जनजातीय समुदायों को कितनी प्राथमिकता देती है।उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों के विकास प्रयासों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के वर्ष के दौरान 'आदि कर्मयोगी अभियान' शुरू किया है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस अभियान के तहत देश भर में लगभग 20 लाख स्वयंसेवकों का एक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये स्वयंसेवक जमीनी स्तर पर काम करके जनजातीय समुदायों का विकास सुनिश्चित करेंगे। राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो पाएगा।

19वें भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के जंबूरी की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

● विश्वस्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार लखनऊ के वृंदावन कॉलोनी स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड पर 23 नवंबर से शुरू होने वाले 19वें भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के जंबूरी आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। राज्य में 61 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित डायमंड जुबिली संस्करण की मेजबानी योगी सरकार कर रही है। राज्य के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। यह आयोजन 29 नवंबर तक चलेगा। मुख्यमंत्री योगी ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोजन के लिए विश्वस्तरीय व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही की कोई गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री ने स्काई साइक्लिंग और ज़िपलाइन एडवेंचर का विशेष प्रदर्शन भी देखा, जिसकी उन्होंने सराहना की। उनके साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव

उन्होंने आवास, स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं और डिजिटल कनेक्टिविटी तक हर व्यवस्था को सर्वोत्तम मानक के अनुरूप तैयार करने पर जोर दिया। सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रभात कुमार (सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर), राज्य मुख्य आयुक्त, स्काउट्स एंड गाइड्स, और डीएम लखनऊ विशाख जी मौजूद रहे।

नक्सली मुठभेड़ में शहीद इंस्पेक्टर आशीष को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई

-सीएम यादव और कैबिनेट मंत्री ने शव को दिया कंधा

नरसिंहपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के बालाघाट में नक्सली मुठभेड़ में शहीद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई दी गई है। नरसिंहपुर में उनके गृहग्राम बोहानी में मुक्तिधाम के पार बने ग्राउंड में उन्हें सलामी दी गई। शहीद के अंतिम संस्कार में शामिल होने कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और उदय प्रताप सिंह पहुंचे। सीएम डॉ. मोहन यादव भी यहां पहुंचकर शहीद को श्रद्धांजलि दी। मप्र कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी शहीद जवान को श्रद्धांजलि दी। सीएम डॉ. यादव और कैबिनेट मंत्री पटेल ने शहीद को कंधा दिया। उनकी पार्थिव देह को चिता तक ले जाया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह बालाघाट में उनकी श्रद्धांजलि यात्रा निकाली गई। दोपहर में उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा। परिजन रो-रोकर बेहाल हैं और गांव में माहौल गमगीन था। शहीद को अंतिम विदाई देने करीब 5000 से ज्यादा लोग पहुंचे। एंटी नक्सल ऑपरेशन डीजी ने बताया कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया था। तीनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्र के बोर तालाब के पास नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। पुलिस के पहुंचने पर नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। तीनों टीम को लीड कर रहे इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को गोली लग गई। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिहार की जनता ने राहुल गांधी को बर्खास्त किया, बंगाल की जनता ममता को करेगी : अग्निमित्रा पॉल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाना बनाया है। बीजेपी नेता पॉल ने दावा किया कि बिहार की जनता ने राहुल गांधी को बर्खास्त कर दिया है, और बंगाल की जनता 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को बर्खास्त करेगी।

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन और राहुल गांधी का भविष्य साफ हो गया है, क्योंकि कांग्रेस के नेता खुद राहुल गांधी की काबिलियत पर सवाल उठा रहे हैं। बीजेपी पॉल ने राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर सवाल उठाकर कहा कि उन्होंने वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम हटाए जाने का दावा किया, लेकिन 65 लोगों ने भी शिकायत दर्ज नहीं कराई। भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव ने पीएम मोदी की तारीफ करने पर शशि थरूर की आलोचना करने पर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ नकारात्मक बातें करता है, और शशि थरूर की आलोचना गांधी परिवार के कहने पर हो रही है। इल्तिजा मुफ्ती के बयान पर पॉल ने कहा कि अगर वह आतंकवादियों को गुमराह युवा कहती हैं, तो उन्हें शर्म आनी चाहिए और उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए।

चिप्स के पैकेट में निकला खिलौना बच्चे ने निगला, कोशिश के बाद भी नहीं बची जान

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बड़े-बुजुर्ग अक्सर बच्चों को लेकर सतर्क रहते हैं और कहते हैं हर पल इन पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही बड़ी अनहोनी का कारण बन जाती है। ऐसा ही एक मामला ओडिशा में सामने आया यहां मामूली-सी चूक में मासूम की जान चली गई। दरअसल, कंधमाल जिले में चिप्स के पैकेट में मिले एक छोटे खिलौने को बच्चा निगल गया और चार साल के मासूम की मौत हो गई। घटना दरिंगबाड़ी ब्लॉक के ब्राह्मणी थाना क्षेत्र स्थित मुसुमाहापाड़ा गांव की है। मृत बच्चे का नाम बिगिल प्रधान था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार वालों ने बताया कि बच्चे के पिता उसके लिए चिप्स का पैकेट लाए थे। पैकेट खोलते ही चिप्स के साथ एक छोटी प्लास्टिक की टॉय गन भी निकली। वहीं माता-पिता पास ही खेत में काम कर रहे थे, तब बच्चा उस खिलौने से खेल रहा था। अचानक बच्चा रोने लगा। माता-पिता दौड़े आए और खिलौना मुंह से निकालने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हुए। आनन-फानन में बच्चे को 30 किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीएचसी के प्रभारी ने बताया कि पिता ने उन्हें बताया था कि चिप्स के पैकेट में मिला खिलौना बच्चे के गले में फंस गया और श्वास नली बंद हो गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के कई इलाकों में छाई मोटे कोहरे की चादर, एक्युआई 400 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। हवा की कम स्पीड और गिरते तापमान के बीच दिल्ली में घना कोहरा और देर तक रहने वाली धुंध छाई हुई है। गुरुवार को दिल्ली के कई इलाकों में धुंध की मोटी परत छाई। दिल्ली का एक्यूआई 400 के करीब दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। इंडिया गेट, राजपथ और राष्ट्रपति भवन घने कोहरे की चादर में लिपटे नजर आए। आईटीओ इलाके में एवरेज औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 399 रहा। इसके अलावा, तुगलकाबाद-महरौली-बदरपुर क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति और भी भयावह रही, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 479 तक पहुंच गया। सड़कों और पार्कों में भी स्मॉग स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। प्रदूषण का प्रभाव सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एनसीआर के शहर भी गंभीर स्थिति में हैं। फरीदाबाद में एक्यूआई 380, गुरुग्राम 385, नोएडा 372, ग्रेटर नोएडा 378 और गाजियाबाद 388 रिकॉर्ड किया गया। एक व्यक्ति ने हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि सांस लेने में दिक्कत होती है और आंखों में जलन होती है। बाहर जाना ही पड़ता है। बाहर नहीं घूमेंगे तो स्थिति बिस्तर पर पड़े रहने की बन जाएगी। कुछ होना चाहिए, लेकिन कोई कुछ नहीं करता। इससे पहले दिल्ली में बिगड़ी आबोहवा के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सरकार से नवंबर और दिसंबर के महीनों में तय शारीरिक खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने का आग्रह किया, ताकि एयर पॉल्यूशन से स्टूडेंट्स की हेल्थ को बचाया जा सके। आयोग ने यह कदम सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों के आलोक में उठाया, जिनमें वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर और इसके बच्चों पर संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की गई थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा- बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना हराम कर दिया

-अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया संबोधित

सरगुजा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं। साथ ही कहा कि बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना हराम कर दिया था। अंग्रेजों को सिर्फ सपने में बिरसा मुंडा ही दिखते थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हम बिरसा मुंडा की पीढ़ी हैं। आदिवासी संस्कृति को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। हमें आदिवासी संस्कृति को बचाना है। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी युवाओं को सम्मानित किया। साथ ही वैद्यों और देवस्थलों से जुड़ी योजना मुख्यमंत्री वैद्यराज सम्मान योजना और मुख्यमंत्री ग्राम अखरा विकास योजना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 70 साल पहले डॉ. राजेंद्र प्रसाद के गोद लिए गए बच्चों से भी मिलीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जब मैं हेलीपैड से आ रही थी, तब रास्ते में छत्तीसगढ़ की संस्कृति साफ़ दिखाई दे रही थी। राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है जो बहुत प्रभावशाली और मनभावन है... मुझे आदिवासी होने पर बहुत गर्व है। आदिवासी कला और संस्कृति को देश के साथ-साथ विदेशों में भी और अधिक बढ़ावा देने की जरुरत है। उन्होंने वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए लोगों की प्रशंसा की। मुझे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली (झारखंड में) जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारतीय इतिहास में आदिवासी समुदायों का योगदान अतुलनीय रहा है। छत्तीसगढ़ आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। झारखंड और ओडिशा छत्तीसगढ़ से ज़्यादा दूर नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है, जो सार्वजनिक स्थानों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुव्यवस्थित प्रयासों से निकट भविष्य में वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा।

इसी कार्यक्रम में सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के घरों तक बिजली पहुंची, बस्तर में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। आदिवासियों का विकास हो रहा है। बस्तर के लोगों को राशन मिल रहा है। वहीं राज्यपाल रामेन डेका ने कहा कि बिरसा मुंडा महान वीर थे, जिन्हें आज याद किया जा रहा है।

लगातार मेहनत और कुशल रणनीति के कारण भाजपा में बढ़ता जा रहा केशव प्रसाद मौर्य का कद

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तप्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भाजपा में कद अब और बढ़ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में बतौर सह प्रभारी बेहतर प्रदर्शन करने के बाद उन्हें अब पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पहले भी कई राज्यों में केशवप्रसाद को अहम जिम्मेदारियों मिलती रही है। अब बिहार में बढ़ी जिम्मेदारी को काफी अहम माना जा रहा है। केशव प्रसाद मौर्य के

नेतृत्व में ही यूपी में 2017 का चुनाव लड़ा गया था। तब वह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। तब 14 साल बाद भाजपा को सत्ता में वापसी हुई थी। पार्टी ने तीन चौथाई बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। उन्हें महाराष्ट्र विस चुनाव 2019 में भी सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा वहां भी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। पश्चिम बंगाल में भी उन्हें चुनाव प्रबंधन का काम दिया गया था। बात दें कि यूपी में भाजपा को पहली बार ओबीसी चेहरे कल्याण सिंह के नेतृत्व में सत्ता हासिल हुई थी। उसके बाद 14 साल बाद 2017 में सरकार बनी तब बतौर प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य का चेहरा था। इससे पार्टी में यह बात उठती रहती है कि ओबीसी वोट बैंक जरूरी है। इसके लिए पार्टी के पास ओबीसी चेहरे होने चाहिए। उधर, हिंदुत्व के ध्रुवीकरण के जवाब में विपक्ष लगातार पीडीए का कार्ड खेल रहा है। इस पीडीए कार्ड से विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनाव में काफी हद तक सफलता भी मिली थी। इसके बाद भाजपा को भी लग रहा है कि किसी तरह पीडीए का तोड़ निकाला जाए। इसी नजरिए से केशव प्रसाद उनके पास ओबीसी का बड़ा चेहरा है। यूपी के बाद अब पार्टी इसी का लाभ लेने की कोशिश पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर कर रही है।

सीएम सरमा का राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष... रॉबर्ट वाड्रा कौन हैं? क्या वह सांसद या विधायक हैं?

पटना (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीजा और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा पर तीखा कटाक्ष किया है। वे बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर रॉबर्ट वाड्रा की ओर से उठाए गए सवालों पर जवाब दे रहे थे। सीएम सरमा से पत्रकारों ने पूछा, रॉबर्ट वाड्रा कह रहे हैं कि हार-जीत होती रहती है। राहुल गांधी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इस पर सीएम सरमा ने कहा, रॉबर्ट वाड्रा कौन हैं? क्या वह सांसद या विधायक हैं? क्या अब हमें राहुल गांधी के जीजा का पीछा करना होगा? इसके पहले, कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने बिहार चुनाव के नतीजों को खारिज कर फिर से चुनाव कराने की बात उठाकर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने एनडीए की मदद की। उन्होंने महागठबंधन की हार पर कहा, सभी को लग रहा है कि जो चुनाव हुआ है, उसमें चुनाव आयोग ने एनडीए सरकार को जिताने के लिए मेहनत की है। नतीजों से लोग खुश नहीं हैं। 10 हजार रुपए देकर लोगों को खरीदा जा रहा है। ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए थीं। चुनाव आयोग को यह रोकना था, लेकिन उन्होंने चलने दिया। इस दौरान, सीएम सरमा ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के बीच बांग्लादेशी नागरिकों के राज्य छोड़ने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, बांग्लादेशियों को भारत में क्यों रहना चाहिए? अगर एसआईआर उन्हें भारत छोड़ने पर मजबूर करता है, तब हमें इस कदम का स्वागत करना चाहिए।

लालू परिवार के झगड़े का फायदा उठा रहे पीके, महिलाओं के लिए खोल दी हेल्पलाइन

पटना (एजेंसी)। कहते हैं कि दो लोगों के झगड़े में तीसरा फायदा उठा लेता है। बिहार में तीसरा कोई और नहीं बल्कि प्रशांत किशोर उर्फ पीके हैं। पीके लालू परिवार के झगड़े का पूरा पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसकी शुरु महिला हेल्पलाइन से शुरु कर दी है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद जहां महागठबंधन के नेता सार्वजनिक मंचों से लगभग गायब हैं, वहीं जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर (पीके) खुलकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। चुनावी हार के बावजूद पीके ने न सिर्फ लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया, बल्कि खुद को विपक्ष की मुख्य धुरी की तरह स्थापित भी किया।

पीके ने महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9121691216 जारी किया और कहा कि जन सुराज के कार्यकर्ता हर महिला की मदद करेंगे ताकि वे सरकारी दफ्तरों में जाकर अपने हक की मांग कर सकें। पीके ने कहा कि हमने भले गलती की हों, लेकिन हमने विभाजनकारी राजनीति या गरीबों का वोट खरीदने जैसा अपराध नहीं किया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें चुनाव से पहले ही मुश्किल नतीजों का अंदाजा था- यही कारण था जब उन्होंने कहा था कि जन सुराज चुनाव के बाद या तो अर्श पर होगी या फर्श पर। 20 नवंबर को पीके वहीं लौटेंगे जहां से उन्होंने 2 अक्टूबर 2022 को जन सुराज आंदोलन की शुरुआत की थी- पश्चिम चंपारण। शपथ ग्रहण के दिन उनका मौन उपवास उन्हें गांधीवादी संघर्ष की राह पर रखने का प्रतीक माना जा रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि जन सुराज का प्रदर्शन उम्मीद से काफी कमजोर रहा। करीब 3.34प्रतिशत वोट शेयर मिलने के बावजूद पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली और 238 में से 236 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। फिर भी एक महत्वपूर्ण तथ्य यह रहा कि 129 सीटों पर जन सुराज तीसरे स्थान पर और एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर नीतीश कुमार की नई एनडीए सरकार अपने चुनावी वादे के अनुसार 1.5 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपये दे देती है, तो वे-राजनीति छोड़ देंगे। यहां तक कि बिहार छोड़ देंगे। उन्होंने एनडीए सरकार को 6 महीने की समय सीमा दी है और दावा किया कि इस वादे को चुनाव प्रचार में सरकारी मशीनरी की मदद से बढ़ा-चढ़ाकर बेचा गया।

चुनाव परिणाम आने के बाद से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों ही मंच से दूर हैं। 14 नवंबर के बाद से न तो उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, न ही हार की जिम्मेदारी पर सार्वजनिक बयान दिया। तेजस्वी यादव पारिवारिक विवादों में घिरे बताए जा रहे हैं, जबकि राहुल गांधी ने केवल एक्स पर एक पोस्ट लिखकर चुनाव को चौंकाने वाला और अनुचित करार दिया था। इन परिस्थितियों में पीके का सक्रिय रुख उन्हें स्वाभाविक रूप से सबसे प्रमुख विपक्षी नेता की भूमिका में ला खड़ा करता है। चुनावी हार के बाद भी पीके की रणनीति, सक्रियता और जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की शैली ने उन्हें बिहार में सबसे दिखाई देने वाला विपक्षी नेता बना दिया है। उन्होंने जिस तरह महिलाओं के मुद्दों को सीधे उठाया और एनडीए सरकार को खुली चुनौती दी, उससे यह साफ है कि वे विपक्ष की खाली पड़ी जगह को भरने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में हैं। 20 नवंबर को जहां पटना के गांधी मैदान में नीतीश कुमार मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण होगा, वहीं प्रशांत किशोर पश्चिम चंपारण के भीतिहरवा स्थित गांधी आश्रम में 24 घंटे का उपवास और मौन रखेंगे। यह वही स्थान है जहां से 1917 में महात्मा गांधी के सत्याग्रह की शुरुआत हुई थी। पीके ने इस जगह को चुनकर यह संदेश दिया है कि उनकी राजनीति संघर्ष और आत्मशुद्धि से प्रेरित है।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला, कुत्ते के काटने पर अगर हुई मौत... 5 लाख का मुआवजा

बेंगलुरु (एजेंसी)। देशभर में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के बीच कर्नाटक सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने आवारा कुत्तों द्वारा लोगों और छोटे बच्चों को काटने की बढ़ती घटनाओं के बीच मुआवजा राशि देने का ऐलान कर दिया है।

कर्नाटक सरकार के अनुसार, कुत्ते के काटने पर अगर किसी की मौत होती है, तब पीड़ित परिवार को राज्य सरकार द्वारा 5 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। वहीं, कुत्ते काटने से जख्मी होने वाले को 5,000 रुपये का मुआवजा मिलेगा। कर्नाटक सरकार ने आवारा कुत्तों से हुई गैर-जानलेवा चोटों के लिए भी मुआवजे की जानकारी दी है। स्किन पर छेद, छेद और कट के साथ गहरे काले निशान या आवारा कुत्तों द्वारा कई बार काटने के मामलों में कुल 5,000 रुपये का मुआवजा। इस रकम में से 3,500 रुपये सीधे पीड़ित को दिए जाएंगे, और 1,500 रुपये इलाज से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए सुवर्णा आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट को दिए जाएंगे।

इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने तमिलनाडु में कुत्तों के काटने और रेबीज से होने वाली मौतों की संख्या में खतरनाक बढ़ोतरी पर चिंता जाहिर की है। डेटा का हवाला देकर चिदंबरम ने कहा कि राज्य में अकेले इस साल कुत्तों के काटने के करीब 5.25 लाख मामले और रेबीज से 28 मौतें दर्ज हुई हैं।

चिदंबरम ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देकर बताया कि इस साल (अब तक) कुत्तों के काटने के 5,25,000 मामले और रेबीज़ से 28 मौतें दर्ज की गईं। कांग्रेस नेता ने पोस्ट में लिखा था, कुत्तों से प्यार करने वालों की चिंताएं सही हैं, लेकिन उन्हें खतरनाक डेटा डराता है। कुत्तों से प्यार करने वाला होना आवारा कुत्तों को अलग करने, उनकी नसबंदी करने और उन्हें वैक्सीन लगाने का समर्थन करने में कोई बुराई नहीं है।

सेना पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी राहुल गांधी को राहत

-ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे एक मामले में राहत दी है। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर साल 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। दो जजों की पीठ जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने यह फैसला लिया। कोर्ट ने सुनवाई यह कहते हुए टाल दी कि सुनवाई टालने के लिए एक लेटर भेजा गया था।

बता दें यह पूरा मामला राहुल गांधी की कथित टिप्पणी से जुड़ा है, जिसको लेकर आरोप लगे हैं कि कांग्रेस नेता ने सेना का अपमान किया है। राहुल गांधी ने 29 मई के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने की मांग की थी।

बता दें इससे पहले अगस्त में हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया था। वहीं, यूपी की योगी सरकार और शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। हालांकि उसी दौरान कोर्ट ने पूछा था कि उन्होंने कैसे यह कह दिया कि 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि चीन के कब्जे में है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या आप वहां पर मौजूद थे? कोर्ट ने कहा था कि अगर आप सच्चे भारतीय होंगे, तो ऐसे बयान कभी नहीं देंगे।

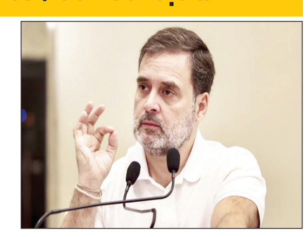

बता दें राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी है कि विपक्ष के नेता को देश के मुद्दों पर सवाल उठाने से नहीं रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के मुताबिक कोर्ट को कोई भी आपराधिक शिकायत स्वीकार करने से पहले आरोपी की भी बात सुननी चाहिए।

राहुल गांधी के वकील की दलील है कि शिकायत पढ़कर ही आरोप संदिग्ध लगते हैं और यह भी कहा कि राहुल गांधी लखनऊ के निवासी नहीं हैं, इसलिए समन जारी करने से पहले आरोपों की जांच करनी चाहिए। अब इस मामले में अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी जांच के दायरे में, 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के राडार पर

-जीएमसी में डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की जांच शुरू कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के लाल किला के पास हुए कार बम धमाके की जांच ने अब अल-फलाह यूनिवर्सिटी को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि अब यूनिवर्सिटी के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं। उधर, व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद एजेंसी ने जीएमसी में डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक विश्वविद्यालय के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। इतना ही नहीं हॉस्टल और बाहर रहने वाले छात्रों के कमरों की तलाशी हो रही है। अब तक 1000 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जांच एजेंसियां ये पता लगाने में जुटी हैं कि दिल्ली ब्लास्ट के बाद कितने लोग यूनिवर्सिटी छोड़कर गए और उनकी पहचान क्या है। कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन का डेटा डिलीट किया है, जिसकी भी गहन जांच होगी।

उधर जांच एजेंसियों ने एक 35 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी को नूंह की हिदायत कॉलोनी में कमरा किराए पर दिया था। ये आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिला दिल्ली बम धमाकों के बाद से फरार थी। घटना के बाद उसका परिवार भी जांच के दायरे में है। सूत्रों ने बताया कि उमर ने नूह में रहते वक्त कई मोबाइल फोन इस्तेमाल किए थे। ब्लास्ट के बाद अल-फलाह अस्पताल में मरीजों की संख्या आधी रह गई है। पहले रोजाना 200 के करीब ओपीडी मरीज आते थे, अब 100 से कम आ रहे हैं। जांच एजेंसियां ये पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या विश्वविद्यालय के अंदर कोई हैंडलर था, क्योंकि उमर को संस्थान में विशेष सुविधा मिलती थी।

विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद यहां अप्रेंटिसशिप कर रहे दो डॉक्टरों ने बताया कि उमर 2023 में बिना किसी छुट्टी और सूचना के करीब छह माह तक अस्पताल और विश्वविद्यालय से गायब रहा। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि घटना का अजीब पहलू ये है कि वापस आते ही वह सीधे ड्यूटी पर लौट आया और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि उमर बहुत कम कक्षा अडेंड करता था। वह हफ्ते में सिर्फ एक या दो लेक्चर लेता था और वहां भी सिर्फ 15-20 मिनट के। फिर वह अपने कमरे में वापस चला जाता था। चौंकाने वाले खुलासे में डॉक्टरों ने बताया कि उमर को अस्पताल में हमेशा शाम या रात की शिफ्ट में ही काम मिलाता था। उमर को कभी सुबह की शिफ्ट में काम नहीं दिया गया।

उधर, दिल्ली ब्लास्ट और ÷व्हाइट कॉलर÷ आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद अनंतनाग स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में बुधवार से डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की व्यापक जांच शुरू की गई है। इस महीने की शुरुआत में यहीं डॉ. अदील राथर के लॉकर से एके-47

बरामद हुआ था, जिसके बाद कई डॉक्टरों का आतंकी मॉड्यूल पकड़ा गया और 2900 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

एएनपीआर कैमरों के बाद वाहन गुजरते ही नंबर प्लेट स्कैन होगी और टोल राशि सीधे फास्टैग या एमसीडी खाते से कट जाएगी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने स्वच्छ गंगा मिशन की प्रगति को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) से चार सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान एनएमसीजी के वकील ने अदालत को बताया कि गंगा और उसकी सहायक नदियों वाले राज्यों और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से मांगी गई रिपोर्ट अभी तक नहीं मिल सकी हैं। एनएमसीजी ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के लिए चार सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा। एनजीटी ने समय तो दे दिया, लेकिन रिपोर्टों की देरी पर नाराजगी भी जताई। इस मामले की अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी। यह मामला एक मीडिया रिपोर्ट से जुड़ा है, जिसमें स्वच्छ गंगा मिशन प्रमुख ने परियोजनाओं पर खर्च की गति को बेहद धीमा बताया था। इसी रिपोर्ट के आधार पर एनजीटी ने स्वयं संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान अधिकरण ने वर्षा जल नालों (स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स) में सीवेज जोड़ने या उनसे पानी लेने की अनुमति पर भी गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि इस तरह की किसी भी कोशिश से वर्षा जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होगी, बरसात के समय नालों के ओवरफ्लो का खतरा बढ़ेगा और यह उन अदालती आदेशों का सीधा उल्लंघन होगा, जिनमें साफ तौर पर वर्षा जल नालों में सीवेज डालने पर प्रतिबंध लगाया गया है। अदालत ने यह भी चिंता जताई कि बारिश के मौसम में कई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) ओवरफ्लो हो जाते हैं, जिससे बिना उपचारित गंदा पानी नदियों और प्राकृतिक जलधाराओं में बहने लगता है। इसके अलावा, एनजीटी ने गंगा और उसकी सहायक नदियों के फ्लडप्लेन क्षेत्रों में एसटीपी स्थापित किए जाने पर भी सवाल उठाए। अधिकरण ने एनएमसीजी से स्पष्ट करने को कहा कि क्या किसी फ्लडप्लेन में एसटीपी लगाने की अनुमति दी गई है। क्या ऐसे किसी प्लांट को एनएमसीजी द्वारा वित्तीय सहायता दी गई है। साथ ही, एनएमसीजी को यह जानकारी भी देनी होगी कि गंगा और उसकी सहायक नदियों के किन क्षेत्रों में फ्लडप्लेन का औपचारिक सीमांकन किया जा चुका है। अदालत ने इन सभी बिंदुओं पर पूरी और तथ्यात्मक रिपोर्ट चार सप्ताह के भीतर जमा करने का निर्देश दिया है।

राजधानी के फ्लाईओवरों के नीचे बदलेगा नजारा, बनेगी हरियाली और पार्किंग

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली में जल्द ही कई प्रमुख फ्लाईओवरों के नीचे का इलाका पूरी तरह बदला हुआ नजर आएगा। जिन स्थानों पर अभी अव्यवस्था, अतिक्रमण और असुरक्षित माहौल देखने को मिलता है, वहां आने वाले दिनों में बच्चों के लिए खेल क्षेत्र, हरियाली से भरपूर छोटे-छोटे गार्डन, सुव्यवस्थित पार्किंग और साफ-सुथरा सार्वजनिक स्थल विकसित किया जाएगा। यह पहल दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा चलाई जा रही फ्लाईओवर गोद लेने की योजना का हिस्सा है, जिसके तहत निजी कंपनियां अपनी कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी गतिविधियों के माध्यम से इन स्थानों को संवारेंगी। अधिकारियों के अनुसार, पीडब्ल्यूडी दक्षिणी दिल्ली स्थित छह फ्लाईओवरों को भारतीय तेल निगम लिमिटेड (आईओसीएल) और इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर चुका है। इन कंपनियों को फ्लाईओवरों के नीचे के हिस्सों की मरम्मत, सौंदर्यीकरण, सफाई और छोटे-बड़े उपयोगी क्षेत्रों के विकास की जिम्मेदारी दी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी ने आईओसीएल के साथ तीन साल का समझौता किया है। इस अवधि में कंपनी अपने खर्च पर संबंधित क्षेत्रों को विकसित करेगी। इस पूरे प्रोजेक्ट के लिए सरकार को कोई राशि नहीं देनी होगी। वहीं पीडब्ल्यूडी ने डायल के साथ भी एक समझौता किया है, जिसके तहत उत्तरी दिल्ली में वीर बंदा बैरागी मार्ग का है। योजना के तहत चिराग दिल्ली, पंचशील फ्लाईओवर, आईआईटी दिल्ली के पास का फ्लाईओवर, अरबिंदो रोड, पंजाबी बाग और मुकरबा चौक फ्लाईओवर सौंपा गया है। इन सभी स्थानों के नीचे सूचनात्मक साइनबोर्ड, हरियाली, फिटनेस क्षेत्र, बच्चों के खेल कोने और छोटे सार्वजनिक उपयोगिता स्थल विकसित किए जा सकते हैं। कई जगहों पर अनियंत्रित पार्किंग एवं अव्यवस्था के कारण असुरक्षित स्थिति रहती है, जिसे सुधारना इस नीति का मुख्य उद्देश्य है। योजना के तहत सरकार इन क्षेत्रों को व्यवस्थित करने से पहले अतिक्रमण, अस्थायी झुग्गियों, बेघर लोगों और भीख मांगने वालों को हटाने की भी योजना बना रही है। अधिकारियों का कहना है कि इन लोगों का पुनर्वास और वैकल्पिक व्यवस्था सामाजिक कल्याण विभाग और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर की जाएगी, ताकि फ्लाईओवरों के नीचे सुरक्षित और स्वच्छ सार्वजनिक स्थान बनाए जा सकें।

दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर ट्रैक्टर ने देवर-भाभी समेत पांच को रौंदा

नोएडा। दनकौर-सिकंदराबाद रोड पर कनारसी गांव के पास रविवार सुबह तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो अलग-बाइक पर सवार पांच लोगों को रौंद दिया। सभी को जिम्स अस्पताल ले जाया गया। जहां देवर-भाभी समेत तीन को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल बच्चों को भर्ती करके उपचार दिया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक परिवार को ले जा रहे बाइक सवार युवक ने हेलमेट पहन रखा था।? वहीं दूसरी बाइक पर अकेले जा रहे युवक ने हेलमेट नहीं पहना था।? ऊंची दनकौर निवासी हीरालाल (25) फास्टफूड का ठेला लगाता था। रविवार को वह अपनी भाभी तुलसी (36), भतीजी कुमकुम (12) और भतीजे देवा (10) के साथ बाइक पर सवार होकर बुलंदशहर के वैर कस्बे में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। सिकंदराबाद रोड से दनकौर की तरफ आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने कनारसी गांव के नजदीक उनकी बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि घटना में बाइक पर सवार दो बच्चे समेत देवर-भाभी गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके साथ ही ट्रैक्टर ने जुनेदपुर गांव के रहने वाले गौरव नागर(23) की बाइक में भी टक्कर मार दी।

चावड़ी बाजार में कार्ड बनवाने वालों की उमड़ रही भीड़

नई दिल्ली। शादियों के सीजन की शुरुआत हो गई है। अब दिल्ली के चावड़ी बाजार में शादियों के कार्ड बनवाने के लिए ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनने वाले कार्ड को लेकर बेहद रुचि दिखा रहे हैं। चावड़ी बाजार में 200 से लेकर 2,000 रुपये तक के कार्ड उपलब्ध है। ग्राहक अपनी इच्छानुसार कार्ड का चयन कर रहे हैं। सुनेजा कार्ड एक्सक्लूसिव के मालिक राहुल सुनेजा ने बताया कि आज कल लोग कस्टमाइज कार्ड की डिमांड ज्यादा कर रहे हैं। इंस्टाग्राम से काफी कस्टमर आ रहे हैं। एआई के आने से हमारे पास और वैरायटी आ गयी है। कार्ड डिजाइनर विजय कुमार ने बताया, हम एआई के जरिये कैरी कैचर्स और फोटो को इस्तेमाल करते हैं। घिबली ट्रेंड को हम ग्राहकों के लिए कार्ड में इस्तेमाल कर रहे हैं। शादी के कार्यक्रम के हिसाब से कस्टमर कार्ड में फोटो की मांग कर रहे हैं। एक समय शादी का कार्ड बनवाने के लिए डिजाइनर के पास चक्कर काटने पड़ते थे, प्रिंटिंग का लंबा इंतजार करना पड़ता था, एआई के इस्तेमाल से अब वही काम महज कुछ मिनट में हो जा रहा है। एआई के जरिये आप घर पर खुद भी कार्ड बना सकते हैं। चावड़ी बाजार में अलग-अलग वैरायटी के कार्ड लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस समागम होगा यादगार: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में कई कार्यक्रम होंगे, जिनमें गुरु साहब के जीवन से संबंधित सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों और कथाओं को प्रदर्शित करने वाला भव्य म्यूजियम शामिल है। लाल किले की प्राचीर पर लाइट एंड साउंड शो का आयोजन किया जाएगा, और सात संगत सत्संग और संकीर्तन प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन सदियों में एक बार ही संभव होता है और सभी को गुरु साहब को नमन करने और उनके आशीर्वाद लेने का यह सुनहरा अवसर अवश्य लेना चाहिए। दिल्ली सरकार और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरमत समागम गुरु परंपरा और मानवता के उच्च आदर्शों को समर्पित भव्य आयोजन है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इस पवित्र कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और स्वच्छ वातावरण मिले।

जागरण से घर लौट रहे युवकों को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। मायापुरी इलाके में जागरण में शामिल होकर घर लौट रहे दो युवकों को कार ने टक्कर मार दी। हादसे में सूरज की मौत हो गई, वहीं उसका दोस्त दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की हालत नाजुक है और दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना सड़क पार करने के दौरान हुई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने से मौत का मामला दर्ज कर लिया है। पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दरादे शरद भास्कर ने बताया कि शनिवार देर रात डेढ़ बजे पुलिस को मायापुरी के मोहन मंदिर के पास सड़क हादसे में दो लोगों के घायल होने की जानकारी मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवकों को डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया। मौके पर कोई चश्मदीद नहीं मिला। आसपास पूछताछ के दौरान पता चला कि तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे दो युवकों को टक्कर मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद चालक कार समेत भाग गया। इसी बीच पुलिस को पता चला कि इलाज के दौरान घायल युवक मायापुरी फेज एक निवासी सूरज ने दम तोड़ दिया है। पुलिस ने उसके शव को कब्जे में कर लिया। जांच में पता चला कि घटना के समय सूरज अपने दोस्त दीपक के साथ जागरण में शामिल होने गया था। वहां से वह पैदल आ रहे थे। मोहन मंदिर के पास दोनों सड़क पार करने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। परिचित आशीष ने बताया कि पुलिस ने अब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। सोमवार रात परिवार वालों ने थाने का घेराव कर आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। आला अधिकारी थाने पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर शांत करवाया। आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया।

NAME CHANGE
I, RAJENDRA KUMAR S/o Hari Nath Yadav R/o H.No.167/5, Block-A, Sheetla Colony, Ashok Vihar, Gurgaon-122001, Haryana, have changed my name to RAJENDRA KUMAR YADAV permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, JARINA BANO W /O MULLA R/O RZ-351A, BRAHAMPURI, PANKHA ROAD, VTC: NANGAL RAYA, PO: NANGAL RAYA, DISTRICT: SOUTH WEST DELHI, STATE DELHI, PIN CODE-110046 declare that name of my husband has been wrongly written as ASHIF AKHATAR in my minor son MOHAMMAD ARYAN aged 15 years in his school records. The actual name of my husband is MULLA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. BAL KISHAN SON OF MR. DARYAI LAL, R/O 570/6-A, VISHWAS NAGAR, SHAHDARA, DELHI-110032 IS OWNER AND IN POSSESSION OF BUILT-UP PROPERTY NO. 570/6-A, MEASURING AREA 23 SQ.YDS., OUT OF KHASRA NO. 790, SITUATED IN THE ABADI OF NAKUL GALI, VISHWAS NAGAR, IN THE AREA OF VILLAGE CHANDRWALI ALIAS SHAHDARA, ILLAQA SHAHDARA, DELHI. AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA, ATS AND WILL DEED DATED 06.02.1986 EXECUTED BY MR. RAM KISHAN IN FAVOUR OF MR. BAL KISHAN. NOW KM. SHIWANI SHARMA C/O MR. KRAPA SHANKAR SHARMA, R/O VILL SONGRA, ALIGARH, U.P. IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY "BUILT-UP PROPERTY NO. 570/6-A, MEASURING AREA 23 SQ.YDS., OUT OF KHASRA NO. 790, SITUATED IN THE ABADI OF NAKUL GALI, VISHWAS NAGAR, IN THE AREA OF VILLAGE CHANDRWALI ALIAS SHAHDARA, ILLAQA SHAHDARA, DELHI", FROM OWNER / SELLER MR. BAL KISHAN, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR,
E-BLOCK, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE
I, PARMINDER MAAKAN S/O Bhachan Singh Maakan R/o A2/34, Hastsal Road, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name from PARMINDER MAAKAN to PRINCE MAAKAN permanently.

NAME CHANGE
I, Charu Rani Dixit W/O Sanjay Das R/O I-1206, JM Florence, Techzone -4 Greater Noida Gautam BUdha Nagar UP 201306 Have changed my name to Charu Dixit for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AKANKSHA MOTHER OF ADWIT SHARMA R/O L-704,7TH FLOOR, EDGE TOWERS, RAMPRASTHA CITY, SECTOR-37D, GAROLI KHURD (106), BASAI, GURGAON, HARYANA-122006, I HAVE CHANGED MINOR FROM ADWIT TO ADWIT SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, OM PRAKASH S/O PARAM LAL SAINI R/O 43-A, BLOCK-A, ADHYAPAK NAGAR, GALI NO.3, NANGLOI, WEST DELHI, DELHI - 110041, DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME OM PRAKESH TO OM PRAKASH.

NAME CHANGE
I, PARAM LAL SAINI S/O DALLI RAM R/O 263, U-BLOCK, MANGOL PURI, DELHI-110083 DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME FROM PARAM LAL TO PARAM LAL SAINI.

NAME CHANGE
I, YASHODA DEVI W/O PARAMLAL SAINI R/O A-43, HANUMAN MANDIR, ADHYAPAK NAGAR, NANGLOI, PO: NANGLOI, DIST: WEST DELHI, DELHI-110041, DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME FROM YASHODA TO YASHODA DEVI.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Sh. Hridhan Vats in respect of Built-Up Property bearing Plot No. L-73, Upper Ground Floor, Front Side, without Roof rights land area measuring 100 Sq. yards, out of total area measuring 200 Sq. yards out of Khasra no. 59/24/2, Situated in the Revenue estate of Village Hastsal, Delhi, abadi Colony Known as Mohan Garden, Uttam Nagar, New Delhi-110059 claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, No-4576583H Jaharlal Ghosh, Rank-CHM residing at Vill - Nischintapur, PO - Madandanga, Tehsil - Krishnanagar, Dist - Nadia, West Bengal - 741137, have changed my mother's name Puspa Rani Ghosh to Puspalata Ghosh and also declare that her date of birth wrongly mentioned as 12-05-1952 in my service record. But my mother's correct date of birth is 01-01-1946 which may be amended accordingly vide affidavit dated 13-11-2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Sidaque Singh Dadiala s/o Harjeet Singh R/o L-413, Rishi Nagar, Rani Bagh, Shakur Basti, Saraswati Vihar, Delhi-110034 have changed my name to Sidaque Singh for all future purpose

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Mohd Sahil, S/o Riyazuddin R/o L Ist 10, Gali no. 1, near Shani Bazar, Sangam Vihar, Deoli, PO: South Delhi, Delhi - 110062, Declare that name of my Father has been Wrongly written as Riyajuddin in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my Father is Riyazuddin

NAME CHANGE
I, Babita Kumari D/o Amar Singh R/o ED-23-B, New Ashok Nagar, East Delhi, Delhi-110096 have changed my name to Babita for all future purposes

NAME CHANGE
I, KHERUNA BANO wife of NO-15486662K, Rank-LD, Name-MANWAR KHAN residing at KAYAMKHANIYO KI DHANI, BHADASAR, PO-DHANKOLI, DIST-NAGAUR, RAJASTHAN-341516, have changed my name from KHERUNA BANO to KHERUNISHA for all future purposes vide Affidavit dated 20/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, GEETA RANI w/o Sh. Satyendra Kumar R/o 192 St. 1, Chanderlok Colony, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name from GEETA RANI to GEETA for all purposes.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Manoj Kumar Gupta** is the owner of Built up property bearing no. 6/50, admeasuring 41.80 Sq. meter i.e. 50 Sq. yards, out of Khasra no. 186 to 191, situated in the area of village karkardooma, at the abadi of gali no. 05 Vishwas Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi- 110032 vide Relinquishment Deed dated 13.05.2025 which is registered as doc. no. 2025/18/I/4013, book no.1, vol. no. 5456, Page no. 23 to 34, on 13.05.2025, SRO- IV-B- Vivek Vihar and Intend to mortgage the said property with **Cholamandalam Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I YOGESH MITTAL S/O LAKHMI CHAND MITTAL R/O RZ-45A/1 G/F GALI NO1 SADH NAGAR PALAM COLONY SOUTH WEST DELHI-110045 HAVE CHANGE MY NAME TO YOGESH KUMAR MITTAL

NAME CHANGE
I, MD ANSARI, S/o ABDUL SAMAD, R/O K-1/2 3RD FLOOR OLD GOVINDPURA EXTENSION,KRISHNA NAGAR EAST DELHI-110051, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD DAUD

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD AFROZ ALI S/o AZMAT ALI, R/o C-99, MILLAT APARTMENT, GROUND FLOOR, SHAHEEN BAGH, OKHLA, DELHI-110025 declare that name of mine and my father have been wrongly written as MOHD AFROZ and MOHD AZMAT ALI in my all Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are MOHD AFROZ ALI and AZMAT ALI respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

NAME CHANGE
I, Surajbhan Singh Rana S/o Subhash Chandra R/o A-1/1, 184C, UGF Madhu Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Suraj Bhan Rana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Subhash Chandra Singh Rana S/o Alam Ram R/o Devipura No.4, Nainital, Kashipur, Uttarakhand-244713 have changed my name to Subhash Chandra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Kuldip Kaur w/o Charanjit Singh Luthra R/o 2C/26, First Floor, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi-110005 have changed my name to Kuldip Kaur Luthra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Imran Idrishi S/o Sahid Ali R/o G-2/46, Chhuriya Mohalla, Tughlakabad Village, New Delhi-110044 have changed my name to Imran Idresi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Bilkish W/o Mohd Sabir R/o Gram Saadatganj, Anoop Ganj, Barabanki, Uttar Pradesh-225206 have changed my name to Vilkis Jahan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ram Shree Thakur w/o Lal Singh Thakur R/o Plot No.3, Commercial Block, Naagar Colony, Roop Enclave, Near SBI Bank, Sector-82, Faridabad-121004, Haryana have changed my name to Ramwati Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Anil Kumar Arora s/o Lajpat Rai R/o 32, Block-S, Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to Anil Arora for all future purposes

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Hoshiyar Singh in respect of Property/Plot Bearing No.F-17/7-B, area measuring 30 sq. yards, Carved out of Khasra No. 7/15, Situated at Village-Karawal Nagar in the abadi of Ankur Enclave, Gali No. 1, Karawal Nagar, Delhi-110094 claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I hitherto known as SARVAN KUMAR S/o GAMA PRASAD, R/o Kohada, Aurahi, Jaunpur, Uttar Pradesh-222001, have changed my name and shall hereafter be known as PINTU PRASAD.

PUBLIC NOTICE
I, Sumiti Giri D/o Rakesh Chawla and Ex. W/o Navneet Giri R/o A 5 B/116, Shanti Kunj, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi-110063 declare that I got divorce from my husband in the Court of Dr Vijay Kumar Dahiya Principal Judge , Family courts (west) ,Tis Hazari courts , Delhi Decree HMA No.3330/2022 dated 09.10.2025 . Further I have changed my name and shall hereafter be known as Sumiti Chawla.

PUBLIC NOTICE
"Be it known to all that my client Smt. Banita Devi W/o Sh. Ramesh Chand, R/o 9D/P- Extension-1, Mohan Garden, New Delhi-110059, has disowned, debarred her son namely Sh. Amit Kumar S/o Sh. Ramesh Chand, R/o 9D/P- Extension-1, Mohan Garden, New Delhi-110059 and her Daughter-in-law Smt. Nisha W/o Amit Kumar R/o 9D/P- Extension-1, Mohan Garden, New Delhi-110059 from all her movable and immovable Properties because her above-named son and Daughter-in-law is out of control of my client. My client has severed all her relations with them, anyone dealing with them my do so at his/her own risk, cost and consequences.
UPKAR SINGH RANDHAWA
ADVOCATE
CH. 843 DWARKA COURTS
OFFICE:P-334E MOHAN GARDEN
UTTAM NAGAR,
NEW DELHI-110059
ENROL.NO. - D-1467/2005

NAME CHANGE
I SAAD ALI S/O AMANULLA R/O , O-47 G/F NEAR LOHA MARKET WELCOME SEELAMPUR DELHI-110053,I have changed my name to SADDAM KHAN Permanently

NAME CHANGE
I ANIL KUMAR GOEL S/O PALAI RAM R/O 423/23 PRABHU NAGAR SONIPAT HARYANA 131001, I have changed my name to ANIL GOEL Permanently

NAME CHANGE
I SUDHA RANI W/O ANIL GOEL R/O 423/23 PRABHU NAGAR SONIPAT HARYANA -131001, I have changed my name to SUDHA GOEL Permanently

NAME CHANGE
I, GURU DAS S/o Late. Ram Chand R/o TA-18, Gali No.6, Shukkar Bazar, Uttam Nagar, Delhi-110059 have changed my name to GURDASS permanently

NAME CHANGE
I, MOHD AFROZ S/O AZMAT ALI R/O C-99, MILLAT APARTMENT, GROUND FLOOR, SHAHEEN BAGH, OKHLA, DELHI-110025, have changed my name to MOHD AFROZ ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHD AZMAT ALI S/O ABDUL HAMID R/O C-99, MILLAT APARTMENT, GROUND FLOOR, SHAHEEN BAGH, OKHLA, DELHI-110025, have changed my name to AZMAT ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GAZALA PRAVEEN W/O MOHD AFROZ ALI R/O C-99, MILLAT APARTMENT, GROUND FLOOR, SHAHEEN BAGH, OKHLA, DELHI-110025, have changed my name to GAZALA PERVEEN for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mr. Satya Prakash in respect of Property/Plot No.17, area measuring 50 sq. yards, Carved out of Khasra No. 8/6, Situated at Village-Matiala in Block-B, Colony Known as Jain Park, Uttam Park, New Delhi-110059 claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever
Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Divya D/O Rama Shanker R/O ROOM NO 102 NUTAN BHAWAN SHRI ADHYA KATYANI SHKTI PEETH MANDIR chattarpur Chattar Pur South delhi 110074, have changed my name and shall hereafter be known as DIVYA SHANKAR.

NAME CHANGE
I, MOHD SAIM SIDDQUI S/O MISBAH SIDDIQUI R/O HOUSE NO. 1690 GALI MADARSA MEER JUMLA LAL KUANDELHI-110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHD SAIM SIDDQUI TO MOHD SAIM SIDDIQUI.

NAME CHANGE
I, Shabana Parveen W/o B-251/A, Gali No.13/8, Subhash Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Shabana Saifi.

NAME CHANGE
I Krishana S/o Bhagat Singh R/o WZ 17, PUNJAB GARDEN, EAST PAUNJABI GARDEN, Punjabi Bagh S.O, DIST: West Delhi, Delhi-110026 have changed my name to Krishna for all future purposes.

NAME CHANGE
I Deepak Kumar S/o Presh Nath Sharma R/o House No V-110, Tripati Enclave, Prem Nagar-2, Kirari Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi-110086 have changed my name to Deepak for all future purposes.

NAME CHANGE
I Sunil Kumar Matta S/O Radhey Shyam, H.No - 3/200, Subhash Nagar, Tagore Garden S.O. West Delhi, Delhi-110027 have changed my name to Sunil Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as HEMRAJ BAIRWA alias HEM RAJ S/O RAM DEV BAIRWA H.NO- F2/75 A, SANGAM VIHAR, DIST: South Delhi, Delhi - 110062, have changed my name and shall hereafter be known as HEMRAJ BAIRWA.

नाम परिवर्तन
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, चुनचुन देवी पत्नी घनश्याम चौधरी, निवासी मकान संख्या-443, शाहबाद दौलतपुर, समयपुर, उत्तर पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110042, घोषणा करती हूँ कि मेरी नाबालिग बेटी सलोनी, उम्र 15 वर्ष, के स्कूल के 10वीं कक्षा के शैक्षिक दस्तावेजों में मेरा नाम गलती से कल्पना लिख दिया गया है। मेरा वास्तविक नाम चुनचुन देवी है।

सार्वजनिक सूचना
श्री तिलक राम उर्फ श्री तिलक राज, श्री राम कॉलोनी, ग्राम बंथला परगना एवं तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में स्थित, खसरा संख्या 535 मिनट में स्थित, आवासीय फ्रीहोल्ड प्लॉट संख्या 43-ए, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज अर्थात 41.805 वर्ग मीटर के पूर्ण स्वामी हैं। श्रीमती माला चौधरी ने प्लॉट संख्या 43-ए, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 543 में स्थित, दस्तावेज़ संख्या 19039 के अनुसार, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 4645, पृष्ठ संख्या 381 से 390 तक, दिनांक 10.09.2004 को उप-पंजीयक चतुर्थ गाजियाबाद में विधिवत पंजीकृत, दिनांक 10.09.2004 को श्री ओम प्रकाश द्वारा श्रीमती माला चौधरी के पक्ष में निष्पादित मूल विक्रय विलेख खो दिया है। नुकसान के संबंध में 20.11.2025 को एलआर संख्या 3366391/2025 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यदि किसी व्यक्ति या संस्था के पास दिनांक 10.09.2004 का उपरोक्त मूल विक्रय विलेख है, तो उनसे अनुरोध है कि वे इसे यथाशीघ्र वापस कर दें। कृपया इस सूचना की तिथि से **7 दिनों** के भीतर **अधिवक्ता दीपक मलिक से +91-9540419009/ 95404190091 पर** संपर्क करें।
दीपक मलिक (अधिवक्ता)
पता - प्लॉट 604,
दुकान - 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स,
दयानंद कॉलोनी, गुड़गाँव

NAME CHANGE
I, Mukesh Kumar S/o Fateh Singh R/o Nagla Bharau, Jugsana, Mathura, Jugsana, Dist- Mathura, Uttar Pradesh - 281308, have changed my minor daughter's name from Baby Kumari aged 16 years to Vedika forever

NAME CHANGE
I Gajraj S/o Raj Vir Singh R/o Nagla Turawali, Shekha, Jalali, Aligarh, Uttar Pradesh - 202128, have changed my name to Gajendra Kumar

NAME CHANGE
I Shyam Shukla S/o Indra Dutt R/o Bambhera, Sidhauli Sitapur, Uttar Pradesh - 261302, have changed my name to Rajjan Lal.

NAME CHANGE
I hitherto known as Tansir Ali S/o Chand Muhd R/o Near Union Bank Of India, Barola, Sector-49, Noida, Gautam Buddha Nagar, Noida, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Tanseer Ahmad.

NAME CHANGE
I hitherto known as Asma Ali W/o Tanseer Ahmad R/o Near Union Bank Of India, Barola, Sector-49, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Nazia.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ZIAUL HAQUE MOHD S/o MOHD ABDULLAH R/o D-128/6 Room No-9, Iqbal Building, Kilokari, Sunlight Colony, Jungpura, South Delhi, Delhi-110014 declare that name of mine has been wrongly written as ZIA UL HAQUE MOHD in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is ZIAUL HAQUE MOHD.

NAME CHANGE
I, SHIWANGI AGGARWAL W/O UDBHAV GUPTA R/O H NO-A-50, ASHOK VIHAR PH-3, ASHOK VIHAR, PH-3, DELHI-110052 have changed my name to SHIVANGI GUPTA for all future purpose

NAME CHANGE
I, Sourabh Mishra S/O Ravindra Nath Mishra R/O Flat No-. 2303, Tower a, Ace City Sector 1, Greater Noida West Up 201318 Have Changed My Name to Saurabh Mishra for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Deepak Kumar S/O Abhimanyu Verma R/O House Number-843 Ashram Road, Maleen Basti Nand Gram, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001, Have changed my name to Deepak Kumar Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Abhimanyu S/O Dhramchand Verma R/O House Number-843 Ashram Road, Maleen Basti Nand Gram, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001, Have changed my name to Abhimanyu Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUSHILA DEVI W/o ASHOK KUMAR PAL R/o QTR NO-65/6, SANJAY VIHAR, DELHI CANTT-110010, have changed my name from SUSHILA DEVI to SUSHILA KUMARI PAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RACHANA RANI wife of JC-708766L, Rank-NB/SUB, Name-MUKESH KUMAR residing at VILL-BRIJPUR, PO-DHAMORA, TEHSIL-MILAK, DIST-RAMPUR, UTTAR PRADESH-243701, have changed my name from RACHANA RANI to RACHNA RANI for all future purposes vide Affidavit dated 20/11/2025 before Notary Public, Delhi.

उत्तर रेलवे
रेलवे भर्ती सैल, उत्तर रेलवे
लाजपत नगर-1, नई दिल्ली-110024
आरआरसी वेबसाइटः www.rrcnr.org
सांकेतिक सूचना
रोज़गार संख्या- RRC/NR-05/2025
उत्तर रेलवे में वर्ष 2025-26 हेतु विभिन्न मंडलों / इकाईओं/कार्यशालाओं में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अपरेंटिस अधिनिम 1961 के तहत एक्ट अपरेंटिस को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 4116 के स्लॉट्स के लिए योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ	
आर आर सी वेबसाइट पर अधिसूचना प्रकाशन की तिथि	18.11.2025
ऑनलाइन आवेदन करने की आरंभिक तिथि और समय	25.11.2025 को 12 बजे से
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि और समय	24.12.2025 को 23:59 बजे तक
मेरिट जारी करने की तिथि	फरवरी 2026

अध्यक्ष / आरआरसी
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3593/25

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **दिनेश उर्फ आकाश पुत्रः** स्व. राम चंद्र **पताः** ए-1/436, डीएलएफ कॉलोनी, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश ने **FIR No. 255/2024 U/s 25 A Act थानाः ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिनेश उर्फ आकाश,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दिनेश उर्फ आकाश,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 255/2024 U/s 25 A Act थानाः ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **दिनेश उर्फ आकाश,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री आकांशा गौतम
जेएमएफसी-2, कमरा नंबर 513
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली
DP/15522/SE/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विशाल कंसल** पुत्र सत्य प्रकाश निवासी मकान नं. 8, गांव और मोहल्ला - महाजनी, मुरादनगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) ने सी.सी. संख्या 2408/19 धारा 138 एन. आई. एक्ट, थाना भजनपुरा, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विशाल कंसल** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विशाल कंसल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि सी.सी. संख्या 2408/19 धारा 138 एन. आई. एक्ट, थाना भजनपुरा, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **विशाल कंसल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **22.12.2025** को हाजिर हो।
आदेशानुसारः श्री पंकज राय,
महानगर दण्डाधिकारी-01 (उत्तर-पूर्व)
कमरा नं. 73,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/15615/NE/2025

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का किया ऐतिहासिक कार्यः रेणु शर्मा

एजेंसी

सिरसा। डबवाली भाजपा जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र निर्माण, कर्तव्यनिष्ठा और दृढ़ता का प्रतीक है। उनकी 150वीं जयंती पर यह कार्यक्रम युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देगा। सरदार पटेल जी ने अपने अदम्य साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रीय एकीकरण की अद्भुत क्षमता से देश को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया है। है। उन्होंने कहा कि सरकार सरदार पटेल जी के सपनों को साकार करते हुए एक सशक्त, सुरक्षित और एकजुट भारत के निर्माण में निरंतर कार्यरत है। यह संकल्प केवल सरकार का नहीं, बल्कि हर भारतीय का साझा सपना है। रेणु शर्मा सिरसा जिले की मंडी कालांवाली में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित यूनिटी मार्च/पदयात्रा का शुभारंभ करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रही थी। यह पदयात्रा माता पूना देवी डीएवी स्कूल से शुरू हुई, जो शहरवासियों, विद्यार्थियों व विभिन्न सामाजिक संगठनों की व्यापक भागीदारी के साथ शहर के प्रमुख स्थानों से होते हुए राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और जन जागरूकता का संदेश देते हुए बिशनामल जैन सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में सम्पन्न हुई। यहां विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के आदर्शों का बखान किया।

पीएम किसान सम्मान निधि से किसानों को हो रहा फायदा : प्रो. बीआर कम्बोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कोयम्बटूर (तमिलनाडु) में आयोजित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट-2025 के उद्घाटन समारोह का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे।मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21 वीं किस्त के तहत 18 हजार करोड़ रुपए की सम्मान राशि का हस्तांतरण किया। इस योजना के तहत अब तक तीन लाख 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त योजना के तहत हरियाणा प्रदेश के 15 लाख 81 हजार 908 किसानों के खातों में 316.38 करोड़ रूपए की धनराशि डाली गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हिसार जिले के 1 लाख 36 हजार 551 किसानों को 27.31 करोड़ रूपए की धनराशि किसानों के खातों में डाली गई।

सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए है कृत संकल्प : कृष्ण मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि सरकार किसानों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता के साथ कार्य कर रही है। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और यदि किसान समृद्ध होगा तो देश स्वतः समृद्धि के पथ पर अग्रसर होगा। हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा हमेटी में प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के तहत 21वीं किश्त किसानों के खातों में जारी होने के उपलक्ष्य में आयोजित जिला स्तरीय किसान सम्मान समारोह में बतौर मुख्यअतिथि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश पहला ऐसा राज्य है, जो किसानों की 46 बागवानी फसलों का एमएसपी पर खरीदने का कार्य कर रहा है। जिला के एक लाख 31 हजार 629 किसानों के खाते में करीब 26 करोड़ 33 लाख रुपये की धन राशि डाली गई है। उन्होंने कहा कि अब तक किसान सम्मान निधि के तहत तीन लाख 90 हजार करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा किसानों के खातों में भेजे गए है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 2019 में की गई थी।

नलवा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को और गति दी जाएगी : रणधीर पनिहार

हिसार। नलवा विधायक रणधीर पनिहार ने अमरदीप न्यू एक्सटेंशन कॉलोनी के वार्ड नंबर 18 का दौरा कर नागरिकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान नागरिकों ने विधायक के समक्ष विभिन्न समस्याएं रखी, जिनके निवारण दिशा में अधिकारियों को निर्देश दिए। विधायक पनिहार ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को कहा कि प्रदेश सरकार जनता की सुविधा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि नलवा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को और गति दी जाएगी और जिन क्षेत्रों में पेयजल व सड़क संबंधी दिक्कतें हैं, वहां जल्द ही सुधार कार्य शुरू किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को संबंधित विभागों से समन्वय कर समाधान की प्रक्रिया त्वरित गति से करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर नागरिक तक मूलभूत सुविधाएं समय पर पहुंचाना है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार लगातार पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर पर कार्य कर रही है। गांवों से लेकर शहरों तक नई परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं, सड़कों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है और जनता को बेहतर सुविधाएं देने के लिए बजट में भी लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि हर क्षेत्र में विकास समान रूप से पहुंचे और लोगों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके।

पीएम-किसान निधि में पलवल के किसानों को मिला 14.86 करोड़ का लाभःनायब सैनी

एजेंसी

पलवल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के कोयंबटूर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी की, जिसके तहत देशभर के करोड़ों किसानों को वित्तीय लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के 15 लाख 82 हजार किसानों के खातों में 316 करोड़ 38 लाख रुपये सीधे हस्तांतरित किए गए। राज्य स्तर पर जिला पलवल में भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। इसके अलावा प्रदेश के सभी जिलों में भी कार्यक्रम किए गए, जिनमें मंत्रियों, सांसदों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। समारोह में उपस्थित किसानों ने प्रधानमंत्री मोदी का लाइव संबोधन सुना। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि सिर्फ पलवल जिले के 74,299 किसानों के बैंक खातों में 14 करोड़ 86 लाख

रुपये की राशि आज ही भेजी गई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत अब तक 21 किस्तों में हरियाणा के किसानों को कुल 7,233 करोड़ 74 लाख रुपये मिल चुके हैं, जिससे राज्य के कृषि क्षेत्र को बड़ी मजबूती मिली है। सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प में किसान, गरीब, महिला और युवा चार मुख्य स्तंभ हैं। उनका मानना है कि किसान की समृद्धि से ही राष्ट्र के विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2047 में जब भारत स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब हरियाणा का किसान आत्मनिर्भर, डिजिटल रूप से सुदृढ़, वैश्विक बाजार से जुड़ा हुआ और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादन का प्रमुख केंद्र होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा किसानों के हित में लगातार बड़े कदम उठा रहा है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, बागवानी फसलों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, पराली प्रोत्साहन राशि को 1,000 से बढ़ाकर 1,200 रुपये प्रति एकड़ किया गया है। भावांतर भरपाई योजना के तहत पिछले 11 वर्षों में 30 हजार किसानों को 135 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां सभी फसलों की सरकारी खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाती है और भुगतान 48 घंटे के भीतर किसानों को मिल जाता है। डिजिटल डेटा व्यवस्था के माध्यम से अब किसान योजनाओं का लाभ अधिक सरलता और पारदर्शिता से प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने भी संबोधित किया।

उबलता तेल फैंक झुलसाने के जुर्म में दस वर्ष कैद की सजा

एजेंसी

जींद। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जसवीर सिंह की अदालत ने उबलता हुआ गर्म तेल फैंक कर जानेलेवा हमला करने के जुर्म में एक दोषी को दस साल की कैद तथा 17 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने यह फैसला सुनाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार सफीदों के वार्ड नंबर आठ निवासी दीपक ने 28 सितंबर 2020 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनकी मौहल्ले के ही जोगेंद्र से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते जोगेंद्र ने उन उबलता हुआ तेल फेंका और बर्फ तोडऩे वाले सुए से हमला कर दिया। जिसमें वह बुरी तरह झुलस गया। उसके पिता बीरभान तथा मां को गंभीर चोटें आई। परिजनों द्वारा तुरंत जोगेंद्र को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया था। जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देख रेफर कर दिया था। काफी समय तक जोगेंद्र का उपचार चला। सफीदों थाना पुलिस ने दीपक की शिकायत पर जोगेंद्र के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जसवीर सिंह की अदालत ने जोगेंद्र को दस साल का कारावास तथा 17 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वर्गीय जयपाल गौतम को अर्पित की श्रद्धांजलि

एजेंसी

पलवल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पलवल स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम के दादा स्वर्गीय जयपाल गौतम की स्मृति में आयोजित रस्म पगड़ी प्रेरणा सभा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर स्वर्गीय जयपाल गौतम की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय जयपाल गौतम का जीवन हम सबके लिए एक प्रेरणा है, जिनके दर्शाये मार्ग पर चलने का प्रण लेते हुए उनके परिजनों को संकल्प लेना चाहिए।मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि वे लंबे समय से जयपाल गौतम के परिवार से जुड़े हुए हैं और उन्हें हमेशा उनका आशीर्वाद मिलता रहा है। वे परिवार के वटवृक्ष थे। एक सम्मानित सामाजिक व्यक्ति थे, जिन्हें क्षेत्र में उनके सौम्य स्वभाव, जनसेवा की भावना और समाज के प्रति निरंतर योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि जयपाल गौतम का लंबा जीवन

रहा है और उन्होंने 105 वर्ष की आयु प्राप्त की है जो हम सबके लिए प्रेरणा है।खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने अपने दादा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा था कि स्वर्गीय जयपाल गौतम उनके परिवार की प्रेरणा थे। उन्होंने न केवल परिवार को संस्कार दिए, बल्कि समाज में सेवा और सौहार्द की भावना को जीवित रखा। उन्होंने मंत्रिमंडल के सहयोगियों, जनप्रतिनिधियों और प्रदेशभर से मिले संवेदना संदेशों के प्रति हृदय की गहराई से सभी का आभार प्रकट किया।

पीडब्ल्यूडी विभाग को मिले 26 रोड रोलर को मंत्री गंगवा ने दिखाई झंडी

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने हरियाणा के सड़क ढांचे को नई गति देने के लिए लोक निर्माण विभाग के लिए खरीदे गए 26 अत्याधुनिक रोड रोलर्स को भगवा झंडी दिखाकर रवाना किया। वर्ष 1993 के बाद पहली बार विभाग में इतने बड़े स्तर पर मेकनाईजेशन किया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा कुल 52 रोड रोलर खरीदे जा रहे हैं, जिनमें से बुधवार भेजे गए 26 रोलर तुरंत विभिन्न जिलों में तैनात होंगे, जबकि अगले 26 जल्द ही प्राप्त हो जाएंगे। इसके बाद हर जिले में दो से तीन रोड रोलर उपलब्ध रहेंगे, जिससे पैचवर्क, आपात मरम्मत और छोटे रिपेयर कार्य विभाग स्वयं और तेजी से कर सकेगा। उन्होंने कहा कि मशीनरी की कमी के कारण वर्षों तक छोटे-छोटे कार्य भी कॉन्ट्रैक्ट के माध्यम से किए जा रहे थे, लेकिन अब विभाग

आत्मनिर्भर होकर गुणवत्तापूर्ण सड़क रखरखाव को नई गति देगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि विभाग ने पिछले एक वर्ष में मशीनरी को अपग्रेड करने के लिए बड़े पैमाने पर आधुनिक उपकरण खरीदे हैं, जिससे सड़क निर्माण और रखरखाव की क्षमता कई गुना बढ़ी है। उन्होंने बताया कि मिनी ट्रक, टाटा 407, मिनी टैंडम रोड रोलर सहित कुल 51 उपकरण विभाग में जोड़े गए हैं, जबकि आने वाले दो महीनों में 21 बड़े ट्रक, 26 मिनी टैंडम रोलर, बैकहो लोडर और ट्रैक्टर सहित 67 और मशीनें विभाग को मिलेंगी। कैबिनेट रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा सरकार का स्पष्ट दृष्टिकोण है हरियाणा की सड़कें मजबूत, सुरक्षित और टिकाऊ हों। इसी सोच के तहत सड़क निर्माण में क्वालिटी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए विभाग ने एक विशेष क्वालिटी टीम गठित की है, जो सभी परियोजनाओं की सैंपलिंग और निरीक्षण करेगी। विभाग की सभी लैब को अत्याधुनिक तकनीक से अपग्रेड किया जा रहा है ताकि निर्माण सामग्री की हर जांच वैज्ञानिक रूप से संभव हो सके।

किसानों के हित में अनेक योजनाएं, जागरूक होकर उठाएं लाभः सुभाष बराला

एजेंसी

सिरसा। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में क्रियान्वित की जा रही बेहतर योजनाओं का ही परिणाम है कि अब प्रदेश का किसान विकास की मुख्यधारा के साथ जुड़ रहा है। किसान तरक्की के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ रहा है, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सैनी को जाता है। सुभाष बराला सिरसा के कृषि विज्ञान केंद्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कोयम्बटूर में आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम व पलवल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट किया गया। योजना के तहत सिरसा के 120144 किसानों के खाते में सीधे 20 करोड़ 43 लाख रुपये की राशि भेजी गई। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि बेहतर कृषि व्यवस्था व सुविधाओं की दृष्टि से हरियाणा पूरे भारत में अग्रणी है,

इसलिए सबसे ज्यादा खुशहाल किसान हरियाणा का है। उन्होंने कहा कि बिजली, टेल तक पानी पहुंचाने, सीधे खाते में योजनाओं का लाभ पहुंचाने जैसी सुविधाएं सरकार ने किसानों को दी है। सुभाष बराला ने कहा कि आज के समय पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। पर्यावरण संरक्षण में किसानों का सहयोग अपेक्षित है। किसान पराली को जलाएं नहीं बल्कि इसका प्रबंधन करें। सरकार पराली प्रबंधन के लिए अनुदान में कृषि यंत्र उपलब्ध करवा रही है। किसान इन स्कीमों का लाभ उठाकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें। पराली जलाने से जहां पर्यावरण का नुकसान होता है और अनेकों बीमारियां होती हैं, वहीं जमीन के मित्र कीट मर जाते हैं, जिससे जमीन की उपजाऊ शक्ति कमजोर हो जाती है। जिला अध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि किसानों के हित में जितने काम प्रदेश सरकार ने किए हैं, आज से पहले किसी भी सरकार ने नहीं किए हैं। सरकार निरंतर किसानों के विकास के लिए प्रयासरत है। इस दौरान उप निदेशक कृषि डा. सुखदेव सिंह ने विभाग की कृषि योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर डबवाली, ऐलनाबाद, रानियां व कालांवाली में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उपमंडल डबवाली में बलदेव सिंह मांगेआना, ऐलनाबाद में अमीर चंद मेहता, रानियां में शीशपाल कंबोज ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा, वेद फूला, रोहताश जांगड़ा, हनुमान कुंडू, श्याम बजाज, अंबर, भूपेश मेहता, सागर केहरवाला, विरेंद्र तिन्ना, बिमला सिंवर सहित अधिकारी व किसान उपस्थित थे।

सक्षम योजना में अनियमितताएं मिली, फर्जी खातों में भेजी जा रही लाभार्थियों की राशि

एजेंसी

हिसार। बेरोजगार युवाओं को लाभ पहुंचाने वाली सक्षम योजना में गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आने के बाद सीएम फ्लाइंग टीम ने हिसार के मंडल रोजगार कार्यालय में औचक निरीक्षण किया। यह जांच सुबह कार्यालय खुलते ही सुबह सवा 9 बजे शुरू हुई और शाम तक लगातार चलती रही। टीम ने गहनता से रिकॉर्ड खंगाले और इस दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। टीम का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ जिला परिषद हिसार की अकाउंट ऑफिसर अंजू बाला, एएसआई सुरेंद्र और एचसी विजय भी शामिल थे। टीम को सूचना मिली थी कि सक्षम योजना और अन्य कार्यों से संबंधित प्रक्रियाओं में कार्यालय स्तर पर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है, जिसके चलते कई युवा लाभ से वंचित हो रहे हैं।एक यूनिक आईडी पर दो लाभार्थी, राशि एक ही खाते में जमासीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने बुधवार को बताया कि जांच में सबसे बड़ी अनियमितता यह सामने आई कि दो अलग-अलग लाभार्थियों के लिए कार्यालय द्वारा एक ही यूनिक आईडी जारी की हुई थी। दोनों की सक्षम योजना की किस्त एक ही लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जा रही थी, जिससे दूसरा लाभार्थी योजना का लाभ मिलने से वंचित रह गया। इस तरह के दो केस जांच में सामने आए हैं। टीम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए इसकी रिपोर्ट तैयार की है। इसके अलावा जांच में यह भी सामने आया कि एक लाभार्थी, जो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा था, उसने सक्षम योजना में आवेदन किया हुआ था, जबकि पढ़ाई कर रहे युवाओं को सक्षम योजना का लाभ नहीं मिल सकता। यह मामला भी योजनागत नियमों के विपरीत पाया गया। कार्यालय में एक सीएम विंडो पैंडिंग पाई गई। एक लड़की को सक्षम योजना के तहत मिलने वाले लाभ को रोका गया था और रिकॉर्ड में एक एप्लीकेशन लगी हुई थी जिसमें लिखा गया था।

केंद्र व हरियाणा सरकार मिलकर खेती को आधुनिक बनाने पर काम कर रहीः राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। सांसद एवं केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए आर्थिक मजबूती का सबसे बड़ा माध्यम बनकर उभरी है। सरकार द्वारा हर चार महीने में दी जाने वाली वित्तीय सहायता ने लाखों किसानों को खेती के मौसमी खर्च पूरे करने में बड़ी राहत दी है।

वे गांव शिकोहपुर में गुरुग्राम जिला के पात्र किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त चार करोड़ रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर करने के दौरान समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान कोयम्बटूर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सजीव प्रसारण भी किया गया। केंद्रीय मंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अत्यधिक पेस्टीसाइड और रासायनिक खादों का अनियंत्रित उपयोग मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटाता है, भूजल को प्रदूषित करता है और फसलों की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती, जैविक खाद, गोबर खाद और वैकल्पिक जैविक तरीकों को अपनाने की अपील की, जिससे भूमि की सेहत लंबे समय तक सुरक्षित रह सके और लागत भी कम हो। राव ने मोटा अनाज (मिलेट्स) के महत्व पर भी जोर देते

हुए कहा कि बाजरा, ज्वार, रागी जैसे मोटे अनाज पोषक तत्वों से भरपूर हैं तथा कम पानी में भी सफलतापूर्वक उगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पारंपरिक भोजन का हिस्सा रहे इन अनाजों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी श्री अन्न के रूप में मान्यता मिल रही है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे अपने आहार में भी मोटे अनाज शामिल करें और खेती में भी इसका क्षेत्र बढ़ाने पर विचार करें, ताकि स्वस्थ समाज के साथ-साथ टिकाऊ कृषि को भी बढ़ावा मिल सके। हरियाणा सरकार ने भी पराली प्रबंधन, सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, फसल विविधीकरण (विशेषकर धान क्षेत्र में कमी), मंडियों के डिजिटलीकरण और कृषि यंत्रों पर सब्सिडी जैसे कदम उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा तैयार किए गए गेहूं के विशेष वैरायटी एचडी 3298 भी वितरित की। कार्यक्रम में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा तथा सोहना के विधायक तेजपाल तंवर भी मौजूद रहे।

हरियाणा के लाखों किसानों को मिली प्रधानमंत्री सम्मान निधि

एजेंसी

सोनीपत। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त तमिलनाडु के कोयंबटूर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जारी किए जाने के साथ ही पूरे देश के लगभग 09 करोड़ किसानों के खातों में 18 हजार करोड़ रुपये पहुँचे। इसी अवसर पर पंचायत भवन स्थित जिला परिषद हॉल में जिला स्तरीय कार्यक्रम हुआ, जिसमें विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार मुख्य अतिथि रहे।

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि देश का किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का असली निर्माता है। किसान की मेहनत से ही राष्ट्र आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि में आधुनिक तकनीक पहुँचाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। मंत्री पंवार ने किसानों से कहा कि अब समय आ चुका है जब वे परंपरागत खेती की सीमाओं से बाहर निकलें और मूल्यवर्धन फसलों, नई कृषि तकनीक, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग तथा बाजार आधारित फसलों की ओर कदम बढ़ाएँ। हरियाणा के 15 लाख 81 हजार 908 किसानों के खातों में 21वीं किस्त के रूप में 316 करोड़ रुपये भेजे गए हैं। अब तक प्रदेश के किसानों को 21 किस्तों में 7 हजार 233 करोड़ रुपये की सहायता मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जहाँ 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होती है और 48 घंटे के भीतर दाम सीधे किसानों के खातोंमें पहुँचते हैं। पिछले 11 वर्षों में किसानों को एक लाख 65 हजार करोड़ रुपये उनकी फसलों के मूल्य के रूप में दिए जा चुके हैं। मंत्री ने बताया कि मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान के बजाय दूसरी फसल बुवाई करने पर 8 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता दी जाती है। फसल अवशेषों को खेत में मिलाने पर 1200 रुपये प्रति एकड़ सहायता दी जाती है। अब तक 1334 करोड़ रुपये की राशि किसानों को दी जा चुकी है।

फर्जी मतदाता बनाकर लोकतंत्र को कलंकित कर रही है भाजपा : बीके हरि प्रसाद

एजेंसी

पलवल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने आरोप लगाया कि भाजपा फर्जी मतदाता बनाकर लोकतंत्र पर सीधा आघात कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ चुनावी गड़बड़ी नहीं, बल्कि जनता के अधिकारों पर डाका है। दोषियों पर कार्रवाई होने तक कांग्रेस सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखेगी। वह पलवल में कथित वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के तहत आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत में इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि और रानी लक्ष्मीबाई को नमन किया गया। बीके हरिप्रसाद ने कहा कि पलवल की धरती आजादी के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखती है, जहां 1919 में महात्मा गांधी को फरोख्त से सरकारें बनाई गई, अब ईवीएम में गड़बड़ी और फर्जी वोट तैयार कर सत्ता हथियाई जा रही है। उन्होंने उच्च स्तरीय न्यायिक जांच

चुनाव आयोग पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में भी वोटों की हेराफेरी कर चुनाव जीता गया, जहां 65 लाख वोट काटे गए और 21 लाख नए वोट जोड़े गए। सभा के बाद कांग्रेसजनों ने जिला सचिवालय तक पैदल मार्च किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान 'वोट चोर-गद्दी छोड़' और 'भाजपा मुर्दाबाद' के नारे गूंजते रहे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है और भाजपा सरकार उसकी हत्या कर रही है। की मांग उठाई। राव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तानाशाही प्रवृत्ति के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं और कांग्रेस का इतिहास कभी न झुकने का रहा है। इसलिए वोट चोरी के विरुद्ध लड़ाई को हर गांव, हर बूथ और हर घर तक पहुंचाना होगा। उन्होंने दावा किया कि पलवल जिले में 1.62 लाख फर्जी वोटर पाए गए हैं–हथीन में 79 हजार, होडल में 42 हजार और पलवल में 40 हजार–जिनके आंकड़े राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं।

NAME CHANGE

I, hitherto known as SWATI SANGWAN W/O NITIN SANGWAN R/O House No. SB-157, New Bharat Nagar, Bhiwani, Bhiwani, Haryana-127021, have changed my name and shall hereafter be known as SWATI.

सक्षम योजना में अनियमितताएं मिली, फर्जी खातों में भेजी जा रही लाभार्थियों की राशि

एजेंसी

हिसार। बेरोजगार युवाओं को लाभ पहुंचाने वाली सक्षम योजना में गड़बड़ियों की शिकायतें सामने आने के बाद सीएम फ्लाइंग टीम ने हिसार के मंडल रोजगार कार्यालय में औचक निरीक्षण किया। यह जांच सुबह कार्यालय खुलते ही सुबह सवा 9 बजे शुरू हुई और शाम तक लगातार चलती रही। टीम ने गहनता से रिकॉर्ड खंगाले और इस दौरान कई अनियमितताएं सामने आईं। टीम का नेतृत्व सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने किया। उनके साथ जिला परिषद हिसार की अकाउंट ऑफिसर अंजू बाला, एएसआई सुरेंद्र और एचसी विजय भी शामिल थे। टीम को सूचना मिली थी कि सक्षम योजना और अन्य कार्यों से संबंधित प्रक्रियाओं में कार्यालय स्तर पर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है, जिसके चलते कई युवा लाभ से वंचित हो रहे हैं।एक यूनिक आईडी पर दो लाभार्थी, राशि एक ही खाते में जमासीएम फ्लाइंग हिसार रेंज इंचार्ज सुनैना ने बुधवार को बताया कि जांच में सबसे बड़ी अनियमितता यह सामने आई कि दो अलग-अलग लाभार्थियों के लिए कार्यालय द्वारा एक ही यूनिक आईडी जारी की हुई थी। दोनों की सक्षम योजना की किस्त एक ही लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जा रही थी, जिससे दूसरा लाभार्थी योजना का लाभ मिलने से वंचित रह गया। इस तरह के दो केस जांच में सामने आए हैं। टीम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए इसकी रिपोर्ट तैयार की है। इसके अलावा जांच में यह भी सामने आया कि एक लाभार्थी, जो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहा था, उसने सक्षम योजना में आवेदन किया हुआ था, जबकि पढ़ाई कर रहे युवाओं को सक्षम योजना का लाभ नहीं मिल सकता। यह मामला भी योजनागत नियमों के विपरीत पाया गया। कार्यालय में एक सीएम विंडो पैंडिंग पाई गई। एक लड़की को सक्षम योजना के तहत मिलने वाले लाभ को रोका गया था और रिकॉर्ड में एक एप्लीकेशन लगी हुई थी जिसमें लिखा गया था कि उन्होंने आईटीआई में दाखिला ले लिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि अक्टूबर तक मंडल रोजगार कार्यालय हिसार में कुल 12 हजार 180 लाभार्थी है जिनमें 12वीं पास युवा ज्यादा हैं।

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर स्वैच्छिक रूप से हटाए

आईटीसी के शेयर अब भी एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। सीएसई ने 20 नवंबर से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से हटाने की मंजूरी दी। 30 अक्टूबर 2025 को आईटीसी के निदेशक मंडल ने सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के तहत सीएसई से शेयर हटाने का प्रस्ताव स्वीकृत किया। इसके बाद कंपनी ने सीएसई को पत्र भेजा और 19 नवंबर को स्वैच्छिक डीलिस्टिंग की मंजूरी मिल गई। आईटीसी के शेयर अब भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध हैं, जिससे निवेशक वहां शेयर खरीद और बेच सकते हैं।

पैजसन एग्रो इंडिया को आईपीओ से धन जुटाने बीएसई से मिली मंजूरी

नई दिल्ली पैजसन एग्रो इंडिया को एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ रुपये की आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पैजसन एग्रो इंडिया घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए कच्चे काजू को खाने योग्य गिरी में बदलने का काम करती है। कंपनी का गठन 2021 में किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बड़े प्रोजेक्ट्स को राहत

पोस्ट फैक्टो पर्यावरण मंजूरी पर विशेषज्ञों की सहमति

नई दिल्ली उच्चतम न्यायालय के पोस्ट-फैक्टो यानी परियोजना शुरू अथवा पूरी होने के बाद पर्यावरण मंजूरी को प्रतिबंधित करने का फैसला बदलने को कानून विशेषज्ञों ने उचित बताया है। उनका मानना है कि इससे रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी परियोजनाओं और खनन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। कानून फर्म एसकेवी लॉ ऑफिसेस में एक भागीदार ने इसे महत्त्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे 2017 और 2021 की सरकारी अधिसूचनाएं पुनः प्रभावी हो गई हैं, जो पूर्वव्यापी पर्यावरण मंजूरी की अनुमति देती थीं। उन्होंने कहा` कि जिन परियोजनाओं पर निकट भविष्य में संकट के बादल छाए थे, वे अब दोबारा अपने आप आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट और निर्माण परियोजनाओं आदि पर इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि एम्स अस्पतालों और ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों सहित प्रमुख सार्वजनिक इन्फ्रा को इससे काफी फायदा होगा।

अप्रैल-अक्टूबर में भारत का तेल-गैस आयात बिल 12 फीसदी घटा

नई दिल्ली भारत का तेल और गैस का शुद्ध आयात बिल चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर में 12 प्रतिशत कम हो गया। पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और प्राकृतिक गैस की मांग में गिरावट के बीच आई है। वित्त वर्ष 2026 के पहले सात महीनों में इन दोनों का आयात बिल घटकर 69.9 अरब डॉलर रह गया जबकि यह बीते साल की इस अवधि में 75.9 अरब डॉलर था। भारत घरेलू कच्चे तेल के लिए 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के लिए 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत ने इस वर्ष कच्चे तेल का आयात पहले जितना किया था। लेकिन कच्चे तेल की कीमतें गिरने के कारण बचत हुई। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल का बिल 13 प्रतिशत घटकर 71.2 अरब डॉलर रह गया जबकि पिछले वर्ष यह 81.9 अरब डॉलर था।

आरबीआई दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है

नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज वित्तीय कंपनियों में से एक मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है, जिससें रेपो रेट घटकर 5.25 प्रतिशत हो जाएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की बैठक 3-5 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है और इसमें ब्याज दरों को लेकर समीक्षा की जाएगी। मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि मौद्रिक नीति का रुख विवेकपूर्ण बना रहने की उम्मीद है। हालांकि, इस कटौती के बाद केंद्रीय बैंक आगे के फैसले लेने के लिए डेटा पर निर्भर हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों, तरलता की स्थिति और नियामक उपायों को शामिल करते हुए अपने त्रि-आयामी सहजता चक्र का मूल्यांकन करते समय वेट एंड वॉच की स्थिति अपनाने की उम्मीद है। इससे आरबीआई को भविष्य में कोई भी कदम उठाने से पहले यह आकलन करने का अवसर मिलेगा कि ये बदलाव घरेलू विकास पैटर्न और मुद्रास्फीति संकेतकों के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं।

देश की राजकोषीय नीति के संबंध में, रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार राजकोषीय व्यावहारिकता का पालन जारी रखेगी, पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देते हुए क्रमिक समेकन पर ध्यान केंद्रित करेगी। साथ ही कहा कि मध्यम अवधि के आर्थिक विस्तार को बनाए रखने के लिए ये उपाय आवश्यक हैं।

एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे कीमती ब्रांड बना

30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की

मुंबई साल 2025 में एचडीएफसी बैंक ने 44.9 अरब डॉलर (37 लाख करोड़) की ब्रांड वैल्यू के साथ टीसीएस को पछाड़ते हुए भारत का सबसे कीमती ब्रांड बनकर शीर्ष स्थान हासिल किया। 2014-2021 तक बैंक टॉप पर था, 2022 में टीसीएस आगे निकला था। पिछले दशक में बैंक की ब्रांड वैल्यू में 377 फीसदी की वृद्धि हुई। एचडीएफसी लिमिटेड के साथ मर्जर और विजिल आंटी जैसे फ्रॉड-प्रोटेक्शन अभियान ने ग्राहकों का भरोसा बढ़ाया। 30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की। भारत के टॉप 100 ब्रांड्स की कुल वैल्यू अब 523.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इस साल 34 ब्रांड्स की वैल्यू बढ़ी, लेकिन कुल वृद्धि दर पिछले साल की तुलना में धीमी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों को अब ब्रांड में अधिक निवेश करना जरूरी है।

क्रिप्टो में गिरावट से निवेशकों के डूबे एक ट्रिलियन डॉलर

सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंची

मुंबई क्रिप्टो बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। लगातार गिरावट की वजह से निवेशकों को एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का झटका लगा है। न्यूयॉर्क सत्र में बिटकॉइन 90,000 डॉलर के नीचे फिसलकर 88,522 डॉलर तक गिर गई। इस भारी गिरावट का असर छोटे खुदरा निवेशकों से लेकर बड़ी डिजिटल एसेट ट्रेज़री कंपनियों तक पर दिखा। हालांकि बाजार बंद होते समय एने वि डिया के मजबूत नतीजों ने थोड़ी राहत दी और कुछ टोकन दिन के निचले स्तर से हल्का सुधरे। विशेषज्ञों के अनुसार बिटकॉइन के लिए 85,000 और 80,000 डॉलर महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल हैं। इसके अलावा 77,424 डॉलर का स्तर, जो अप्रैल में टैरिफ तनाव के दौरान बना था, अब एक अहम बॉटम माना जा रहा है। 6 अक्टूबर को क्रिप्टो मार्केट कैप 4.3 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था, जो गिरकर अब लगभग 3.2 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। 10 अक्टूबर को अचानक 19 बिलियन डॉलर से अधिक की लेवरेज्ड पोजीशन लिक्विडेट होने से बाजार में घबराहट और तेज हो गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 446, निफ्टी 139 अंक बढ़ा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खदीदारी बढ़ने से ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 139.50 अंक बढ़कर 26,192.15 पर बंद हुआ। दोनों मुख्य सूचकांक अपने ऑल-टाइम हाई पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, मारुति सुजुकी और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एमएंडएम, भारती एयरटेल और बीईएल के शेयर नीचे आये। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.50 अंक की तेजी के साथ 60,963.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 8.70 अंक टूटकर 18,067.25 पर रहा था।

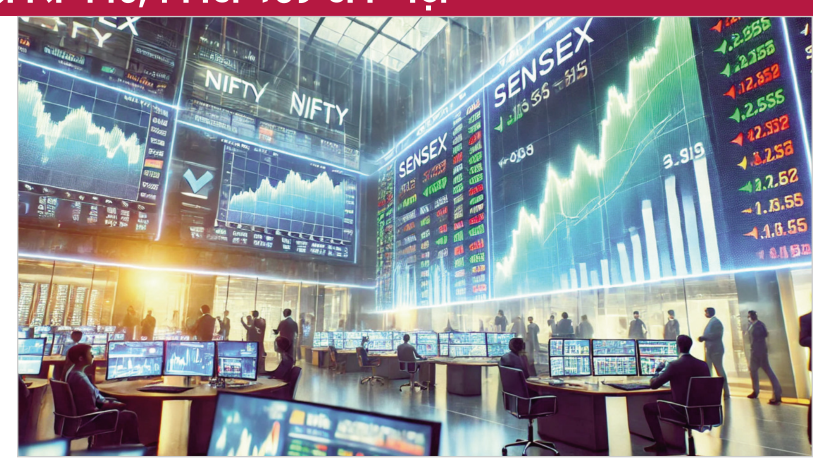

जानकारों के अनुसार अमेरिका-भारत के बीच ट्रेड डील होने की संभावना से भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर टेक कंपनियों की ओर से मजबूत परिणामों से भी बाजारा में तेजी आई।

आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 85,470 अंक पर खुला।

इसी तरहनिफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 26,132 अंक पर खुलने के बाद यह 55.40 अंक चढ़कर 26,107 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। जापान का निक्केई 3.62 फीसदी, चीन का सीएसआई 300 0.47 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.65 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.5 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.10 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। जबकि एसएंडपी 500 बुधवार को 0.38 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 0.59 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

भारत में रिटेल कारोबार बंद करने की तैयारी में डॉयचे बैंक

कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े भारतीय बैंक

मुंबई

जर्मनी का डॉयचे बैंक भारत में अपना रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस बंद करने को लेकर` विचार कर रहा है। इस कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े निजी बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। आठ वर्षों में यह दूसरा मौका है जब डॉयचे बैंक भारत में अपनी रिटेल इकाई बेचने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार दोनों भारतीय बैंकों ने डॉयचे बैंक के पोर्टफोलियो का मूल्यांकन पूरा कर लिया है और फिलहाल डील की कीमत पर बातचीत जारी है। बिक्री के लिए रखे गए पोर्टफोलियो में पर्सनल लोन और कुछ मॉर्टगेज शामिल हैं, हालांकि दोनों का सटीक हिस्सा स्पष्ट नहीं है। बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस में लगभग 25,000 करोड़ रुपए की एसेट अंडर मैनेजमेंट है। मार्च 2025 में बैंक को अपने रिटेल बिज़नेस से 2,455 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 फीसदी अधिक है। ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक डॉयचे बैंक के रिटेल पोर्टफोलियो में 25,038 करोड़ रुपए की संपत्ति शामिल थी। कोटक और फेडरल बैंक इस पोर्टफोलियो को खरीदकर अपने रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस का विस्तार करना चाहते हैं, क्योंकि यह डॉयचे बैंक के हाई-वैल्यू ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर देता है। भारत में विदेशी बैंकों को स्थानीय बड़े बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा झेलनी पड़ती है।

फुजियामा पावर के शेयर बाजार में कमजोर लिस्टिंग के बाद रिकवरी

ग्रे मार्केट की उम्मीदों से नीचे रहा प्रदर्शन, क्यूआईबी की मजबूत मांग से सब्सक्रिप्शन पूरा हुआ

नई दिल्ली फुजियामा पावर सिस्टम्स का आईपीओ गुरुवार को शेयर बाजार में हल्की गिरावट के साथ लिस्ट हुआ। कंपनी के शेयर बीएसई पर 218.40 रुपए पर खुले, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 228 रुपए से करीब 4 फीसदी कम रहा। एनएसई पर भी शेयर 220 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से लगभग 3.51 फीसदी डिस्काउंट दर्शाता है। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ को बेहद मामूली सपोर्ट मिला था, जहां शेयर केवल 228.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। लिस्टिंग के बाद हालांकि शेयर में तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3.85 फीसदी चढ़कर 226.80 रुपए पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 3.25 फीसदी की बढ़त के साथ 227 रुपए के आसपास कारोबार करने लगा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआती दबाव के बावजूद शेयर में रिकवरी इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी में रुचि दिखाई। आईपीओ की शुरुआत बाजार की सतर्क धारणा के बीच कमजोर रही थी, लेकिन अंतिम दिन मांग में सुधार ने इश्यू को संभाल लिया। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने हिस्से का 5.15 गुना सब्सक्रिप्शन किया, जो इस इश्यू की प्रमुख मजबूती थी।

देश की 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपना प्लेटफॉर्म 'डार्क पैटर्न' से मुक्त किया

कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए

नई दिल्ली

देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके प्लेटफॉर्म अब 'डार्क पैटर्न' से मुक्त हैं। डार्क पैटर्न भ्रामक यूजर इंटरफेस डिज़ाइन को कहा जाता है, जो ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को अनजाने में किसी कार्रवाई के लिए प्रेरित करता है। उदाहरण के लिए वेबसाइट या ऐप पर ऐसा डिजाइन जो ग्राहक को अनचाहे प्रोडक्ट खरीदने या सब्सक्रिप्शन लेने के लिए उकसाता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बताया कि इन कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसमें उन्होंने पुष्टि की कि उनके प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार के डार्क पैटर्न का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म का आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराकर इसकी पुष्टि की। इस सूची में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, फार्म इजी, मेकमायट्रिप, ब्लिंकिट, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी, ड्यूरोफ्लेक्स और क्यूराडेन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि यह कदम डिजिटल मार्केट में उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।

30 नवंबर 2023 को अधिसूचित 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश 2023' 13 प्रकार के डार्क पैटर्न की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं।

उत्सर्जन मानदंडों पर एकमत है निर्माण उपकरण उद्योग: जेसीबी इंडिया

▸▸ आईसीईएमए ने सरकार से बिना पहियों वाली मशीनों पर नियम लागू करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली

भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीईएमए) में उत्सर्जन मानदंडों को लेकर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। यह बात जेसीबी इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि उद्योग लंबे समय से प्रगतिशील रुख अपनाता आया है और नए पर्यावरणीय नियमों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीईएमए ने स्वयं केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि बिना पहियों वाली निर्माण मशीनों से क्रॉलर एक्सकेवेटर, ट्रैक्ड पेवर्स, मोबाइल क्रेन, डोज़र और मोटर ग्रेडर पर उत्सर्जन मानदंड लागू किए जाएं। फिलहाल, इन मशीनों पर कोई उत्सर्जन मानदंड लागू नहीं है, जबकि पहियों वाली मशीनों पर कड़े नियम पहले से प्रभावी हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्योग के भीतर इस विषय पर कभी कोई भिन्न राय नहीं रही और सभी कंपनियां उत्सर्जन नियंत्रण के महत्व को समझती हैं।

इसके विपरीत, यात्री वाहन उद्योग वर्तमान में कैफे-3 और कैफे-4 नियमों के कुछ प्रावधानों पर एकमत नहीं हो सका है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और कार निर्माताओं को बेड़े के औसत के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सीमाओं का पालन करना होगा। छोटे वाहनों के लिए भार आधारित छूट के प्रस्ताव पर वाहन कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। निर्माण उपकरण क्षेत्र में 1 जनवरी से भारत स्टेज सीईवी यानी स्टेज 5 मानदंड लागू हो चुके हैं, जो केवल पहियों वाले उपकरण वाहनों पर लागू होते हैं। ये मानदंड पार्टिकुलेट मैटर और पार्टिकल नंबर उत्सर्जन पर काफी सख्ती लाते हैं और निर्माताओं को डीज़ल पार्टिकुलेट फ़िल्टर जैसी उन्नत तकनीक अपनाने की आवश्यकता पड़ती है। हालांकि, बिना पहियों वाली या ट्रैक्ड मशीनें अभी भी इन नियमों के दायरे से बाहर हैं।

भारत में लेनोवो का जुलाई-सितंबर तिमाही का राजस्व बढ़कर 1.2 अरब डॉलर पहुंचा

▸▸ लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में मजबूत प्रदर्शन से राजस्व में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली

डिजिटलीकरण, प्रीमियमीकरण और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलाव के बाद उपभोक्ता धारणा में सुधार होने के बाद लेनोवो की भारतीय इकाई की जुलाई-सितंबर तिमाही में आय सालाना अधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हो गई। लेनोवो इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि लेनोवो डिजिटल कैपेबिलिटी सेंटर्स और एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन के लिए वैश्विक संकुल के तौर पर भारत की बढ़ती भूमिका का फायदा उठा रहा है। अधिकारी ने कहा कि लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में इस समीक्षाधीन तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का राजस्व सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। डिजिटलीकरण के बढ़ते रुझान, प्रीमियमीकरण एवं जीएसटी प्रोत्साहन से उपभोक्ताओं की बेहतर धारणा के साथ भारत में हमारी सभी श्रेणियों के लिए अच्छी मांग देखी गई है।

उन्होंने कहा कि हमारा मजबूत प्रदर्शन खुदरा, एमएसएमई और उद्यम ग्राहकों दोनों के बीच हमारे 'एंड-टू-एंड' कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित प्रौद्योगिकी समाधानों को मजबूती से अपनाने से प्रेरित रहा। लेनोवो समूह के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि हम अनिश्चितताओं से निपटने और बेहतरीन हाइब्रिड एआई अवसरों को हासिल करने के लिए अपने अद्वितीय वैश्विक, स्थानीय मॉडल का लाभ उठाना जारी रखेंगे। हम ऐसा करके न केवल अपने शेयरधारकों को दीर्घकालिक स्थायी लाभ प्रदान करेंगे बल्कि एआई को वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक उद्यम की जरूरतों के अनुरूप बनाएंगे।

न्यू रेनो डस्टर कार अगले साल होगी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी रेनो इंडिया अपनी नई रेनो डस्टर कार 26 जनवरी को भारतीय बाजार में पेश करने वाली है, जिसके बाद यह देशभर के शोरूम में उपलब्ध होने लगेगी। नई डस्टर को कंपनी के इंटरनेशनल मॉडल डेसिया के प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है। रेनो का बड़ा ग्लोबल प्लान 2027 तक एक नई 7-सीटर एसयूवी और उभरते बाजारों के लिए बजट इलेक्ट्रिक सिटी कार लाने का भी है। भारत में इसकी टक्कर मारुति ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और मारुति फ्रोंक्स-आधारित वैरिएंट्स जैसी लोकप्रिय एसयूवी से होगी।

नई डस्टर के एक्सटीरियर में इस बार बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। खासतौर पर इसका फ्रंट लुक पूरी तरह बदला गया है। इसमें रेनो की नई बैजिंग के साथ मॉडर्न ग्रिल दी गई है, जो कंपनी के पारंपरिक रोम्बस लोगो की जगह लेती है। इसके बावजूद डस्टर अपनी दमदार पहचान बनाए रखती है। इसका आकार भी प्रभावी है 4343 मिमी की लंबाई और 2657 मिमी का व्हीलबेस इसे सेगमेंट की मजबूत एसयूवी में शामिल करता है। इंटीरियर की बात करें तो यह मॉडल अपने डेसिया वर्जन से काफी मेल खाता है। दोनों को अलग करने वाला मुख्य तत्व इसका स्टीयरिंग व्हील है। हाई ट्रिम में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डैशबोर्ड से ऊपर की ओर निकला हुआ लगता है। यह ड्राइवर-केंद्रित डिजाइन अनुभव को और बेहतर बनाता है।

इंजन विकल्पों में भी यह एसयूवी काफी विविधता रखती है। इंटरनेशनल मार्केट में यह 1.0 टीसीई तीन-सिलेंडर इंजन के साथ आती है, जो 100एचपी की ताकत देता है। इसके साथ 1.2 टीसीई टर्बो पेट्रोल इंजन का माइल्ड-हाइब्रिड सेटअप भी उपलब्ध है, जो 130एचपी आउटपुट देता है और 48-वोल्ट स्टार्टर-जनरेटर के साथ ऑल-व्हील ड्राइव का सपोर्ट करता है। टॉप मॉडल में ई- टेक हाइब्रिड वैरिएंट मिलता है, जिसमें 1.6एल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर मिलकर 140 एचपी की पावर जनरेट करते हैं। इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग, 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टाइप-सी पोर्ट और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं।

ट्रिब्यूनल सुधार और राष्ट्रपति संदर्भ संबंधी फैसले संवैधानिक मयार्दा और न्यायिक संयम की मिसाल

नीरज कुमार दुबे

19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती।

भारत की संवैधानिक संरचना में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन सदैव एक संवेदनशील विषय रहा है। दो दिनों में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दो महत्वपूर्ण फैसलों ने इस संतुलन पर नई बहसों को जन्म दिया है। एक ओर न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराकर संसद और केंद्र सरकार को कठोर संदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए संदर्भ पर अपनी राय देते हुए न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि न तो राष्ट्रपति और न ही राज्यपाल पर अदालत कोई बाध्यकारी समय-सीमा थोप सकती है। इन दोनों फैसलों को मिलाकर देखें तो न्यायालय ने एक ओर कार्यपालिका के हस्तक्षेप से न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर अपने अधिकार-क्षेत्र की सीमाएँ भी रेखांकित की हैं।

न्यायाधिकरण संबंधी फैसले की बात करें तो 19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि सरकार बार-बार उन्हीं प्रावधानों को अध्यादेश और फिर कानून के रूप में लागू करती रही, जिन पर न्यायालय स्पष्ट रूप से ऐतराज जता चुका था। यह प्रवृत्ति विधायी अवहेलना (legislative overruling) के रूप में व्याख्यायित की गई– अर्थात, बिना वास्तविक सुधार किए केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन कर न्यायालय की बात को निष्प्रभावी करने का प्रयास।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संस्थागत मयार्दा को ठोस आधार देता है। न्यायाधिकरण सरकार के अंगों के विरुद्ध भी निर्णय लेते हैं; ऐसे में उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा-शर्तें यदि सरकार के नियंत्रण में हों, तो न्यायिक निष्पक्षता खतरे में पड़ सकती है। न्यायालय ने इस अधिनियम को शक्तियों के पृथक्करण (Separation of Powers) और न्यायिक स्वतंत्रता (Judicial Independence) के सिद्धांतों का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद कानून तो बना सकती है, लेकिन न्यायपालिका की मूलभूत स्वतंत्रता को नियंत्रण में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

दूसरा महत्वपूर्ण फैसला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए संवैधानिक संदर्भ पर आया। न्यायालय के समक्ष मुख्य प्रश्न था– क्या राज्यपाल या राष्ट्रपति पर यह बाध्यता हो सकती है कि वे किसी बिल पर तय समय-सीमा में निर्णय दें? मुख्य न्यायाधीश गवई तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पी.एस. नरसिंह और ए.एस. चंदुरकर की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय राज्यपाल/राष्ट्रपति पर कोई निर्धारित समय-सीमा नहीं थोप सकता। यह स्पष्ट है कि "Deemed Assent" अर्थात समय बीतने पर बिल को स्वतः मंजूर मान लेने की अवधारणा असंवैधानिक है, क्योंकि यह कार्यपालिका की भूमिका को न्यायपालिका द्वारा हड़पने जैसा होगा। हाँ, यदि लंबे समय तक अनिश्चित देरी हो, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हो, तो न्यायालय सीमित दायरे में यह निर्देश दे सकता है कि राज्यपाल अपनी जिम्मेदारी निभाएँ, लेकिन यह निर्देश विवेकाधिकार के उपयोग पर टिप्पणी नहीं करेगा।

इस फैसले से दो बातें स्पष्ट होती हैं। पहली यह कि न्यायालय ने स्वयं पर अंकुश लगाते हुए साफ किया कि कार्यपालिका के संवैधानिक अधिकारों में दखल की सीमा तय है। दूसरी बात यह है कि राज्यपालों की ओर से बिलों को महीनों तक रोककर रखने की आलोचना को भी न्यायालय ने गंभीरता से लिया है और समाधान के रूप में सीमित न्यायिक समीक्षा का दरवाजा खुला रखा है। यह संतुलन स्थापित करना आसान नहीं था। एक ओर राज्यों– विशेषकर तमिलनाडु, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल ने तर्क दिया कि राज्यपालों द्वारा बिलों को रोकना लोकतंत्र-विरोधी है। दूसरी ओर, केंद्र ने कहा कि अदालतें समय-सीमा तय करके कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे सकतीं। अंततः न्यायालय ने वही रास्ता चुना जो भारतीय संविधान की आत्मा के अनुरूप है यानि संविधान ने समय-सीमा नहीं तय की है, इसलिए अदालत भी इसे तय नहीं करेगी।

इन दोनों फैसलों में न्यायालय का स्वर पूरी तरह एक जैसा नहीं है। एक तरफ उसने संसद को तीखी चेतावनी दी, दूसरी तरफ उसने खुद अपनी सीमाओं को स्वीकार किया। यही दोहरी भूमिका भारतीय लोकतंत्र को संतुलित बनाती है। न्यायालय संदेश दे रहा है कि न्यायिक स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार का आघात बर्दाश्त नहीं होगा, लेकिन संविधान में जो अधिकार अन्य अंगों को दिए गए हैं, उन पर न्यायपालिका कब्जा नहीं करेगी।

इन फैसलों की समय-सीमा भी रोचक है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। उनके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। इन दोनों महत्वपूर्ण संवैधानिक फैसलों पर गवई और सूर्यकांत दोनों की निर्णायक भूमिका भविष्य की न्यायिक दिशा के संकेत देती है– विशेषकर केंद्रझ्राज्य संबंधों और न्यायिक स्वतंत्रता के क्षेत्र में।

बहरहाल, संविधान ने भारत को एक संतुलित संरचना दी है– न्यायपालिका स्वतंत्र हो, कार्यपालिका जिम्मेदार हो और विधायिका जनता के प्रति उत्तरदायी हो। इन दोनों फैसलों ने इस संतुलन को और भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। जहाँ न्यायालय ने संसद को बताया कि वह न्यायिक आदेशों को दरकिनार नहीं कर सकती, वहीं राज्यपालों और राष्ट्रपति की संवैधानिक गरिमा को भी मान्यता दी, यह कहते हुए कि समय-सीमा थोपना न्यायपालिका के अधिकार-क्षेत्र से बाहर है। इन फैसलों के साथ भारत का लोकतंत्र एक बार फिर यह साबित करता है कि संस्थाएँ तभी मजबूत होती हैं जब वे एक-दूसरे की सीमाओं और स्वतंत्रता का सम्मान करें।

संपादकीय

हिड़मा के बाद नक्सलवाद

माओवादी नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44 वर्षीय) मार दिया गया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का ह्यमास्टरमाइंडह्ल वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को ह्यशहीदह्ल कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था।

उसने एक स्थानीय पत्रकार से संपर्क किया था और उसे बताया था कि वह जंगलों से बाहर आने पर विचार कर रहा है, लेकिन हथियार डालने से पहले वह सरकार के साथ अपने कुछ मुद्दों और चिंताओं पर बात करना चाहता था, लिहाजा उसने पत्रकार को मध्यस्थ बनाया था, लेकिन वह संवाद संभव न हो सका और अंततः हिड़मा को ढेर होना पड़ा। दरअसल यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि हिड़मा सरीखे नक्सली मारे जा रहे हैं और हिड़मा के बाद माओवादी सशस्त्र संघर्ष और विद्रोह बहुत कमजोर हो जाएगा, अंततः वे 31 मार्च, 2026 से पहले ही समाप्त हो सकते हैं। दो बिन्दु गौरतलब हैं। एक, इस साल सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन और आक्रामक दबाव के कारण 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा है। ऑपरेशन और मुठभेड़ों में 270 से अधिक नक्सली मार दिए गए हैं और 680 से अधिक गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

दरअसल माओवादी नक्सलियों में नेतृत्व और रणनीति को लेकर विभाजन गहराता जा रहा है। नक्सलवाद के वैचारिक प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता एम. वेणुगोपाल राव ने नक्सलियों के नाम दो पत्र जारी किए थे। सारांश यह था कि अब सशस्त्र संघर्ष पर विराम लगा देना चाहिए। वामपंथी विद्रोह के बुनियादी कारणों को संबोधित करना चाहिए। दरअसल जिस सोच के साथ नक्सलवाद की शुरूआत की गई थी, वह मकसद नाकाम रहा है, क्योंकि देश की आदिवासी आबादी आज भी भूमिहीन है और हाशिए की जिंदगी जीने को विवश है। वे समुदाय भारत में सबसे अधिक गरीब हैं। करीब 12.90 करोड़ में से 6.50 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के शिकार हैं। अर्थात आय के अलावा, अपर्याप्त पोषण, शिक्षा की कमी, खराब स्वास्थ्य, पेयजल की कमी, बिजली और आवास सरीखी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। वनों पर अधिकार के उनके दावों को नकारा जाता रहा है, बल्कि उनसे जबरन छीन लिए जाते हैं। उनके इलाकों में ग्राम सभा की अनुमति के बिना ही कथित विकास की परियोजनाएं स्वीकृत कर दी जाती हैं। वामपंथी आतंकवाद पर संपूर्ण जीत के लिए इन मुद्दों को पहले संबोधित करना जरूरी है। दूसरा बिंदु यह है कि यकीनन 31 मार्च, 2026 से पहले ही सशस्त्र नक्सलियों को पराजित किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया।

बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

विश्व टेलीविजन दिवस : मनोरंजन से मानसिक क्रांति तक: टीवी का बदलता चेहरा

योगेश कुमार गोयल

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई।

दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्त्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्त्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

यूक्रेन-रूस टकराव में अमेरिकी हथियारों की भूमिका

सनत जैन

युद्ध कभी भी सभ्य समाज की पहचान नहीं होती और न ही युद्ध किसी सभ्य समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध हो सकता है। मानव जनित समस्याओं का हल आपसी बातचीत से निकालना सभ्य समाज की देन है। इसके विपरीत स्वयं के फैसलों और मन-मर्जी को मनवाने के लिए क्रूरता की हदें पार करते हुए किसी पर युद्ध थोप देना उचित नहीं कहा जा सकता है। इससे भी ज्यादा निकृष्ट कार्य युद्ध के लिए किसी को प्रेरित करना या किसी के संबंधों को खराब कर अपना उल्लू सीधा करना होता है। अब जबकि यूक्रेन और रुस के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब जबकि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की सीमित लड़ाई न रहकर वैश्विक सामरिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन चुका है। ऐसे में संपूर्ण दुनिया के शांतिप्रिय देशों के लिए यह युद्ध चिंता का विषय बन जाना उचित ही है। दरअसल हाल की घटना, जिसमें रूस ने दावा किया कि उसने अमेरिकी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और यूक्रेन की लॉन्च साइट को नष्ट कर दिया है। इससे यूक्रेन को जंगी सामान मुहैया कराने और अन्य अमेरिकी सहयोग का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इस घटना और खुलासे ने युद्ध में इस्तेमाल आधुनिक तकनीक, खुफिया क्षमता और अंतरराष्ट्रीय हथियार पर

आधारित राजनीति के महत्व को भी उजागर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है, कि यूक्रेन ने खार्कोव क्षेत्र से अमेरिका द्वारा निर्मित चार एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलें रूसी शहर वोरोनेज की ओर दागीं। यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की रेंज और अत्याधिक तेज गति के कारण यूक्रेन को रूस की गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देती हैं। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को यह उन्नत मिसाइलें सौंपने का फैसला लिया था ताकि यूक्रेन रूसी सैन्य ठिकानों पर प्रभावी जवाब दे सके। अब विचार करने वाली बात तो यह है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियां से कहते नहीं थक रहे कि वो शांति के पुजारी हैं और उन्हें ही शांति नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए, जो इस बार तो नहीं मिल सका। इसके लिए उन्होंने बारंबार दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में उन्होंने ही मदद की। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमास और इजराइल के बीच शांति उन्होंने ही कराई और फिर रुस व यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों का भी बढ़-चढ़कर बखान करते देखे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यही किया जा रहा है कि आखिर जब शांति की बात की जा रही है तो जंग को आगे बढ़ाने के लिए युद्ध सामग्री क्योंकर दी जा रही है? यह उनकी कथनी और करनी में अंतर को प्रदर्शित करता है।

बहरहाल रूस का दावा है कि उसकी बहु-स्तरीय एयर डिफेंस प्रणाली ने मिसाइल हमले को शुरू होने से पहले ही नाकाम कर दिया। रूसी रेकॉन फ्लाइट ने लॉन्चिंग की गतिविधि को पहचान लिया और फिर एस-400 ट्रायंफ तथा पंतसिर-एस1 सिस्टम ने हवा में ही चारों मिसाइलों को नष्ट कर दिया। रूस का कहना है कि जासूसी, रोकथाम और जवाबी कार्रवाई, तीनों स्तरों पर उसकी सेनाओं ने समन्वित और प्रभावी काम किया। यहां बताते चलें कि एस-400 दुनिया के सबसे उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम में माना जाता है, जो 400 किमी तक के लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर सकता है। पंतसिर-एस1 निकट दूरी की सुरक्षा देता है और दोनों मिलकर बहु-स्तरीय सुरक्षा तैयार करते हैं। कई देशों जिनमें भारत, तुर्की, चीन शामिल हैं ने भी इस प्रणाली को खरीदा है, जो इसकी सामरिक प्रभावशीलता को दशार्ता है। यदि रूस का दावा सही है, तो यह सिस्टम न केवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस में बल्कि वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में भी प्रभावशाली साबित हो रहा है। लॉन्च साइट को नष्ट करने का दावा भी महत्वपूर्ण है। यह अलग बात है कि यूक्रेन ने इस घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। युद्ध के इतिहास में अक्सर दावे और प्रतिदावे समय के साथ स्पष्ट होते हैं, इसलिए स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार आवश्यक है। फिर भी, यह घटना इस बढ़ते संघर्ष में प्रायोजक देशों की भूमिका को भी सामने लाती है। अमेरिका लंबे समय से विभिन्न देशों को सैन्य तकनीक उपलब्ध कराता आया है, इजराइल, सऊदी अरब, पाकिस्तान और अन्य सहयोगी देश इसकी सूची में शामिल हैं। भारत भी इस कड़ी में नया नहीं है। हाल ही में अमेरिका ने भारत को 100 जेवलिन एंटी-टैंक सिस्टम और 216 एक्सकैलिबर स्मार्ट आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल बेचने का निर्णय लिया। लगभग 775 करोड़ रुपये की इस डील को अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिल चुकी है। जहां तक रुस और यूक्रेन जंग की बात है तो यूक्रेन की सैन्य आपूर्ति अब भी मुख्यतः पश्चिमी देशों पर निर्भर है। इन देशों के समर्थन के बिना यूक्रेन रूस की विशाल सैन्य क्षमता का मुकाबला नहीं कर सकता। हथियारों का हस्तांतरण, सामरिक गठजोड़, और तकनीकी श्रेष्ठता, ये तीनों इस युद्ध के वास्तविक निर्णायक तत्व बन चुके हैं। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यूक्रेन और रूस की यह मिसाइल बनाम एयर-डिफेंस की लड़ाई नई दिशा लेती है या संघर्ष और अधिक जटिल होता जाता है। इसमें असमंजस इसलिए भी है, क्योंकि कहा कुछ जा रहा और किया कुछ जा रहा है। वैसे युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय यदि आपसी बातचीत से समस्या का समाधान निकाला जाए तो बेहतर होगा।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल मिंट ने जारी किया फ्रीडी मर्करी का विशेष सिक्का

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल मिंट ने क्वीन बैंड के मशहूर फ्रंटमैन फ्रीडी मर्करी को समर्पित विशेष सिक्का जारी किया। यह स्मारक सिक्का उनके ऐतिहासिक लाइव एड (1985) प्रदर्शन के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पेश किया गया है। सिक्के पर मर्करी की उनकी पहचान बनने वाली मुद्रा पीछे की ओर झुका सिर और हाथ में माइक्रोफोन स्टैंड की छवि बनी है। यह सिक्का म्यूजिक लेजेंड्स कलेक्शन का हिस्सा है, जो संगीत प्रशंसकों और संग्रहकर्ताओं के बीच लोकप्रिय है।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में टीटीपी के 15 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 15 आतंकियों को मार गिराया। सेना के मुताबिक, 15 व 16 नवंबर को डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान में अभियान चलाए गए अभियान में 10 आतंकियों को ढेर किया गया, इसमें कुंजी सरगना आलम महसूद भी शामिल था। उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल क्षेत्र में पांच अन्य आतंकियों को मार गिराया गया। सभी विदेशी मदद से चल रहे नेटवर्क से जुड़े थे और कई हमलों में शामिल थे।

परमाणु पनडुब्बी मंजूरी पर भड़का उत्तर कोरिया, कहा-बेहद गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया को परमाणु संचालित पनडुब्बियां बनाने की हरी झंडी देने पर उत्तर कोरिया भड़क गया। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के दक्षिण कोरिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियां विकसित करने की मंजूरी को बेहद गंभीर बताया। उसने कहा कि इससे क्षेत्र में परमाणु युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि परमाणु पनडुब्बी परियोजना सियोल को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने की रणनीतिक चाल है।

ताइवानी सीमा में फिर घुसे 13 विमान और सात युद्धपोत

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार सुबह उसकी सीमा में 13 चीनी विमान और सात युद्धपोत देखे गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से सात विमान मध्य रेखा पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी वायु क्षेत्र में घुसे। इससे ठीक एक दिन पहले इसी तरह की 18 सैन्य गतिविधियां दर्ज की गई थीं। ताइवान ने कहा कि वह हालात की निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई करेगा।

सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका : ट्रंप

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का एलान किया है। वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में हुई हत्या के बाद सऊदी अरब के नेता की यह पहली व्हाइट हाउस यात्रा होगी। सऊदी अरब खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इन्कार करता रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को यह विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे।

नेपाल में शांति भंग के आरोप, दुर्गा प्रसाई गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। नेपाल में पुलिस ने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाओ अभियान के संयोजक व मेडिकल व्यवसायी दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया। जिला प्रशासन कार्यालय के मुताबिक, प्रसाई ने हिंसा को भड़काने वाली बयानबाजी की थी। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को प्रसाई की हिरासत अवधि चार दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी है। प्रसाई ने सार्वजनिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली अभिव्यक्ति दी थी। उन्होंने 23 नवंबर को देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और इसके लिए तैयारी भी कर रहे थे। इससे पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

फलस्तीनी शिविरों पर इस्राइली सेना ने ड्रोन से हमले किए, 11 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इस्राइली सेना ने हवाई हमला किया। इसमें 11 लोग मारे गए और चार घायल हो गए। लेबनान के सरकारी मीडिया और स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को ड्रोन हमला तटीय शहर सिडोन के बाहरी इलाके में किया गया। इस्राइली सेना ने ड्रोन से आइन अल-हिल्वे शरणार्थी शिविर में एक मस्जिद की पार्किंग में खड़ी एक कार को निशाना बनाया।

बांग्लादेश को दूसरा आतंकी मुल्क बनने से रोके भारत, हसीना के 'सांसदों' ने खुलकर मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। ढाका में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरणद्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद, अवामी लीग के वे शीर्ष नेता खुलकर सामने आ गए हैं। ये लोग वर्तमान में अज्ञात स्थानों पर निर्वासन में जी रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वे तभी बांग्लादेश लौटेंगे जब- राजनीतिक समावेशन सुनिश्चित होगा और उनके खिलाफ दर्ज मामलों में न्यायिक राहत मिलेगी। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत हसीना को शरण, सम्मान और सुरक्षा देना जारी रखेगा।

सैकड़ों नेता निर्वासन में, हजारों कार्यकर्ता जेल में : 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करने वाले कई अवामी लीग नेताओं और पूर्व सांसदों ने बताया कि पार्टी के लगभग सौ से अधिक नेता विदेशों में रह रहे हैं और इतने ही नेता एवं हजारों कार्यकर्ता बांग्लादेश में जेलों में बंद हैं। चार बार के सांसद नाहिम रज्जाक ने कहा कि सरकार द्वारा अवामी लीग को पूरी तरह समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार पार्टी पर प्रतिबंध, नेताओं पर आपराधिक मुकदमे, परिवारों को निशाना बना रही है और बैंक खातों पर रोक लगा रही है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ आया यह फैसला उन्हें और अधिक प्रेरित कर रहा है। रज्जाक ने कहा- वापस जाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन अगर पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटे और हमें जमानत मिले, तो हमारा पूरा नेतृत्व और कैडर संघर्ष के लिए तैयार है।

'यूनुस सरकार जल्द गिरेगी : सभी नेताओं का मानना है कि प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अधिक दिन टिक नहीं पाएगी। पूर्व वस्त्र एवं जूट मंत्री जाहिद नानक ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में होने वाला कोई भी चुनाव विश्वसनीय नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि यूनुस को इस्तीफा देना ही होगा। अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि हम उनके नेतृत्व में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे।

भारत से बड़ी अपेक्षाएं : 71 वर्षीय नानक ने भारत से यह उम्मीद जताई कि वह बांग्लादेश को दूसरा आतंकी या इस्लामिक स्टेट जैसा राष्ट्र बनने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को हमारे साथ खड़ा होना होगा। आईटीसी का गठन करने और प्रधानमंत्री को गैर-कानूनी तरीके से मौत की सजा सुनाने वाली इस अंतरिम सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारत को सहायता करनी चाहिए।

'हसीना के बिना चुनाव नहीं' : तीन बार सांसद रहे पंकज नाथ ने कहा कि हसीना को दी गई मौत की सजा से सभी स्तब्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि हसीना की अनुपस्थिति में कोई भी चुनाव स्वीकार्य नहीं होगा। जनता भी ऐसे चुनाव में भाग नहीं लेगी। नाथ ने जेल में बंद नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामान्य माफी देने की मांग की और कहा कि जल्द ही बांग्लादेश में एक बड़ा जनउभार हो सकता है। उन्होने कहा कि हमें विश्वास है कि भारत अपने पड़ोस में ऐसे अत्याचार को नहीं होने देगा।

हसीना का संदेश: 'यूनुस सरकार को उखाड़ फेंको' : अवामी लीग कार्यकारी समिति के संयुक्त सचिव और पूर्व सांसद बहाउद्दीन नसीम ने बताया कि शेख हसीना निर्वासन में होने के बावजूद इंटरनेट कॉल्स और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए नेताओं से लगातार संपर्क में हैं। मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद भी उन्होंने नेतृत्व को संदेश भेजा।

नसीम के अनुसार, उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट था - यह फैसला असंवैधानिक है, और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए। नसीम ने कहा कि यदि शेख हसीना चुनाव लड़ने का आह्वान करें, और यदि प्रतिबंध हटे तथा प्रमुख नेताओं को रिहा किया जाए, तो अवामी लीग उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। लेकिन इसके लिए निष्पक्ष और समान अवसर वाला माहौल होना आवश्यक है। शेख हसीना के खिलाफ मौत की सज़ा ने न केवल राजनीतिक टकराव को गहरा कर दिया है, बल्कि दक्षिण एशिया की रणनीतिक स्थिरता के लिए भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिडनी में भारतीय मूल की प्रेगनेंट महिला की दर्दनाक मौत

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। महिला 8 महीने की प्रेगनेंट थी और कुछ ही दिनों में उसकी डिलीवरी होने वाली थी। हालांकि हादसे में उसे और बच्चे को बचाया नहीं जा सका। 9 न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि सिडनी के हॉर्न्सबी में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू की चपेट में आने से 33 वर्षीय भारतीय मूल की आठ महीने की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना के पीड़िता, समन्वय धारेश्वर अपने पति और अपने 3 साल के बेटे के साथ पैदल जा रही थी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब वे सड़क पर कर रहे थे, तब एक किआ कार्निवल ने परिवार को फुटपाथ पार करने देने के लिए अपनी गति धीमी कर ली थी। हालांकि तभी 19 वर्षीय युवक आरोन पापाजोग्लू द्वारा चलाई जा रही एक बीएमडब्ल्यू सेडान कथित तौर पर किआ से टकरा गई, जिससे वह आगे की ओर उछल गई और धारेश्वर से जोर से टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि इमरजेंसी सर्विसेज तुरंत मौके पर पहुंची और पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही उसका इलाज किया, उसके बाद उसे वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद, धारेश्वर और उसके अजन्मे बच्चे, दोनों को बचाया नहीं जा सका। वहीं घटना में घायल हुए आरोपी को प्राथमिक इलाज के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 19 वर्षीय युवक को हॉर्न्सबी पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उस पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, लापरवाही बरतने और एक गर्भवती महिला की मृत्यु के आरोप लगाए गए हैं।

एपस्टीन ईमेल के बाद यूएस के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, 'अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारने' के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया। इसके बाद भी समर्स और एपस्टीन के मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय तक बने रहे। समर्स ने कहा, 'मुझे अपने किए पर बहुत शर्म आती है। मैं उस दर्द को समझता हूं जो उन्होंने मुझे पहुंचाया है। मैं एपस्टीन के साथ संवाद जारी रखने के अपने गलत फैसले की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूं।' हालांकि, समर्स ने यह स्पष्ट नहीं किया वह पढ़ाना जारी रखेंगे या वहां से भी पीछे हट जाएंगे। बता दें कि एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों से जुड़े मुकदमे चलाने की तैयारियां हो रही थीं, लेकिन 2019 में उन्होंने मैनहट्टन जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। ये भी दिलचस्प है कि समर्स की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि वह न्याय विभाग और एफबीआई से समर्स के एपस्टीन, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और रीड हॉफमैन (लिंक्डइन के संस्थापक और डेमोक्रेट समर्थक) के साथ संबंधों की जांच करने के लिए कहेंगे।

ट्रंप के बेटे ने लगाया बड़ा आरोप- भारतीयों से नफरत करते हैं जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को लेकर अमेरिका में राजनीतिक बहस तेज होती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट एरिक ट्रंप ने एक बार फिर ममदानी की कड़े शब्दों में आलोचना की है। फॉक्स न्यूज के होस्ट शॉन हनिटी से बातचीत में एरिक ट्रंप ने ममदानी पर अतिवामपंथी एजेंडा चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ममदानी की विचारधारा न्यूयॉर्क जैसे बड़े अमेरिकी शहरों को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि ममदानी भारतीयों से नफरत करते हैं। एरिक ने दावा किया कि- ममदानी सोशलिस्ट... कम्युनिस्ट... हैं जो किराना स्टोर्स का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं, नेतन्याहू को गिरफ्तार करना चाहते हैं, यहूदी समुदाय से नफरत करते हैं

और भारतीय आबादी से भी नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि ममदानी की नीतियां निगमों और रोजगार के अवसरों को नुकसान पहुंचा रही हैं। एरिक ट्रंप के अनुसार- न्यूयॉर्क कभी दुनिया का सबसे बेहतरीन शहर था, लेकिन आज यह अपनी चमक खो रहा है- और इसकी वजह है बुरी राजनीति। उन्होंने कहा कि ममदानी को सड़कों की सुरक्षा, शहर की सफाई और उचित टैक्स जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि सरकारी दखल बढ़ाने पर। एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज से भी जोड़ा मामला एरिक ट्रंप ने ममदानी की तुलना कांग्रेसवुमन एओसी से करते हुए कहा कि उनके विरोध के कारण ही अमेजॉन का प्रस्तावित मुख्यालय न्यूयॉर्क नहीं आया, जिससे हजारों उच्च वेतन वाली नौकरियां शहर के हाथ से निकल गईं। इस चर्चा से पहले एरिक ट्रंप ने टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में भी ममदानी को पागलपन भरी वामपंथी नीतियों वाला व्यक्ति बताते हुए कहा था कि एक कम्युनिस्ट के हाथों शहर का शासन विनाशकारी होगा। अपने चुनावी विजय भाषण में ममदानी ने सीधे डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा था- डोनाल्ड ट्रंप, मुझे पता है आप देख रहे हैं- वॉल्यूम बढ़ाइए। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई जगह यह दिखा सकती है कि ट्रंप जैसे नेता से निराश देश कैसे उनसे आगे बढ़ता है, तो वह जगह है- वही शहर जिसने उन्हें जन्म दिया न्यूयॉर्क। राजनीतिक टकराव और समुदायों में हलचल एरिक ट्रंप के आरोपों ने न्यूयॉर्क के भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों में बहस छेड़ दी है। ममदानी लंबे समय से प्रगतिशील राजनीति का हिस्सा रहे हैं और भारतीय व आप्रवासी समुदायों में लोकप्रिय चेहरे माने जाते हैं। हालांकि ममदानी की ओर से एरिक ट्रंप के इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले महीनों में यह राजनीतिक टकराव और तेज हो सकता है।

'भारतीय महिला को परेशान करना बंद करे', लाहौर हाईकोर्ट ने सरबजीत को पुलिस उत्पीड़न से दी सुरक्षा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को भारतीय सिख महिला सरबजीत को परेशान करना बंद करने का आदेश दिया। महिला ने इस्लाम धर्म अपनाकर स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर ली थी। महिला की मुस्लिम व्यक्ति नासिर हुसैन से मित्रता सोशल मीडिया पर हुई थी। सरबजीत कौर (48) 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ महीने की शुरुआत में गुरु नानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुई थी। तीर्थयात्री 13 नवंबर को घर

लौट आए, लेकिन सरबजीत लापता हो गई थी। लाहौर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बाद में बताया कि सरबजीत ने चार नवंबर को पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली। मंगलवार को सरबजीत और नासिर ने लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर शिकायत की कि पुलिस ने शेखूपुरा के फारूकाबाद स्थित उनके घर पर अवैध रूप से छापा मारा और उन पर शादी तोड़ने का दबाव डाला।

यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 28-बिंदुओं की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ गोपनीय चर्चा जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ गोपनीय तरीके से 28-बिंदुओं वाली योजना तैयार कर रही है। एक्सिओस ने यह रिपोर्ट रूसी अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप की यह नई योजना 20-बिंदुओं वाली गाजा शांति योजना से प्रेरित है। एक वरिष्ठ रूसी अधिकारी के अनुसार, ट्रंप इस योजना को लेकर आशावादी हैं। योजना में चार मुख्य बिंदु शामिल होंगे- यूक्रेन में शांति, सुरक्षा गारंटी, यूरोप में सुरक्षा और अमेरिका के रूस और यूक्रेन के साथ भविष्य के संबंध। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह शांति योजना पूर्वी यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों में रूस के क्षेत्रीय नियंत्रण जैसे बड़े मुद्दों को कैसे संभालेगी। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, विटकॉफ ने इस योजना पर रूसी प्रतिनिधि किरील दिमित्रीव के साथ विस्तार से चर्चा की है। दिमित्रीव ने एक्सिओस को बताया कि उन्होंने अक्तूबर 24-26 के बीच मियामी में विटकॉफ और ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ तीन दिन बिताए। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें लगता है कि रूसी पक्ष की बात सच में सुनी जा रही है, इसलिए इस इस समझौते के सफल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह योजना केवल यूक्रेन संघर्ष पर नहीं, बल्कि रूस की सुरक्षा चिंताओं और रूस-अमेरिका संबंधों को सुधारने पर फोकस करती है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बहुत व्यापक ढांचा है, जो कहता है कि कैसे हम आखिरकार यूरोप को स्थायी सुरक्षा दें, केवल यूक्रेन को नहीं। यूक्रेन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उन्हें इस योजना की जानकारी है, क्योंकि विटकॉफ ने इस पर राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रुस्तेम उमेरोव के साथ भी इस हफ्ते चर्चा की। वहीं, अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने इस योजना के बारे में यूरोपीय अधिकारियोंको भी जानकारी देना शुरू कर दिया है। यह योजना ऐसे समय में सामने आई है, जब ट्रंप अलास्का में रूसी समकक्ष व्लादीमिर पुतिन के साथ शिखर बैठक के बाद यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

मां बांग्लादेश न छोड़तीं तों... : शेख हसीना के बेटे वाजेब बोले- जान बचाने के लिए मोदी सरकार का आभारी रहूंगा

वर्जीनिया, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस बीच हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत में मौजूद हैं। भारत की तरफ से अपदस्थ पीएम को इस तरह सुरक्षा दिए जाने पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बुधवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि वे इसके लिए पीएम मोदी की सरकार के आभारी रहेंगे। अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे सजीब ने कहा, 'भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मेरी मां की जान बचाई है। अगर वो बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती। इसलिए मैं अपनी मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा।'

शेख हसीना के बेटे ने बांग्लादेश की न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए सवाल : शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, 'प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं थी। ट्रायल से पहले ही अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया, नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को बेंच पर काम करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं था और वे राजनीतिक रूप से जुड़े हुए थे। इसलिए, कोई उचित प्रक्रिया नहीं थी। प्रत्यर्पण के लिए उचित प्रक्रिया का होना आवश्यक है।

अमेरिका से दबाव के सवाल पर क्या बोले सजीब : अमेरिकी सरकार की ओर से उन पर कोई दबाव बनाए जाने के सवाल पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा, 'नहीं, हमें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं मिली है। बस एक मामूली समस्या यह थी कि अमेरिका एकमात्र ऐसा देश था, जिसने हमारे 2024 के चुनावों पर नकारात्मक बयान जारी किया था। इसके अलावा, चुनावों को सभी ने शांतिपूर्ण माना था। इसलिए कोई सीधा दबाव नहीं था। अब, अमेरिका में एक बिल्कुल नई सरकार है। स्थिति पूरी तरह से अलग है। हमने दृष्टिकोण में एक बहुत ही स्पष्ट बदलाव देखा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस साल की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि पिछले प्रशासन ने यूएसएआईडी के माध्यम से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर लाखों डॉलर खर्च किए थे। वह पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर रहे थे। अमेरिका का रवैया निश्चित रूप से बदल गया है, और वे बांग्लादेश में आतंकवाद के खतरे और इस्लामवाद के उदय को लेकर पिछले प्रशासन से कहीं ज्यादा चिंतित हैं।'

'यूनुस की अंतरिम सरकार के पास बिल्कुल समर्थन नहीं': सजीब वाजेद ने आगे बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'अगर मोहम्मद यूनुस लोकप्रिय होते, तो वे चुनाव क्यों नहीं कराते और फिर देश को वैधता से क्यों नहीं चलाते? वे डेढ़ साल से बिना चुनाव कराए सत्ता में बने हैं। असल में उनके पास बिल्कुल भी जनसमर्थन नहीं है। छात्रों की तरफ से गठित राजनीतिक दल- एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी), बांग्लादेश में हुए सभी चुनावों में 2% वोट हासिल कर रही है। उनकी लोकप्रियता कभी भी 2% से ऊपर नहीं गई। यूनुस और छात्रों की पार्टी की लोकप्रियता लगभग न के बराबर है। इसलिए वे बिना चुनाव के सत्ता में बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी सरकार की नीति सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की रही है। हमने चीन, भारत और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखे। यूनुस सरकार चीन के और करीब आने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चीन की कई राजकीय यात्राएं की हैं। यहां तक कि हमारी विपक्षी पार्टी, बीएनपी, भी चीन से सीधे संपर्क साध रही है। हमारे लिए, बेल्ट एंड रोड पहल बस परिवहन को सुगम बनाने के लिए एक आर्थिक पहल थी।

चिरयुवा बनाए फेशियल

डायमंड फेशियल

धूल-मिट्टी के कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं जिससे उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलता। इससे त्वचा रूखी हो जाती है, इसमें डायमंड फेशियल कारगर है। इसके जरिए त्वचा से विषैले पद्धार्थों को निकाला जाता है। इस अत्याधुनिक तकनीक को 'डायमंड माइक्रो- डर्मेब्रेशियन' कहते हैं। एक उम्र के बाद त्वचा की कोशिकाएं(सेल्स) शिथिल पड़ जाती हैं और उसमें झुर्रियां आने लगती हैं। यह त्वचा को पोषण भी देता है जिससे नयी कोशिकाएं बननी शुरू होती हैं। इस प्रक्रिया में सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफ किया जाता है। उसके बाद डायमंड स्क्रब के द्वारा त्वचा के मृत सेल्स को हटाया जाता है। स्क्रब के बाद चेहरे पर डायमंड की भस्म से मसाज किया जाता है। भस्म के अलावा क्रीम में कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज या खस के साथ मिलाकर प्रयोग किया जाता है जिससे भस्म त्वचा की मृत कोशिकाओं तक पहुंच सके।

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल-

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल में एमेरल्ड, रूबी, सफायर और टोपाज जैसे रत्नों के भस्म द्वारा चेहरे पर कलर वाइब्रेशन दिया जाता है। जेम स्टोन से निकलने वाले वॉयलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, यलो, ऑरेंज और रेड कलर्स मनुष्य के शरीर पर पहले से ही विघमान होते हैं। बल्कि हमारी कोशिकाएं इन सात रंगों से ही बनती हैं पर नकारात्मक तरंगों के कारण ये रंग अथवा कोशिकाएं प्रभावित होके हैं जिससे त्वचा मृत पड़ जाती है। एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल के द्वारा इन रंगों अथवा कोशिकाओं को पुष्ठ किया जाता है। यह फेशियल न सिर्फ त्वचा को ही चिरयुवा बनाता है अपितु मानसिक शांति और ऊर्जा भी प्रदान करता है। यदि व्यक्ति एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल लगातार करवाता रहे तो लंबे समय तक उसके चेहरे पर झुर्रियां नहीं पड़ती हैं और न त्वचा ढीली पड़ती है। इसमें प्रयोग किए जाने वाले रत्नों-नगों का प्रयोग व्यक्ति के जन्म महीने और उसके नक्षत्रों के आधार पर ही किया जाता है। इसमें इन रत्नों के भस्म के साथ ही कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज और खस की नरीशिंग क्रीम का भी प्रयोग किया जाता है। इसमें मसाज के लिए विभिन्न तरह के रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे के सभी हिस्सों के साथ आंख और नाक पर विशेष तरह के छोटे साइज के रोलर लगाए जाते हैं।

गोल्ड फेशियल

सोना सबसे लचीली धातु होती है इसलिए इसका भस्म त्वचा में आसानी से घुल जाता है। यह फेशियल त्वचा पर सुनहरी चमक लाता है। शरीर के भीतर उपस्थित विषैले पद्धार्थ को हटाकर यह रक्त संचार बढ़ाता है। गोल्ड फेशियल में 24 कैरैट के गोल्ड जेल, गोल्ड स्क्रब और गोल्ड मास्क का प्रयोग किया जाता है। एलो वेरा, व्हीटजर्म ऑयल या चंदन के तेल में सोने की पत्ती को मिलाकर मसाज किया जाता है। क्लींजिंग करने के बाद गोल्ड स्क्रब लगाया जाता है। गोल्ड जेल लगाने के लिए एक खास तरह के गजेट का इस्तेमाल किया जाता है। अंत में गोल्ड मास्क लगाया जाता है, जो त्वचा पर झुर्रियां बनने को रोकता है।

पर्ल फेशियल

पर्ल फेशियल आयुर्वेद की 400 साल पुरानी पद्धति पर आधारित है जिसके जरिए त्वचा की झुर्रियों को हटाकर उसमें खिंचाव पैदा किया जाता है। इसमें प्राकृतिक मोती के पाउडर का प्रयोग किया जाता है। यह सच्चाई है कि मोती सूरज की किरणों से होने वाली टअनिंग और पिगमेंटेशन को रोकता है। यह सूर्य की किरणों को छानता भी है। मोती त्वचा की कोशिकाओं को पुन: बनाने में सहायक होता है। यह अमीनो एसिड की ही तरह शरीर के लिए पोषक तत्व का कार्य करता है। साथ ही यह हमारे पीएच बैलेंस को भी कंट्रोल करता है। पर्ल फेशियल में मोती के पाउडर का स्क्रब और मास्क भी लगाया जाता है। फेशियल के दौरान इसमें सी ऑयल भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऑक्सीजन फेशियल

ऑक्सीजन फेशियल के द्वारा त्वचा के बंद रोमछिद्रों को खोलकर उन्हें ऑक्जीनेट किया जाता है ताकि त्वचा के भीतरी हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंच सके। ऑक्सीजन स्क्रब, मसाज और मास्क के द्वारा रक्त संचार बढ़ता है। ऑक्सीजन स्किन यूथ क्रीम के द्वारा मसाज किया जाता है जिसमें अमर बऐल, दरबा, बाबची और व्हीटजर्म क्रीम मिलाई जाती है। मास्क में नीले रंग के छोट-छोटे कैप्सूल इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें व्हीटजर्म होता है।

एरोमा थेरेपी फेशियल

एरोमा थेरेपी फेशियल काफक्ष पुरानी पद्धति है। एरोमा थेरेपी में प्राकृतिक तेलों की सुगंध द्वारा फेशियल किया जाता है। यह त्वचा की एलर्जी, पिगमेंटेशन और रूखेपन को ठीक करता है। इस फेशियल में हर्बल तेल और हर्बल एक्सट्रैक्ट के प्रयोग से चेहरे का मसाज किया जाता है। ... है।

मीठा पोंगल

सामग्री: 3 कप दूध, 5 कप पानी, 200 ग्राम चावल, 75 ग्राम मूंग दाल छिलके वाली, 200 ग्राम खजूर का गुड़, 5 इलायची, 25 ग्राम नारियल किसा, 50 ग्राम शुद्ध घी, 50 ग्राम काजू टूकड़े किए व भुने, 3 छोटे चम्मच किशमिश।

विधि: दूध और पानी को भारी तले वाले बर्तन में उबलने रख दें। चावल और मूंग को धोकर इसमें मिला दें। पानी सूखने तक पकाएं और फिर गुड़ मिलाएं। जरूरत हो, तो थोड़ा-सा दूध या पानी और मिलाकर चलाएं। ध्यान दें कि चावल और दाल तले में चिपकें नहीं। मिश्रण पक जाए, तब इसमें काजू, किशमिश और नारियल मिलाएं। अंत में घी को पिघलाकर इसमें डालें। एक बार मिला लें और आंच से उतार लें। पोंगल को गर्मा-गर्म ही सर्व करें।

खुश्क मौसम में बालों के लिए 10 टिप्स

'**इट्स** द टाइम टू बी केयरफुल', यह मंत्र न सिर्फ हेल्थ के लिए है बल्कि हमारी स्किन और हमारे बालों के लिए भी उतना ही जरूरी है। स्किन की केयर तो हम फिर भी कर लेते हैं लेकिन बालों की आर हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। जिससे बालों की नमी खो जाती है, ऑयल भी कम हो जाता है। बाल ड्राई होने के साथ ही डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं, डैंड्रफ भी अपनी जड़ें जमा लेता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट भारती तनेजा बता रही हैं, इस खुश्क मौसम में बालों को सुरक्षित और खूबसूरत रखने के बेहतरीन उपाय :

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए ऑयलिग बहुत जरूरी है। सप्ताह में दो से तीन बार ऑयलिग करें, रात भर तेल लगा रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो लिव-इन कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, इसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- बाहर निकलते समय बालों को स्कार्फ से ढक कर रखना चाहिए।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिलाकर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के बाद धो दें।
- ड्रैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- रूसी के निदान के लिए स्कल्प पर प्याज का जूस भी लगा सकते हैं। लगाने के आधे घंटे बाद शैम्पू कर लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फास्ट-माइंडेड बच्चे

हर मां-बाप अपने बच्चे को 'परफेक्ट चाइल्ड' के रूप में देखना चाहते हैं। इसलिए बच्चे पढ़ाई के अलावा डांस, जूडो और म्यूजिक भी सीख रहे हैं। उनकी पर्सनालिटी को संवारने के लिए स्कूलों में कम्युनिकेशन स्किल्स, बॉडी लैंग्वेज को सुधारने के लिए स्पेशल क्लासेज ली जाती हैं।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अभिभावक को उनके स्ट्रांग प्वाइंट को देखते हुए उन्हें उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिसमें उनकी रूचि होती है। बच्चों को भाषण देने के बजाय अपनी गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। पेरेंट्स को पीटीएम में जाना चाहिए और पूरी जानकारी रखनी चाहिए कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है। स्कूलों में बढ़ती प्रतियोगिता की वजह से बच्चों की जिंदगी की गाड़ी 'फास्ट-ट्रैक' पर चल रही है। शायद इसी वजह से उनमें गुस्से व चिड़चिड़ेपन ...

पेरेंट्स को घर में प्यार भरा माहौल बनाकर रखने की कोशिश करनी चाहिए। अपने निजी तनाव को बच्चों के सामने नहीं लाना चाहिए। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनने के अलावा उन्हें ज्यादा डांटना नहीं चाहिए वरना वे अपने मम्मी-पापा से डरेंगे और अपनी बातों को उनसे कहने में कतराने लगेंगे।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में स्कूल भी एक अहम भूमिका निभाता है। स्कूल बच्चों के लिए जानकारी का 'इनकमिंग सोर्स' है। टीचर्स को बच्चों के प्रति अच्छा स्वभाव रखना चाहिए और भेदभाव नहीं करना चाहिए वरना इससे उनका मानसिक विकास कमजोर पड़ने लगता है।

स्कूलों के अलावा कुछ पर्सनालिटी डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट खुल रहे हैं, जहां बच्चों के अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण व उनके पोश्चर को सुधारा जाता है। इसके अलावा घर में ग्रैंडपेरेंट्स के रहने से भी बच्चों को बहुत स्पेस मिलती है अपनी बातें कहने के लिए। ग्रैंडपेरेंट्स ...

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 1904

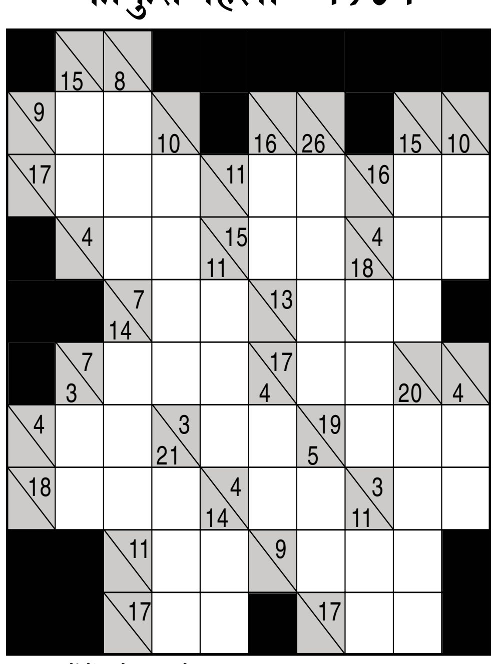

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

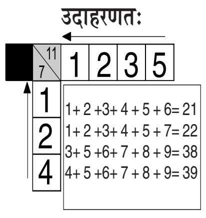

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1903 का हल

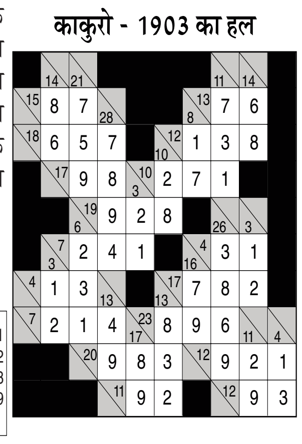

हंसी के फूव्वारें

पूजा में पण्डितजी ने बच्चों को लड्डू दिया और कहा-इसे हवन कुण्ड में डालों और कहो स्वाहा. बच्चों ने लड्डू मुंह में डाल लिया और कहा - आहा.

एक लड़का पार्क में साइकिल चला रहा था . उसकी मां बड़े गर्व से उसे देख रही थी. पहले चक्कर में मां के पास आने पर लड़के ने कहा, 'देखिये मम्मी, हाथों के बिना.' दूसरे चक्कर में बोला, 'देखिये मम्मी, पैरों के बिना.' तीसरे चक्कर में वह चिल्लाया, 'देखिये मम्मी, दांतों के बिना.'

□ □ □

एक खूबसूरत लड़की बस स्टॉप पर खड़ी था, एक नौजवान बोला-चांद तो रात को निकलता है, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बड़ी हाजिरजवाब थी. बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है ?

□ □ □

मास्टरजी: (व्याकरण पढ़ाते हुए) एक ऐसा वाक्य बताओ जिसमें वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल तीनों आ जायें.

छात्र: सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था, आज भी है, और कल भी रहेगा.

□ □ □

जज: (चोर से) तुम्हें बार-बार कचहरी में आते लज्जा नहीं आती ?

चोर: हुजूर मैं तो साल में एक बार ही आता हूँ मगर आप तो रोज ही आते हैं.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1904

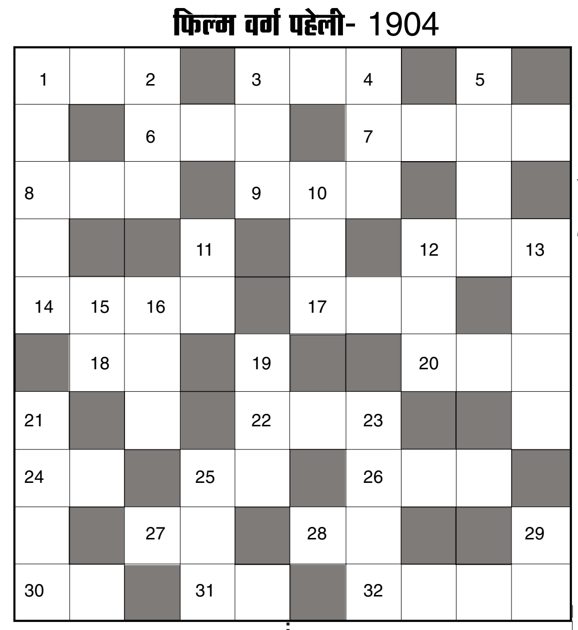

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1903

उ	त्स	व		चि	श	ग		खो	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
टा		ना	ना		दे			म	स्ती

सूडोकु -1904

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1903 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1904

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली - 1903 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह	त		व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज		अ	जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने 4 करोड़ से अधिक कीमत के 846.30 किलो नशीले पदार्थों को नष्ट किया

एजेंसी

गौतमबुद्धनगर । पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी और प्रभावी कार्रवाई की गई। विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीकृत अभियोगों में जब्त किए गए कुल 846.3091 किलोग्राम मादक पदार्थों का नियमानुसार विनष्टीकरण (डिस्पोजल) अधिकृत एजेंसी के माध्यम से कराया गया। जब्त किए गए इन नशीले पदार्थों की बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ 29 लाख 30 हजार 470 रुपए बताई गई है। यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जब्त की गई ड्रग्स को नियमानुसार सुरक्षित व वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया जाता है। विनष्टीकरण प्रक्रिया की निगरानी डीसीपी नारकोटिक्स शैव्या गोयल के निर्देशन में और एसीपी अपराध उमेश यादव और एसीपी लाइन्स राकेश प्रताप सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई। कमिश्नरेट के 7 थानों में दर्ज कुल 149 अभियोगों से संबंधित गांजा, डोडा, चरस, एमडीएमए और डायजापाम टैबलेट्स को नष्ट किया गया। बताया गया है कि थाना एक्सप्रेसवे से 6 अभियोगों से 5.510 किलोग्राम गांजा, थाना बादलपुर से 19 अभियोगों से 11.390 किलोग्राम गांजा और 510 ग्राम डोडा, थाना सेक्टर 49 से 72 अभियोगों से 28.810 किलोग्राम गांजा, 2.925 किलोग्राम चरस, 8.27 मिली एमडीएमए और 100 गोलियां डायजापाम, थाना सेक्टर 58 से 1 अभियोग से 761 किलोग्राम गांजा (सबसे अधिक बरामद), थाना सेक्टर 142 से 2 अभियोगों से 2.850 किलोग्राम गांजा, थाना ईकोटेक-3 से 4 अभियोगों से 5.698 किलोग्राम गांजा और थाना बीटा-2 से 45 अभियोगों से 27.608 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था।

वसई में 100 सिट-अप्स की सजा के बाद स्टूडेंट की मौत, एसआईटी जांच की मांग

मुंबई । वसई की 13 साल की बच्ची काजल गौड़ की मौत ने पूरे महाराष्ट्र को हिलाकर रख दिया है। स्कूल में 10 मिनट देर से आने पर टीचर ने उसे 100 सिट-अप्स करने की सजा दी। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ती गई और जेजे हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस पूरे मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट में एक पिटीशन दायर की गई है, जिसमें कोर्ट से खुद संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की गई है। यह पिटीशन वकील स्वप्ना प्रमोद कोडे ने चीफ जस्टिस चंद्रशेखर को संबोधित करते हुए फाइल की है। उन्होंने कोर्ट से अपील की है कि इस मामले की जांच तेजी से करवाई जाए, क्योंकि यह सिर्फ एक बच्ची की मौत का मामला नहीं, बल्कि एक इंसानी और संवैधानिक मुद्दा है। पिटीशन में मांग की गई है कि एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई जाए, जो स्कूल के गैरकानूनी कामकाज और इस मौत के पीछे की सभी परिस्थितियों की जांच करे। साथ ही स्कूल मैनेजमेंट और आरोपी टीचर के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए।

घोसी से विधायक सुधाकर सिंह का निधन, सीएम योगी और अखिलेश ने शोक व्यक्त किया

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया। समाजवादी पार्टी ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर सुधाकर सिंह के निधन की पुष्टि की। जानकारी के अनुसार, 60 वर्षीय सुधाकर सिंह को सीने में दर्द की शिकायत के बाद लखनऊ के वेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो दिन बाद गुरुवार को सुबह लगभग चार बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सपा ने आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दुखद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुख सहने का संबल प्राप्त हो। ' सुधाकर सिंह के निधन से समाजवादी पार्टी और उनके समर्थकों समेत राजनीतिक हलके में शोक की लहर दौड़ गई। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव गुरुवार सुबह अस्पताल पहुंचे और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

करूर हादसे के बाद विजय के सलेम से चुनाव प्रचार फिर से शुरू करने की संभावना

चेन्नई । एक्टर-पॉलिटिशियन और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) नेता विजय ने करूर में अपनी रैली के दौरान भगदड़ जैसी हालत में 41 लोगों की मौत की दुखद घटना के बाद अपना इलेक्शन कैंपेन रोक दिया था। अब पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि है कि विजय सलेम में अपना पॉलिटिकल टूर फिर से शुरू कर सकते हैं। करूर में हुई इस दुर्घटना के तुरंत बाद विजय ने सभी कैंपेन एक्टिविटीज रोक दी थीं।

यह घटना तब हुई जब एक पब्लिक मीटिंग के दौरान भारी भीड़ उनकी ओर बढ़ने लगी। इस घटना से पार्टी लीडरशिप और उसके सपोर्टर्स को गहरा सदमा लगा। टीवीके के अंदर के लोगों ने कहा कि एक्टर से पॉलिटिशियन बने विजय अभी भी इस दुखद घटना से इमोशनली पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। इस झटके के बावजूद, विजय ने हाल ही में चेन्नई में टीवीके की स्पेशल जनरल कमेटी और एग्जीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग्स में हिस्सा लिया। मीटिंग के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर कहा कि उनका पॉलिटिकल सफर और ज्यादा पक्के इरादे के साथ जारी रहेगा और उन्होंने इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल रूलिंग डीएमके सरकार की कड़ी आलोचना करने के लिए किया।

रायपुर में क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने दी गिरफ्तारी

एजेंसी

रायपुर। राजधानी रायपुर में हिस्ट्रीशीटर सूदखोर वीरेंद्र सिंह तोमर उर्फ रूबी तोमर की गिरफ्तारी के बाद से बवाल मचा हुआ है।रायपुर में क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने मौदहापारा थाने पहुंचकर गिरफ्तारी दी है। मौदहापारा पुलिस ने औपचारिक कार्रवाई पूरी करने के बाद थाने से ही उन्हें जमानत दे दी है। इस दौरान राज शेखावत ने कहा कि सात दिसंबर को तय किया गया है कि आंदोलन अपने समय पर होगा।उन्होंने आरोपित सूदखोर कथित तौर पर छत्तीसगढ़ करणी सेना के पदाधिकारी वीरेंद्र तोमर की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधीक्षक एवं टीआई के घर में घुसने की धमकी दी थी। शेखावत के पहुंचते ही थाने के बाहर समर्थक मौजूद थे, जिन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। गृह मंत्री विजय शर्मा ने

इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि अपराधी कोई भी हो, छोड़ा नहीं जाएगा। शेखावत की धमकी के बाद मौदहापारा थाने में थानेदार योगेश कश्यप ने शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत में इंस्पेक्टर योगेश कश्यप ने आपराधिक धमकी, लोक सेवक को धमकाने और सम्मान को ठेस पहुंचाने का जिक्र किया था। वो अपनी गिरफ्तारी देने रायपुर पहुंचे थे।

उल्लेखनीय है कि वीरेंद्र तोमर पर रंगदारी, सूदखोरी, धमकी और आर्म्स एक्ट के कई केस दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि वह जरूरतमंद लोगों को ऊंचे ब्याज पर पैसे देता था और फिर रकम न लौटाने पर धमकी और मारपीट करता था। तेलीबांधा और पुरानी बस्ती थाने में उसके खिलाफ दर्ज केसों के बाद वह महीनों से फरार चल रहा था। तोमर को पकड़ने के लिए पुलिस टीम एमपी, यूपी और हरियाणा तक भेजी गई थी। कई हफ्तों की मोबाइल ट्रैकिंग और टॉवर डंप विश्लेषण के बाद आखिरकार ग्वालियर में उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। वीरेंद्र तोमर की गिरफ़्तारी के बाद पुलिस ने उसका जुलूस निकाला।इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने फेसबुक पर लाइव आकर पुलिस अधिकारियों के घर घुसकर प्रदर्शन करने की धमकी दी थी। शेखावत ने फेसबुक लाइव में कहा था कि तोमर कोई आतंकवादी था क्या, जिसका जुलूस निकाला गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने ऐसा कर समाज का अपमान किया है।

कांग्रेस के पास न नेता है और न नीयत, राहुल गांधी पूरी तरह फेल: विश्वास सारंग

एजेंसी

नई दिल्ली । बिहार की राजधानी पटना स्थित गांधी मैदान में नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मौजूद रहे। समारोह समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने खास अंदाज में बिहार का पारंपरिक गमछा लहराकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह पर मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। एनडीए को भारी बहुमत मिला है। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और कल्याणकारी कामों की सफलता को दिखाती है। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि इस पार्टी के पास न नेता हैं और न नियत है। राहुल गांधी पूरी तरह से फेल हैं, जबरदस्ती उन्हें नेता बनाया जा रहा है। कांग्रेस के हाल बहुत बुरे हो चुके हैं। सांसद अनूप वाल्मीकि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सभी सम्मानित एनडीए नेताओं और नीतीश कुमार को धन्यवाद देना चाहता हूं। 2005 से हमारे एनडीए और नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार लगातार चल रही है, और बिहार को सही रास्ते पर रखने के लिए जो काम किया गया है, वह सराहनीय रहा है। भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि नीतीश कुमार को इतिहास के पन्नों में इसलिए याद किया जाएगा क्योंकि उन्होंने लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के 15 साल के राज में बिहार में चले 'जंगल राज' को खत्म किया। अब इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा है, सड़कें बनी हैं, गांव अब जुड़ गए हैं, पुल बन रहे हैं, समिट हो रहे हैं और इंडस्ट्री आ रही हैं।

सहकारिता क्षेत्र में रिकॉर्ड बढ़ोतरी : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यहां राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम (एनसीडीसी) की 92वीं महासभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद देश में सहकारिता क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति की है और एनसीडीसी इस परिवर्तन का मजबूत आधार बनकर उभरा है।

शाह ने बताया कि एनसीडीसी ने बीते चार वर्षों में सहकारी संस्थाओं को दी जाने वाली वित्तीय सहायता को लगभग चार गुना बढ़ाते हुए वर्ष 2024-25 में 95,200 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया है। वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा 24,700 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि सहकारिता मॉडल ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, आय तथा सहभागिता बढ़ाने का श्रेष्ठ माध्यम है और एनसीडीसी की 40 प्रतिशत से अधिक वार्षिक विकास दर, शून्य नेट एनपीए और 807 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड मुनाफे ने संस्था की विश्वसनीयता को और मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र और विपणन क्षेत्रों में जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों और राज्य विपणन संघों के माध्यम से एनसीडीसी ने महत्वपूर्ण कार्य किया

है। साथ ही, प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) को किसान उत्पादक संगठनों के रूप में विकसित करने की पहल किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने में मदद कर रही है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि जैविक खेती और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बहु-राज्य सहकारी संस्थाएं–एनसीईएल, बीबीएसएसएल और एनसीओएल–ग्रीन रिवॉल्यूशन के बाद के कृषि परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वहीं, मछली पालन क्षेत्र में 1,070 एफएफपीओ को मजबूत किया गया है तथा प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के तहत 2,348 और एफएफपीओ पर कार्य जारी है। शाह ने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात में गहरे समुद्र में मत्स्यन के लिए ट्रॉलर उपलब्ध कराने से ब्लू इकोनॉमी को गति मिली है और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। साथ ही, उन्होंने चीनी मिलों और डेयरी क्षेत्र में सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार के एक हजार करोड़ रुपये के अनुदान के आधार पर एनसीडीसी ने 56 सहकारी चीनी मिलों को एथेनॉल संयंत्र, को-जन और कार्यशील पूंजी के लिए 10,005 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है।

शहीद के भाई को सरकारी नौकरी, परिजन की सभी जरूरतों का रखेंगे ध्यान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त अभियान में मध्य प्रदेश के बालाघाट में हॉक फोर्स में निरीक्षक आशीष शर्मा बहादुरी से मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने निरीक्षक की शहादत पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार सदैव हमारे जवानों के साथ है। बहादुर जब वीरगति को प्राप्त होते हैं, तो उन्हें स्वतः ही भगवान के श्रीचरणों में स्थान मिलता है। राज्य सरकार दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। हम शहीद के छोटे भाई को सरकारी नौकरी प्रदान करेंगे। शहीद के परिवार की सभी आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सतना जिले के नागौद में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं हमारे संकल्प की सिद्धि में बाधक नहीं बनेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में दुर्दांत अपराधियों के खिलाफ हम सख्त कार्रवाई जारी रखेंगे, जो गरीबों और लाचारों पर अन्याय करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नक्सलवादियों के खिलाफ केंद्रीय

गृह मंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सहित देशभर में लगातार कार्रवाई कर रही है। छत्तीसगढ़ में ज्वाइंट ऑपरेशन में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के बहादुरी से वीरगति प्राप्त करने का दुःखद समाचार मिला है। हमारी सरकार शहीद के परिवार के लिए सभी प्रबंध करेगी। सरकार दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। शहीद के परिजन को सम्मान निधि सहित सारी सुविधाएं भी देने के प्रयास करेंगे। एंटी नक्सल ऑपरेशन के डीजीपी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया था। तीनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्र के बोर तालाब के पास नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। पुलिस के पहुंचने पर नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। तीनों टीम को लीड कर रहे इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को गोली लग गई। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मप्र हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा मूल रूप से नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में बोहानी गांव के रहने वाले थे। उनका चयन 2016 में सब इंस्पेक्टर के पद पर हुआ था। इससे पहले वे इंटेलिजेंस में आरक्षक के पद पर सेवाएं दे रहे थे। नक्सलियों का एनकाउंटर करने पर पुरस्कार स्वरूप मध्य प्रदेश सरकार ने आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया था।

आंध्र प्रदेश के मारेडुमिली वन क्षेत्र में मुठभेड़, कई नक्सली ढेर

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश इंटेलिजेंस के एडीजी महेश चंद्र लड्डा ने मारेडुमिली वन क्षेत्र में बुधवार की सुबह हुई मुठभेड़ की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मृतकों में श्रीकाकुलम का नक्सली जोगाराव उर्फ टेक शंकर भी शामिल है। हालांकि अन्य नक्सलियों के मारे जाने के बारे में पूरी जानकारी अभी नहीं मिली है। मुठभेड़ घने जंगलों में हुई है, ऐस में मृतकों की पहचान में समय लगना स्वाभाविक है। हालांकि मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के 131 जवानों की हत्या का आरोपित नक्सली थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी के मारे जाने की खबर है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। एडीजी लड्डा बुधवार सुबह 11 बजे विजयवाड़ा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बेहतर होगा कि बाकी नक्सली आत्मसमर्पण कर दें।आत्मसमर्पण करने वे तेलंगाना की पुलिस के समक्ष भी जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नक्सली छत्तीसगढ़ और तेलंगाना

से आंध्र प्रदेश में आने की कोशिश कर रहे हैं। ऐस में कड़ी निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि हमने 17 नवंबर को एक अभियान शुरू किया। 18 नवंबर की सुबह अल्लूरी सीतारामाराजू जिले में एक मुठभेड़ हुई। इसमें केंद्रीय समिति के सदस्य हिडमा माडवी और पांच अन्य नक्सली मारे गए। दूसरी ओर एनटीआर, कृष्णा, एलुरु, काकीनाडा और कोनासीमा जिलों में 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें तीन विशेष क्षेत्रीय समिति के सदस्य, 23 प्लाटून सदस्य, पांच संभागीय समिति के सदस्य और 19 क्षेत्र समिति के सदस्य शामिल हैं। हमने लोगों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना ये गिरफ़्तारियां कीं। हमने नक्सलियों से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक भी ज़ब्त किए। मंगलवार को मारेडुमिली मुठभेड़ के बाद कुछ नक्सली भाग गए। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए भी टीमें तैनात की गई हैं।गोलीबारी में हिडमा की मौतः एडीजी से पूछा गया कि हिडमा एक पत्रकार के जरिए आत्मसमर्पण करने ही वाला था, तब उसकी मुठभेड़ हुई। इस संबंध में हिडमा ने पुलिस को चिट्ठी लिखी और सुरक्षा प्रदान करने की मांग भी की थी। इस प्रश्न के उत्तर में महेश चंद्र ने कहा कि पत्रकारों को हिडमा द्वारा पत्र लिखने की जानकारी नहीं है। हिडमा की मौत गोलीबारी में हुई है। इस बात में कोई सच्चाई नहीं है कि वह पकड़े जाने के बाद मारा गया।हम नक्सल-मुक्त आंध्र प्रदेश के लिए काम कर रहे हैं। हम जांच कर रहे हैं कि नक्सलियों की योजना क्या है और बहुत से शीघ्र ही आत्मसमर्पण कर देंगे। एडीजी ने कहा कि इसके साथ नक्सली वहां से दूसरे इलाकों में जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में उन्हें पकड़ा भी जा रहा है। महेश चंद्र ने यह भी कहा कि आंध्रा- ओडिशा बॉर्डर के निकट रहने वाले लोग, प्रतिनिधि, विधायक और अन्य पार्टी के नेता सावधानी बरतें और पुलिस सुरक्षा के बिना सार्वजनिक रूप से न निकलें।

25 नवम्बर को कुरुक्षेत्र में होने वाला श्री गुरु तेगबहादुर का शहीदी पर्व भव्य और ऐतिहासिक होगा: डा. मनजीत दहिया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता एवं ऐतिहासिक गुरुद्वारा मंत्री साहिब पातशाही नौवीं लाखनमाजरा के सेवादार आचार्य डा. मनजीत सिंह दहिया लाखनमाजरा ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर श्री गुरू तेग बहादुर जी के 250 वें शहीदी दिवस पर बड़े स्तर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता डा. मनजीत सिंह दहिया लाखनमाजरा ने बताया कि हरियाणा के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर श्री गुरु तेग बहादुर ने शहीदी दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार जिला प्रशासन और हरियाणा गुरुद्वारा प्रबन्धन कमेटी मिलकर कार्यक्रम के प्रबन्धों को पूरा कर रही है। डा. मनजीत सिंह दहिया लाखनमाजरा ने बताया कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में अन्तराष्ट्रीय गीता महोत्सव को देखते हुए सरकार ने व्यापक व्यवस्थाएं भी की हुई है। विभिन्न स्थानों से आने वाली साध संगत के कार्यक्रम स्थान पर पहुंचने के व्यापक प्रबंधक जिला प्रशासन द्वारा भी किए जा रहे हैं। डा. मनजीत सिंह दहिया लाखनमाजरा ने बताया कि गुरुओं की धरा कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में श्री गुरुग्रंथ साहिब की स्थापना की जाएगी। श्री गुरु तेगबहादुर जी की जीवन पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

मध्य प्रदेश के नर्मदा बेसिन में मछलियों की एक नई प्रजाति की हुई खोज

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के नर्मदा नदी बेसिन से मीठे पानी की नेमाचिलिड लोच नदी-नालों के तल में रहने वाली मछलियों की एक नई प्रजाति इंडोरियोनेक्टीज़ महाडेओएन्सिस की खोज की गयी है। यह खोज वैज्ञानिक द्वारा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के दक्षिणी-पूर्वी भाग में महादेव पहाड़ी की धारा पचमढ़ी क्षेत्र में किए गए मछली सर्वेक्षण के दौरान हुई। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि भारतीय वन्य-जीव संस्थान देहरादून की वैज्ञानिक मेघना घोष और जयराज एंटनी जॉनसन और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान कोलकाता की वैज्ञानिक अनुराधा भट्ट द्वारा संयुक्त रूप से अध्ययन कर नई मछली प्रजाति की खोज की गयी है। सर्वेक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने एक ऐसी लोच मछली देखी, जिसकी शारीरिक आकृति मौजूदा ज्ञात प्रजातियों से अलग दिखायी दे रही थी। विस्तृत टैक्सोनोमिक और अनुवांशिक अध्ययन में यह पुष्टि हुई कि यह एक पूरी तरह नई अबतक की अवर्णित प्रजाति है। यह प्रजाति महादेव स्ट्रीम क्षेत्र में पायी गयी, इसलिए इसे महादेव पहाड़ी के नाम से इंडोरियोनेक्टीज़ महाडेओएन्सिस नाम दिया गया।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार मछली की नई प्रजाति में कई विशिष्ट गुण पाए गए हैं। इनमें पृष्ठीय पंख में 8 शाखित किरणें, गुदा पंख में 7 शाखित किरणें, लम्बी नासिका बार्बेल्स और शरीर के दोनों ओर विभाजित ऊर्ध्व पट्टियां पायी गयी हैं, जो अन्य सह-प्रजातियों से अत्यधिक भिन्न पायी गयी हैं। लोच मछलियां पारिस्थितिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। तल आधारित जीव होने के कारण ये पोषक तत्व पुनर्चक्रण, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र की सफाई तथा मीठे पानी के पर्यावरण की स्वस्थ स्थिति के जैव सूचक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इनके महत्व के बावजूद, कई लोच प्रजातियाँ आवास विनाश, बांध निर्माण, प्रदूषण और अत्यधिक दोहन का सामना कर रही हैं, जिससे इनकी प्राकृतिक आबादी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।इंडोरियोनेक्टीज़ महाडेओएन्सिस मछली की खोज मध्य भारत की समृद्ध जल जैव-विविधता और सतपुड़ा पर्वतमाला के संवेदनशील पारिस्थितिक महत्व को उजागर करती है। यह खोज बताती है कि इस क्षेत्र में कई ऐसी प्रजातियाँ अभी भी मौजूद हैं, जिनके संरक्षण और आवास सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक अध्ययन और प्रयासों की आवश्यकता है।

फिरोजपुर में आरएसएस कार्यकर्ता का हत्यारोपी मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यकर्ता की हत्या का आरोपित गुरुवार को मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया है। इस मामले में अब तक तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। फिरोजपुर पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। फिरोजपुर में 15 नवंबर की रात अज्ञात युवकों ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता नवीन अरोड़ा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। फिरोजपुर के एसएसपी भूपिंदर सिंह ने बताया कि देर रात पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान जतिन काली को घेरा। पुलिस को देखकर उसने बाइक भगा ली और फायर किया, एक बुलेट पुलिस की गाड़ी के फ्रंट शीशे में लगी है। पुलिस ने टांग में गोली मार जतिन को बाइक से गिराया और गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद उसे इलाज के लिए फिरोजपुर के सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

मध्य प्रदेश की नीतियों से बढ़ रहा निवेश और निर्यात : मुख्य सचिव जैन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि प्रदेश की नीतियों से राज्य में निवेश, नवाचार और निर्यात तेज़ी से आगे बढ़ रहा हैं। प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र, लॉजिस्टिक व्यवस्था में लगातार सुधार, निर्यात को समर्थन देने वाली संरचनाएं और अंतरराष्ट्रीय सहयोग, ये सभी मध्य प्रदेश को भारत के उभरते विकास मार्ग के रूप में स्थापित कर रहे हैं। प्रदेश ने औद्योगिक विकास एवं निवेश फ्रेंडली माहौल बनाने के लिये 18 नई नीतियां बनाई हैं। प्रदेश ने टॉप अचीवर्स का दर्जा प्राप्त किया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, सिंगल विंडो सिस्टम के साथ ही शासन-प्रशासन का निवेशकों को भर पूर सहयोग मिलता है। आसियान देशों के साथ निवेश बढ़ाने के लिये पर्सन-टू-पर्सन इंटरेक्शन विशेष प्रयास किए जाएंगे। मुख्य सचिव जैन शाम भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन हॉल में आयोजित आसियान-मध्य प्रदेश व्यापार और निवेश संवाद तथा निर्यात संवर्धन

परामर्श 2025 सेमीनार को संबोधित कर रहे थे। सेमीनार में आसियान देशों के प्रदेश में व्यापार और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण चर्चा हुई। आसियान देशों के 11 राजदूतों, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने निवेश पर विस्तृत संवाद किया। इस अवसर पर इंडिया में मलेशिया के हाई कमिश्नर एवं आसियान के चेयर दातो मुज्जफर शाह मुस्तफा और केन्द्र सरकार के विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रशांत अग्रवाल ने भी विचार साझा किए। सेमीनार में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह ने प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, व्यापार अवसरों और आसियान देशों के साथ सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है, जहां व्यापक भौगोलिक क्षेत्र, समृद्ध खनिज संसाधन, उत्कृष्ट सुशासन और उद्योग समर्थक नीतियां उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 8 हवाई अड्डे, 5 औद्योगिक कॉरिडोर, पर्याप्त बिजली क्षमता और 1000 एमसीएम औद्योगिक जल उपलब्ध होने से राज्य स्वाभाविक रूप से उद्योगों का पसंदीदा स्थान बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश लगभग 9 करोड़ उपभोक्ताओं का बड़ा बाज़ार प्रदान करता है, जो आसियान देशों के लिए मध्य भारत में स्थित सरल पहुंच वाला महत्वपूर्ण केंद्र बनाता है। उन्होंने बताया कि आसियान देशों को मध्य प्रदेश का कुल निर्यात 566 मिलियन अमेरिकी डॉलर का है। इसमें थाईलैंड, वियतनाम और मलेशिया की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। दवाइयां एवं स्वास्थ्य उत्पाद, धातु आधारित वस्तुएं, वस्त्र, कृषि एवं खाद्य प्र-संस्करण तथा इंजीनियरिंग उत्पाद आसियान के लिए प्रमुख निर्यात श्रेणियां हैं।

सोनिया गांधी ने मिशेल बेचेलेट को इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार सामाजिक विकास, शांति, निरस्त्रीकरण और मानव कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार उन लोगों और संस्थाओं को याद करता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी प्रगति, न्याय और मानवता के कल्याण के लिए काम किया।

राजधानी दिल्ली के जवाहर भवन में आयोजित इंदिरा गांधी पुरस्कार समारोह में सोनिया गांधी ने चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बेचेलेट को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किया। समारोह में जूरी के अध्यक्ष शिवशंकर मेनन, जूरी सदस्य और अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी हिस्सा लिया। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री

इंदिरा गांधी ने गरीबी, असमानता और हिंसा के खिलाफ लगातार प्रयास किए। उन्होंने मिशेल बेचेलेट के संघर्षमय जीवन और उपलब्धियों को भी बताया। मिशेल बेचेलेट ने अपने देश में लोकतंत्र एवं मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कठिनाइयों का सामना किया, स्वास्थ्य और रक्षा मंत्रालय में योगदान दिया और दो बार राष्ट्रपति पद संभाला। सोनिया गांधी ने कहा कि बेचेलेट ने महिलाओं के अधिकारों और समानता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने देश की स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार किया, कमजोर वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा की, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन योजनाओं को मजबूत किया और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए कोटा लागू किया। सोनिया गांधी ने कहा कि मिशेल बेचेलेट का योगदान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहनीय है। 2010 में उन्होंने यूएन महिला एजेंसी की पहली निदेशक और बाद में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के रूप में महिलाओं और कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा की।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से , जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशेज क्रिकेट सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य इस बार एशेज जीत कर पिछले एक दशक से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ना रहेगा। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण स्टीव स्मिथ की कप्तानी में उतर रही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड 13 मैच हारी है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं इस प्रकार उसे एक भी जीत नहीं मिल सकी। अंतिम बार 2010-11 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था।

वहीं इस बार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह भी आसान नहीं है। वह अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। ऐसे में देखना होगा कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर दबाव बढ़ जाएगा।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिला है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा, 'मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इस बार हमारे पास अपना इतिहास बनाने का अवसर है। इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के पास रहेगी। वहीं उनका साथ मार्क वुड देंगे। इस मैचम में तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स वह गुस एटकिंसन को भी अवसर मिल सकता है।

कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सीरीज में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरा जोर लगा देंगी। मेजबान टीम को हालातों का भी लाभ मिलेगा ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया अंतिम ग्यारह - स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह - बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर

मुशफिकुर ने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

-विशिष्ट खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हुए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने ढाका में अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मुशफिकुर आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक लगाने के साथ ही उन बल्लेबाजों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाया है। अच्छी तकनीक के लिए पहचाने जाने वाले मुशफिकुर ने अपनी पारी में संयम, धैर्य और क्लास का मिश्रण दिखाया। दूसरे दिन 99 रन पर नाबाद लौटे मुशफिकुर रहीम पर पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। वहीं आयरलैंड के जॉर्डन नील को गेंदबाजी सौंपी। नील ने कुछ अच्छी गेंदें डालकर रहिम को रोकने की कोशिश की पर ओवर की तीसरी गेंद पर रहीम ने एक रन लिया और शतक पूरा कर लिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया, और तालियां बजायीं।

अब मुशफिकुर उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इस सूची में कॉलिन काउड्रे, जावेद मियांदाद, रिकी पोंटिंग, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

हीम का यह शतक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के विकास का प्रतीक भी है। 2005 में पदार्पण करने वाले इस बल्लेबाज ने अपनी फिटनेस, तकनीक और अनुशासन के बल पर लंबे समय तक टीम में अहम भूमिका निभाई है। 100वें टेस्ट में शतक उनकी काबिलियत, निरंतरता और खेल के प्रति समर्पण को दिखाता है।

दूसरे टेस्ट से पहले गावस्कर ने दी प्रबंधन और चयनकर्ताओं को सलाह

–टीम में ऑलराउंडर नहीं विशेषज्ञ बल्लेबाज शामिल करें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कहा है कि वह अपने अहं को छोड़कर टीम का चयन करें। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों से अलग होता है, इसलिए यहां विशेषज्ञ बल्लेबाजों को जगह मिलनी चाहिये। वहीं कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर रखने पर प्रबंधन का जोर था जिससे टीम को नुकसान हुआ और वह लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले ये बात कही। इसके साथ ही गावस्कर ने बल्लेबाजों से भी कहा कि धैर्य से खेलें न कि अहंकार में भरकर हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास करें। गावस्कर ने चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सीमित-ओवरों वाले ऑलराउंडरों की जगह पर घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। कोलकाता टेस्ट का हवाला देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि केवल 3 दिन में 30 रन की हार से दिखता है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वालों की जगह लीग खिलाड़ियों को शामिल कर रहा है। ऐसे में टीम में शामिल खिलाड़ी पिचों पर टिक कर नहीं खेल पा रहे हैं।गावस्कर ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उम्मीद करते हैं कि जिम्मेदारों की आंख खुलेगी और वे घरेूल क्रिकेट में रन बनाने वालों पर ध्यान देंगे। ये खिलाड़ी इन पिचों पर खेलने के अभ्यस्त हैं जहां गेंद घूमती हैं और नीची रहती हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अधिकतर समय इतने व्यस्त रहते हैं कि न्हें घरेलू पिचों पर खेलने का अभ्यास ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी धैर्य की मांग करती है और सबसे अहम ये है कि अपने अहं को छोड़ दें। ने की उत्सुकता दिखनी चाहिए। ये मायने नहीं रखता कि आप बीट हो गए या लेग गार्ड्स पर गेंद लगी।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे !, इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

गुवाहाटी (एजेंसी)। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है।

कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह BCCI ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

गिल के दूसरे टेस्ट में ना खेलने की खबरों पर भारत के बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से वह ऐंठन नहीं होनी चाहिए।'

भारतीय कोच ने कहा, 'अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो यह टीम के लिए मददगार नहीं होगा।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिडनी । भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे पडिक्कल और नायर, इस टीम में शामिल हुए

बेंगलुरु (एजेंसी)। देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप ष्ठ मैचों के लिए कर्नाटक की 16 सदस्यों वाली टीम में शामिल किया गया। ये मैच 26 नवंबर से अहमदाबाद में होंगे। देवदत्त अभी साउथ अफ्रीका सीरीज़ के लिए भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, और अगर टीम मैनेजमेंट उन्हें रिलीज नहीं करता है, तो वह कम से कम पहले कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। करुण ने रणजी ट्रॉफी के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में 100.33 की औसत से दो शतकों के साथ 602 रन बनाए हैं। मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम अपने कैंपेन की शुरुआत उत्तराखंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद झारखंड के खिलाफ डे-नाइट मैच होगा। ग्रुप ष्ठ में दूसरी टीमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, सौराष्ट्र और त्रिपुरा हैं। कर्नाटक टीम - मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वाथ कवरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ, देवदत्त पडिक्कल.

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

अबू धाबी । पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं। इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैम्पियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, यूसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाय। इसके बाद यह महिला विश्व कप में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तान और फातिमा सना से दूरी बनाये रखी थी।

सरफराज को मिली पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी, अजहर अली ने उठाया बड़ा कदम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली ने नेशनल सिलेक्शन कमिटी और नेशनल क्रिकेट एकेडमी में यूथ डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के हेड पद से इस्तीफा दे दिया है। अली के एक भरोसेमंद सोर्स ने कन्फर्म किया कि उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा है क्योंकि एक और पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीमों का पूरा कंट्रोल दिया गया था।

सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अजहर ने इस हफ़्ते की शुरुआत में बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा था और इसे मंजूर कर लिया गया है।'' 97 टेस्ट खेलने वाले अजहर ने पिछले साल सिलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट हेड के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू किया था, लेकिन सोर्स ने कहा कि वह बोर्ड में काम करने के तरीके से काफी परेशान हो रहे थे। काम करने का रेड-टेप स्टाइल उन्हें परेशान करता था, साथ ही इस बात से भी कि एकेडमी में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने के उनके कुछ प्रपोजल को आगे नहीं बढ़ाया गया।'

सोर्स ने कहा कि अजहर तब निराश हुए जब बोर्ड ने अचानक उनसे बात किए बिना शाहीन और अंडर-19 क्रिकेट के सारे मामले सरफराज को सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अजहर को लगा कि अब जब सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमें चलाने के लिए कहा गया है, तो यूथ डेवलपमेंट के हेड के तौर पर उनकी ज्यादातर जिम्मेदारियां बिना उनकी मंजूरी के छीन ली गई हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।'

सरफराज, जो बोर्ड के साथ पहले मेंटर और फिर क्रिकेट मामलों के एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें पिछले हफ़्ते दोनों टीमों की जिम्मेदारी लेने और कोच के परफॉर्मेंस, सिलेक्शन मामलों, ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज करने समेत सभी पहलुओं को देखने के लिए कहा गया और उन्हें टीमों के साथ ट्रैवल करने का अधिकार भी दिया गया। हाल के सालों में पुराने खिलाड़ियों और कोचों, जिनमें विदेशी भी शामिल हैं, का अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा न करने, या तो छोड़ने या नौकरी से निकाले जाने का इतिहास रहा है। हाल ही में ख्रक्र ने वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद महिला टीम के हेड कोच के तौर पर मुहम्मद वसीम का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया, जहां टीम आठ टीमों में सबसे नीचे रही थी।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन - स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ़्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं।' 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा । भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े। इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं। बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था। इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है। दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था। दुबे ने BCCI टीवी से कहा, 'मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरूआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था। हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था।' ' बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अबरार अली पर होगा। इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहींस का सामना श्रीलंका ए से होगा।

कुलदीप यादव का आक्रामक मंत्र: विकेट लेना ही मेरा काम, कोच-कप्तान के सहयोग से मिली स्पष्टता

मुंबई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपना नजरिया साझा किया। यादव ने एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपनी भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सहयोग की बदौलत उन्हें अपने काम पर स्पष्टता मिली है। यादव ने आगे कहा कि वह आक्रामक मानसिकता बनाए रखते हैं और विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

कुलदीप यादव ने जियोस्टार पर कहा कि एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में मैं बहुत स्पष्ट हूँ, मैं वर्षों से अपनी भूमिका जानता हूँ। कोच और कप्तान ने मुझे बहुत स्पष्टता और सहयोग दिया है। मैं हमेशा आक्रामक मानसिकता रखता हूँ और उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हूँ। यही मेरा काम है; विकेट लेना। वे मुझे इसी नज़र से देखते हैं। यादव का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक चुनौतीपूर्ण लेकिन मनोरंजक प्रारूप है, और भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक ÷विलासिता÷ है। उनका लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में फिटनेस और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि वे अपने टेस्ट अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

यादव ने कहा कि सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसका सभी आनंद लेते हैं, लेकिन यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी है। ज़ाहिर है, आप सभी प्रारूपों में खेलना चाहते हैं, लेकिन अगर आपको टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है, तो आप इसका आनंद लेते हैं। भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक विलासिता है। टेस्ट क्रिकेट में अगले 4-5 साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करूँगा।

भारत शनिवार को गुवाहाटी में दूसरे और अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा, जहाँ वह श्रृंखला के पहले मैच में 30 रनों की हार से उबरकर श्रृंखला 1-1 से बराबर करना चाहेगा। दूसरे टेस्ट से पहले, भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी मज़बूत टीमों का सामना करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी गलतियों को पहचानने और सुधारने में मदद मिलती है।

गुवाहाटी टेस्ट जीतने भारतीय टीम को करने होंगे कई सुधार : रिपोर्ट

गुवाहाटी । यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा। भारतीय टीम को दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रनों से हार मिली थी जिससे वह इस सीरीज मे 1-0 से पीछे हैं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का खेलना भी तय नहीं है क्योंकि पहले टेस्ट में उनकी गर्दन में अकड़न आ गयी थी। भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारती है तो उसके हाथ से सीरीज निकल जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए बल्लेबाजी के साथ ही कई चीजों में सुधार करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज़ों ने कई बार ऐसे शॉट खेले जिनकी जरुरत नहीं थी। बिना रणनीति के बल्लेबाजी करना से भी टीम अधिक रन नहीं बना पायी। दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों को धैर्य, तकनीक और समझदारी दिखानी हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज़ स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। न्यूजीलैंड सीरीज़ से लेकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक यही समस्या दिखी। भारतीय हालातों में स्पिनर प्रभावी होते हैं। ऐसे में अगर भारतीय बल्लेबाज़ों ने स्पिन को ठीक से नहीं खेला तो उन्हें परेशानी का सामन करना पड़ेगा। इसके अलावा अच्छी शुरुआत करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पायी। शीर्ष क्रम के शुरुआत में आउट होने से मध्य क्रम दबाव में आ गया है। जिससे रन नहीं बने। इसके अलावा गेंदबाजों का भी बेहतर उपयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बिखरा नजर आया।

सुरभि चंदना ने शेयर किया टीवी से ब्रेक लेने का कारण

टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने एक समय में घर-घर में अच्छी पहचान बनाई है और दर्शकों के दिलों में राज भी किया है, लेकिन अब वे कई समय से टीवी की दुनिया से दूर हैं। उन्हीं में से एक अभिनेत्री सुरभि चंदना हैं। शनिवार को उन्होंने बताया कि उन्होंने टीवी की दुनिया से दूरी क्यों बना ली। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इतने दिनों से टीवी की दुनिया से क्यों दूर थीं। उन्होंने लिखा, टीवी सेट से लेकर थिएटर की रोशनी तकज्मुझे हमेशा से थिएटर में बहुत दिलचस्पी रही है। हर बार जब मैं कोई भी नाटक देखती थी, तो उसे पूरा देखकर आश्चर्य में पड़ जाती थी और खुद से ये सवाल करती थी कि एक अभिनेत्री के तौर पर क्या मैं इसका सामना कर पाऊंगी? अभिनेत्री ने बताया कि थिएटर में जाने के फैसले पर कई लोग उनसे सवाल करते रहते हैं कि उन्होंने टीवी से थिएटर को क्यों चुना?

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे ऐसा लगता है कि थिएटर करने से मेरा अभिनय और भी बेहतर होगा। ये अब और सच साबित हो रहा है। अब मैं इस कला की दुनिया में कदम रख रही हूं, जहां कुछ भी कट या दोबारा नहीं किया जा सकता है। इसमें हर पल और भावनाएं लाइव चलती हैं और कहानियां मंच पर जीवित रहती हैं। अभिनेत्री ने थिएटर में अपने पहले नाटक के बारे में बताते हुए लिखा, मेरा पहला नाटक थिएटर की इस नई यात्रा की शुरुआत है। आप सब इसे जरूर देखें। उन्होंने आगे लिखा, मेरी प्यारी विजयलक्ष्मी को धन्यवाद, जिनसे मुझे ये प्यारे लोग मिले, हमारे निर्देशक और मेरे मेंटर आदित्य, जो मेरी सभी रिहर्सल में मेरी मदद करते रहे हैं; और हमारी प्रोड्यूसर प्रेरणा सिंह, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं ये सब कर सकती हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए लिखा, मुझे लोगों ने चेताया था कि एक वक्त के बाद सब नशा बन सकता है, और अब लगता है मैं अगले नाटक के लिए तैयार हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान आईएएनएस से खास बातचीत में हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। आईएएनएस से बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है। फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है। हुमा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय महारानी की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है। हुमा ने कहा, खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया। दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। महारानी और दिल्ली क्राइम जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं। दिल्ली क्राइम सीजन 3 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।

रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी अपेक्षा पोरवाल अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं — और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

दशा और दिशा बदलने आ रही है पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। जानिए आप सिनेमाघरों में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म कब देख सकेंगे।

कब रिलीज हो रही है फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए साल में, दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म राहु-केतु के बारे में

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक कॉमेडी और फैंटेसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग मुंबई और मनाली में हुई है।

शेफाली शाह ने जयदीप अहलावत को बताया अपना पसंदीदा कलाकार

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है।

अभिनेत्री ने बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है।

अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा।' अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती हैं।

इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत

अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म थ्री ऑफ अस साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

अब तक की सबसे महंगी फिल्म हो सकती है वाराणसी

फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसके बजट से लेकर स्टार्स की फीस तक के बारे में जानने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। इस बीच, प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की सैलरी को लेकर खुलासा हो गया है।

प्रियंका ने फिल्म के लिए मांगी 30 करोड़ रुपये की फीस

फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी अगली मेगास्टार फिल्म वाराणसी के लिए पहली बार महेश बाबू के साथ हाथ मिलाया है। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में भव्य टाइटल लॉन्च इवेंट हुआ, जहां फिल्म के नाम की घोषणा की गई। महेश बाबू के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल्स में हैं। प्रियंका वाराणसी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और फैंस अब कलाकारों को दी गई फीस जानने के लिए एक्साइटेड हैं। प्रियंका चोपड़ा पहली बार फिल्ममेकर एसएस राजामौली के साथ वाराणसी में काम करेंगी। पहले इसका नाम SSMB29 रखा गया था। कोईमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका ने इस फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये की फीस मांगी है। इस तरह वह किसी भी निर्देशक के साथ काम करने वाली सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बन गई हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रियंका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। एसएस राजामौली की आरआरआर में आलिया भट्ट ने 9 करोड़ रुपये लिए थे, जबकि बाहुबली में अनुष्का शेट्टी ने 5 करोड़ रुपये लिए थे। प्रियंका कथित तौर पर दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ देंगी, जो अब तक सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस रही हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस

साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस के बारे में अभी तक कोई खबर नहीं आई है। हालांकि प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल आइकन हैं और उनकी स्टार पावर दुनिया भर में है, लेकिन उनकी ऊंची फीस उनके फैंस के साथ न्याय नहीं कर पा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि न तो मेकर्स और न ही फिल्म के स्टार्स ने अभी तक उन्हें मिलने वाली फीस की पुष्टि की है।

महेश बाबू लेंगे 40 परसेंट प्रॉफिट

रिपोर्ट और कोईमोई के एक करीबी सूत्र के अनुसार, महेश बाबू और फिल्ममेकर एसएस राजामौली नॉर्मल सैलरी नहीं लेंगे। राजामौली को महेश बाबू के काम पर बहुत भरोसा है जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। इसी वजह से दोनों ने ज़्यादा फीस न लेने का फैसला किया है। उनका मकसद वाराणसी के साथ एक विरासत बनाना है। इसलिए, महेश बाबू और एसएस राजामौली कथित तौर पर मेकर्स के साथ 40% प्रॉफिट समझौता करेंगे। रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि महेश बाबू कोई वेतन नहीं लेंगे और उन्होंने एसएस राजामौली के साथ एक शेयर प्रॉफिट समझौते पर बातचीत की है। इसका साफ मतलब है कि वाराणसी के लिए महेश बाबू की सैलरी पूरी तरह से फिल्म के मुनाफे पर निर्भर करेगी।

क्या आप जानते हैं?

- कागज का आविष्कार चीन के ली यैंग में रहने वाले साई लुन ने 105 ई. में पुराने काटे गए मछली पकड़ने वाले जालों से किया।
- मिस्र की नील नदी के किनारे बहुतायत में उगने वाले 'पपायरस' नामक पौधे के नाम पर 'पेपर' शब्द बना।
- 1690 में जर्मनी स्थित पेनसिल्वेनिया शहर में विलियम रिटेनहाऊस ने पहली पेपर मिल का निर्माण किया।
- पेड़ों की लकड़ी के गुद्दे से निकलने वाले सैलुलोस फाइबर से कागज बनाया जाता है।
- 793 ईस्वी में अन्य देशों को कागजा के बारे में पता चला।

मैथ्स की जानकार

आमतौर पर मधुमक्खियों को मेहनती होने के कारण जाना जाता है, लेकिन ये गणित में भी होशियार होती हैं। वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पता लगाया है कि मधुमक्खियां एक ही नजर में नंबरों को पहचान सकती हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि मधुमक्खियां दो या तीन बिंदुओं के नमूने को आसानी से पहचान लेती हैं। साथ ही अगर उन्हें थोड़ी स्कूली शिक्षा भी दी जाए, तो तीन और चार की भी पहचान कर सकती हैं। अब वैज्ञानिक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मधुमक्खियां आधारभूत गणना कर सकती हैं। मधुमक्खियों के विभिन्न अंकों को पहचानने की क्षमता उन्हें परागों को ढूंढने में मददगार साबित हो सकती है, चाहे वे अपने छत्ते से कितनी ही दूर क्यों न हों। कबूतर, डॉल्फिन और बंदरों में भी नंबरों को पहचानने की क्षमता होती है।

पैशन का पैराशूट

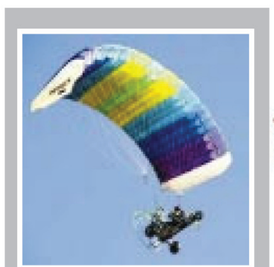

प्यारे बच्चो, आसमान में उड़ने की चाह सबके मन में होती है। आइए आज आपको पैराशूट और इससे जुड़े तथ्यों के बारे में बताएं...

आसमान में उड़ना अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है। सदियों से मनुष्य की इच्छा आसमान में उड़ने की रही है। इसीलिए वह उड़ने की कई असफल कोशिशों के बाद आखिर उड़ने में सफल हो गया। उसने जहाज, रॉकेट आदि कई तरह के उपकरणों को बनाया। मगर खुले रूप में आसमान में उड़ने की ख्वाहिश वैसी की वैसी ही रही। आज हम आपको मानव की जिस खोज के बारे में बता रहे हैं, वह ऐसी है, जो शायद इसी ख्वाहिश को पूरा करती है। जी हां यह खोज है–पैराशूट। इसके माध्यम से खुले रूप में आसमान में उड़ने का आनंद लिया जाता है। पैराशूट के साथ उड़ने का अनुभव जहाज में उड़ने के अनुभव से बिल्कुल अलग तरह का है।

आज इसके बिना वायुसेना का कोई भी पायलट जहाज में नहीं बैठता, पर आपको बता दें कि यात्री विमानों में पायलटों के लिए के लिए पैराशूट का उपयोग करना मना है।

मगर पैराशूट की खोज इतनी आसानी से नहीं हुई। इसके लिए लोगों को बहुत मेहनत करनी पड़ी। यहां तक कि कुछ लोगों को तो अपनी जान तक से हाथ धोना पड़ा। तब कहीं जाकर पैराशूट का वर्तमान स्वरूप हमारे सामने आया। मगर इस खोज पर काम करने वाले लोगों में इतना पैशन था कि वह अपने काम से पीछे नहीं हटे।

कहते हैं सबसे पहला पैराशूट इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक ल्युनार्दो दसी ने आज से लगभग 500 साल पहले बनाया था, बहुत से लोगों ने इस में सुधार किए और कई नए डिजाइन के पैराशूट बनाए। 1783 में एक फ्रांसीस डॉक्टर स्वास्तिन लनारमां ने लकडी के ढांचे पर कपडा डालकर पैराशूट बनाया और इसके द्वारा एक ऊंची ईमारत से छलांग लगाई, जिसको देखकर लोग हैरान रह गए।

सन 1797 में एक अन्य फ्रांसीसी आंद्रे गार्निरन ने हवा में उड़ते हुए गुबारे पर से पैराशूट द्वारा छलांग लगाने का प्रदर्शन किया। यह कारनामा पैरिस के हजारों लोगो ने देखा। जब गार्निरन का गुब्बारा 3000 फुट की ऊंचाई पर पहुंचा, तो वह रस्सी काट दी गई, जिससे पैराशूट गुब्बारे के साथ बंधा हुआ था। रस्सी के कटते ही पैराशूट तेजी से धरती की ओर आया यह भयानक दृश्य देखकर बहुत से कमजोर लोग के स्त्री पुरुष बेहोश हो गए। लोगों का विचार था कि गार्निरन का पैराशूट नीचे गिर जाएगा और उसकी हड्डीपसली एक हो जाएगी, पर जैसे ही पैराशूट में हवा भरी गई, वह धीरे–धीरे धीमी गति से नीचे उतर आया। 24 जुलाई 1837 को रॉबर्ट काकिंग ने लन्दन के बॉक्स हाल गार्डन में पैराशूट की उड़ान का प्रदर्शन किया। उसने पैराशूट को एक गुबारे के नीचे बांधा और गुबारे को गैस द्वारा हवा में उड़ा दिया। वह स्वयं पैराशूट की टोकरी में खडा था। लोग खुशी से तालियां बजा रहे थे। पांच हजार फुट की ऊंचाई पर पहुंचकर उसने पैराशूट को गुबारे से अलग कर दिया। दुर्भाग्य से पैराशूट का लकड़ी का ढांचा हवा के दबाव से टूट गया और राबर्ट धरती पर गिरकर मर गया। पर मनुष्य हार कहां मनाता है, एक आविष्कार फेल हो जाए, तो दूसरे की खोज में लगा जाता है। वह अपनी हर असफलता से सफलता की सीढ़ी तलाश करता है। इस दुर्घटना के 15 महीने बाद ही एक अंग्रेज हेम्टन ने एक हल्का–फुल्का पैराशूट बनाया। वह इससे हवा में उड़ा और फिर एक उड़ते गुबारे से सफलता पूर्वक नीचे उतर आया।

लकड़ी के ढांचे पर कपड़ा डालकर बनाए जाते थे। फान टासल ने सूती कपड़े की एक छतरी बनाई। उसका यह पैराशूट बहुत लोकप्रिय हुआ। कुछ समय के बाद सूती कपड़े की बजाय रेशमी कपड़े का इस्तेमाल किया जाने लगा, जिससे यह अधिक मजबूत और अधिक हल्का हो गया। अमरीका का एक सैनिक कैप्टन एलबर्ट बेरी पहला व्यक्ति था, जिसने पैराशूट के द्वारा विमान से छलांग लगाई। उसका विमान 55 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ रहा था। यह घटना 1912 की है। उन दिनों जहाज की नई–नई खोज हुई थी और उसकी गति भी बहुत धीमी हुआ करती थी।

पैराशूट के द्वारा अभी तक धरती पर उतरना एक खेल ही समझ जाता था। लोगों के दिमाग में अब तक यह विचार नहीं आया था कि इससे पायलटों को भी मुसीबत के वक्त बचाया जा सकता है। सन 1914 में पहला महायुद्ध शुरू हुआ, तो उसमें बमवर्षा के लिए जहाजों का भी इस्तेमाल किया गया। इसके 21 साल बाद जब दूसरा महायुद्ध हुआ, तो इसमें जहाज चालकों ने पैराशूट का उपयोग किया और इस प्रकार हजारों पायलट मौत के मुंह में जाने से बच गए। अब पैराशूट नायलोन के बनाए जाते हैं। यह बहुत हलके–फुल्के और मजबूत होते हैं। अब इनसे कई तरह के काम लिए जाते हैं। युद्ध आदि के दौरान पैराशूट द्वारा शत्रु के प्रदेश में सेना उतारी जाती है, इसको छाता सेना कहते हैं। इसके अलावा जरूरत के समय गोला–बारूद और खाने–पीने का सामान भी पैराशूट से सेना के मोर्चों में गिराया जाता है। तेज गति से चलने वाले जहाजों को हवाई अड्डे में रोकने के लिए भी पैराशूट का उपयोग किया जाता है। जब इस प्रकार का कोई जहाज धरती पर उतरता है, तो पीछे का पैराशूट खुल जाता है और उसमें हवा भर जाती है। जिससे विमान की गति काम हो जाती है। इस तरह उसको ब्रेक लगाकर आसानी से रोका जा सकता है। अंतरिक्ष यात्री जिस कैप्सूल में बैठकर धरती पर उतारते हैं, उसमें भी पैराशूट लगा होता है। यदि यह न हो, तो कैप्सूल धरती पर गिरकर टुकड़े–टुकड़े ही हो जाए।

>> बाल कविता

चूहा और बिल्ली

इक चूहे नें बिल्ली पाली।
आधी पीली आधी काली।

पीती दूध और खाए मलाई
अच्छी लगती उसे मिठाई।

मैगी नूडल्स पिज्जा बर्गर।
बातें करती वो फर्र–फ़र्र।

करती वो दिन भर आराम।
नहीं आती वो किसी के काम।

चूहे नें कुछ दिन की सेवा।
दिया मलाई फल और मेवा।

खाकर बिल्ली हो गई मोटी।
हुई चूहे पर नियत खोटी।

पलक झपकते पकड़ के खाया
अपना ही तो दांव गंवाया।

अब न मिलती रोटी सूखी।
दिन भर रहती बिल्ली भूखी।

सूख के हो गई दुबली–पतली।
दिख गया अपना चेहरा असली।

अपनी करनी का फल पाया
बिल्ली नें सब–कुछ गंवाया।

>> जिज्ञासा

किसने बनाई कुतुबमीनार

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

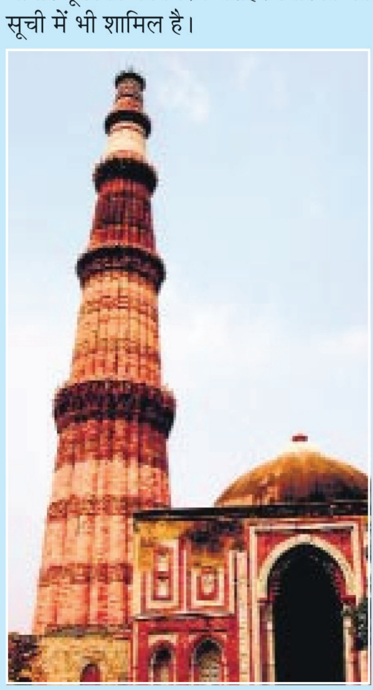

ये हमारा सौरमंडल

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें—

सूर्य– यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)– यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस– (शुक्र ग्रह)– दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी–हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आ सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव–जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स– (मंगल ग्रह) – मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का च कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर– (बृहस्पति) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफ़ान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) – सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमैट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस– सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द–गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून– यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

ब्रुकलिन ब्रिज

ब्रुकलिन ब्रिज न्यूयार्क की ईस्ट रिवर के आरपार बना है। किसी समय इसे दुनिया का आठवां अजूबा माना जाता था। इस पुल की संकल्पना और इसे बनाने का विचार एक दूरदर्शी इंजीनियर जॉन रोबलिंग को आया था। तब पुलों के विशेषज्ञों ने कहा था कि ऐसा पुल बनाना संभव नहीं है, लेकिन रोबलिंग का प्रोजे ट इतना बढ़िया था कि लोग उसमें पैसा लगाने को तैयार हो गए। रोबलिंग अपना सपना साकार करने में जुट गए। लेकिन परियोजना को शुरू किए अभी थोड़ा ही समय बीता था कि उनकी एक दुर्घटना में मौत हो गई।

बेटे का संकल्प

पिता की मौत के बाद वाशिंगटन ने अपने पिता के सपने को पूरा करने का बीड़ा उठाया। वह भी इंजीनियर था। लेकिन किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। यह परियोजना शुरू हुए अभी कुछ ही समय बीता था कि वाशिंगटन भी एक दुर्घटना का शिकार हो गए। ए सीडेंट में उन्हें कई चोटें आईं, जिनकी वजह से उन्हें कई महीनों तक बिस्तर पर ही रहना पड़ा।

पत्नी का साथ

वाशिंगटन के ए सीडेंट के बाद उनकी मदद के लिए उनकी पत्नी आगे आई। वह केवल अपनी उंगलियां ही हिला सकते थे। वह अपनी पत्नी की बांह पर उंगलियों से अपनी बात को समझाते और इस तरह अपनी पत्नी के माध्यम से उन्होंने इंजीनियरों को संदेश भेजने शुरू कर दिए। उनकी मदद के लिए उनकी पत्नी ने भी इंजीनियरिंग की शिक्षा हासिल की। कुछ समय बाद जब वाशिंगटन बैठने के काबिल हुए, तो उन्होंने दूरबीन की मदद से पुल के काम पर नज़र रखनी शुरू कर दी।

सपना हुआ साकार

486 मीटर लंबा यह पुल उस समय का सबसे लंबा झूला पुल था। इसे बनाने में 14 साल लगे थे और जॉन रोबलिंग सहित 19 लोगों ने जान गंवाई। इस पर लागत आई थी– 1.5 करोड़ डॉलर, जोकि उस समय एक बहुत बड़ी रकम थी। यह पुल उस विश्वास की जीत थी, जो बेटे ने पिता पर और पत्नी ने पति पर किया था। उन्होंने दिखा दिया था कि इंसान अगर ठान ले, तो वह कोई भी मुश्किल काम कर सकता है। 24 मई 1883 को पुल खुलने के समय उसकी पूरी लंबाई को बिजली की रोशनियों से सजाया गया था। इस तरह यह संसार का पहला बिजली से रोशन पुल बना।

हम बताएं, आप बनाएं